

#### म्रसावा रग

### **EXTRAORDINARY**

भाग II--खण्ड 3---जपक्षण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

याबिकार से प्रकाशित

### PUBLISHED BY AUTHORITY

**सं**० 45]

मई विल्ली, ४हस्पतिवार, मार्च 1, 1973/फाल्गुन 10, 1894

No. 45]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 1, 1973/PHALGUNA 10, 1894

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रखा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

#### NOTIFICATIONS

CUSTOMS

New Delhi, the 1st March 1973

- I. No. 18-Customs, dated the 1st March, 1961.
- 2. No. 36-Customs, dated the 23rd March, 1961.
- 3. No. 76-Customs, dated the 1st March, 1963.
- 4. No. 33—Customs, dated the 28th February, 1965.
- 5. No. 29.—Customs, dated the 1st March, 1968.
- 6. No. 30—Customs, dated the 1st March, 1968.
- 7. No. 49—Customs, dated the 9th May, 1970.
- 8. No. 76-Customs, dated the 12th August, 1970.
- 9. No. 2-Customs, dated the 16th January, 1971.
- 10. No. 54-Customs, dated the 29th May, 1971.
- No. 99—Customs, dated the 13th December, 1971.

[No. 21/F. No. Bud (Cus)/73.]

### वित्त मंत्रालय

# (राजस्व ग्रीर बीमा विभाग)

### प्रधिसूचनाएं

### सीमा-शुल्क

### नई दिल्ली, 1 मार्च, 1973

सा० का० नि० 74(प्र).—सीमा-शुल्क प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त अवितयों का प्रयोग काते हुये केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐंसा करना धावण व है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, यथास्थित, राजस्व विभाग या राजस्व भौर बीमा विभाग की निम्नलिखित धिधसूचनाभ्रों को विखण्डित करती है, श्रर्थातृ :---

- सं० 18-सीमा-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1961
- सं० 36-सीमा-शुल्क, तारीख 23 मार्च, 1961
- सं० 76—सीमा-शृल्क, तारीख 1 मार्च, 1963
- 4. सं० 33–सीमा-शुल्क, तारीख 28 फरवरी, 1965
- 5. सं० 29-सीम-शृल्क, तारीख 1 मार्च, 1968
- 6. सं० 30-सीमा-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1968
- 7. सं० 49-सीमा-शुल्क, तारीख 9 मई, 1970
- सं० 76-सीमा-शुल्क, तारीख 12 श्रगस्त, 1970
- सं० 2—सीमा-शुल्क तारीख 16 जनवरी, 1971
- सं 54—सीमा-शुल्क, तारीख 29 मई, 1971
- 11. सं 99-सीमा-शुल्क तारीख 13 दिसम्बर, 1971

# [मं० 21-का०स० बजट (मी० भू)/73.]

G.S.R.75(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby directs that the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance, Revenue Division, Department of Revenue, Department of Revenue and Company Law or the Department of Revenue and Insurance, as the case may be specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be further amended or amended, as the case may be, in the manner specified in column (3) of the said Table.

#### THE TABLE

Serial No.	Notification number and date	Amendment
(1)	(2)	(3)

44—Customs, dated the 20th May, 1950.
 In the Schedule annexed to the said notification, the entries in columns 2, 3 and 4 against Serial No. 10 shall be omitted.

**(I)** (2)(3)

- 197—Customs, dated the 31st August, 1957 For the figures and words "30 per cent. ad valorem" and "20 per cent. ad valorem", the figures and words "40 per cent. ad valorem" and "30 per cent. ad valorem shall, respectively, be substituted.
- 308—Customs, dated the 21st December, -Customs, dated the 15th February, -Customs, dated the 10th May, 1958. 150-Customs, dated the 10th 1958. 86.—Customs, dated the 20th August, 1960. -Customs, dated the 1st February,
  - 1964.
  - 9-Customs, dated the 8th February, 1964.
  - 57—Customs, dated the 1st April,
  - 80-Customs, dated the 13th May, 1964.
  - 13-Customs, dated the 8th January, 1966.
  - 10-Customs, dated the 11th February, 1967.
  - 46—Customs, dated the 3rd May, 1967.
  - -Customs, dated the 21st May, 1968. 54—Customs, dated the 19th February, 1969.
  - 65-Customs, dated the 26th February, 1969.
  - 46—Customs, dated the 29th May, 1971. 48-Customs, dated the 29th May, 1971. 17-Customs, dated the 17th February,
  - 1973. 86-Customs, dated the 26th June, 1962.
- 71—Customs, dated the 28th April, 1964.
- 6. 117-Customs, dated the 20th August, 1965.
- 7. 118-Customs, dated the 20th August, 1965.
- 43-Customs, dated the 29th May, 1971.

In each of the said notifications, for the figures and words "30 per cent ad valorem" the figures and words "40 per cent. ad valorem" shall be substituted.

In the Schedule annexed to the said notification, Serial Nos. 6 and 7 and the entries relating thereto shall be omitted.

For the words "ten per cent. ad valorem" the figures and words "40 per cent. ad valorem" shall be substituted.

In the Table annexed to the said notification:

- (i) the entries in columns (2) and (3) against Serial Nos. 13, 30, 43, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 83, 84, 85 and 92 shall be omitted; and
- (ii) the entries in columns (2), (3) and (4) against Serial Nos. 71, 91, 95, 96 and 97 shall be omitted.
- In the Table annexed to the said notification, the entries in columns (2), (3) and (4) against Serial No. 13, and Serial No. 16 and the entries relating thereto shall be omitted.
- In the Table annexed to the said notification, the entries in columns (2) and (3) against Serial Nos. 2 and 3 and Serial Nos. 40 to 62 (both inclusive) shall be omitted.

(I) (2) (3)

9. 44-Customs, dated the 29th May, 1971.

For the figures and words "30 per cent. ad valorem", the figures and words "60 per cent. ad valorem" shall be substituted.

[No. 22/F. No. Bud Cus)/73.]

साठ काठ नि०75(अ).—सीमा-णुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार, एत्द्बारा यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के, यथास्थित, राजस्व प्रभाग राजस्व विभाग, राजस्व और कम्पनी विधि विभाग या राजस्व और बीमा विभाग की इसमे उपावद्ध अनुसूची के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट अधिसूचाओं को. यथास्थिति, उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट रीति से यथास्थिति, संशोधित या और आगे संशोधित की जाएगी।

### सारगी

ऋम संख्या	प्रधिसूचना संख्या श्रौर तारी <b>ख</b>	संगोधन
1	2	3
1.	44-सीमा-शुल्स, तारीख 20 मई, 1950	उक्त श्रधिसूचना से उपाबद्ध श्रनुसूची में ऋम सं० 10 के सामने के स्तम्भ 2, 3 श्रौर 4 की प्रविष्टियां लुप्त कर दी जायेंगी।
2.	197—सीमा-शुल्क, तारीख 31 <b>प्रग</b> स्त, 1957	"30 प्रतिशत मूल्यानुसार" श्रौर "20 प्रतिशत मूल्यानुसार" श्रंकों ग्रौर शब्दों के स्थान पर क्रमशः "40 प्रतिशत मूल्यानुसार" श्रौर "30 प्रतिशत मुल्यानुसार" श्रंक श्रौर शब्द रखे जायेंगे ।

308-सीमा-शुल्क, तारीख 21 दिसम्बर, 1957
 48-सीमा-शुल्क तारीख 15 फरवरी, 1958
 143-सीमा-शुल्क, तारीख 10 मई, 1958
 150-सीमा-शुल्क, तारीख 10 मई, 1968
 86-सीमा-शुल्क, तारीख 20 प्रगस्त, 1960

1

2

3

6-सीमा-शुल्क , तारीख 1 फर्बरी, 1964 9-सीमा-शुल्क, तारीख 8 फरवरी, 1964 57-मीमा-शुल्क, तारीख 1 श्रप्रैंल, 1964 80-सीमा-शुल्क, तारीख 13 मई, 1964 13-सीमा-शल्क, तारीख 8 जनवरी, 1966 10-सीमा-शुल्क, तारीख 11 फरवरी, 1967 46-सीमा शुल्क, तारीख 3 मई, 1967 80-सीमा-शल्क, तारीख 21 मई, 1968 54-सीमा-शुल्क, तारीख 19 फरवरी, 1969 65-सीमा-शुल्क, तारीख 26 फरवरी, 1969 46-सीमा-शुल्क, तारीख 29 मई, 1971 48-सीमा-शुल्क तारीख 29 मई, 1971 17-सीमा-शुल्क, तारीख 17 फरवरी, 1973

उक्त ग्रधिसूचनाग्रों में से प्रत्येक में "30 प्रतिशत मूरुयानुसार" ग्रंकों श्रीर शब्दों के स्थान पर "40 प्रतिशत मूल्यानुसार" ग्रंक श्रीर शब्द रखे जायेंगे।

- 4. 86-सीमा-शुल्क, तारीख 26 जून, 1962
- 71—सीमा-शुल्क, तारीख
   28 अप्रैल, 1964
- 117—सीमा-गृल्क तारीख
   20 ग्रगस्त, 1965

उक्त ग्रधिसूचना से उपाबद्ध ग्रनुसूची में कम सं० 6 ग्रौर 7 तथा उनसे सम्बन्धित प्रविष्टियां लुप्त कर दी जायेंगी ।

"वस प्रतिशत मूल्यानुसार" शब्दों के स्थान पर "40 प्रतिशत मूल्यानुसार" शब्द क्वीर श्रंक रखे जायेंगे ।

जन्त प्रधिसूचना से ज्याबद्ध सारणी में :—
(i) ऋम सं० 13, 30, 43, 72, 73,
74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 83
84, 85, श्रीर 92 के सामने स्तम्भ 2 ग्रीर
3 की प्रविष्टियां लुप्त भर वी जायेंगी ग्रीर;

2 3 1 (ii) ऋम सं० 71, 91, 95, 96 और 97 के सामने स्तम्भ (2) ग्रौर (3) ग्रौर (4) की प्रविष्टियां लुप्त कर दी जायगी। उक्त प्रधिसूचना से उपाबद्ध सार्णी में कम सं० 7. 118-सीमा-शुल्क तारीख 13 श्रौर कम सं० 16 श्रौर उनसे सम्बन्धित 20 श्रगस्त, 1965 स्तम्भ (2), (3) भ्रौर (4) में की प्रवि-ष्टियां लुप्त कर दी जायेगी। उक्त ग्रधिस्चना से उपाबद्ध सारणी में कम सं० 43-सीमा-शल्क, तारीख 8. 2 और 3 के सामने सतम्भ (2) और (3) 29 मई. 1971 की प्रविष्टियां श्रौर कम सं० 40 से 62 (दोनों भिलाकर) लुप्त कर दी जायेंगी। "30 प्रतिशत मृल्यानुसार" शब्दों धौर श्रंकों 44-सीमा-शल्क, तारीख 9. के स्थान पर "60 प्रतिशत मुल्यानुसार" 29 मई, 1971 श्रंम और मब्द रखे जायेंगे। [सं० 22-फा० सं० बजट (सी० शु०)/ 73]

G.S.R.76(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 to 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts tallow falling under Item No. 15(3) of the First Schedule to the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), when imported into India, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule as is in excess of 30 per cent. ad valorem.

[No. 23/F. No. Bud(Cus)/73.]

सा० का० नि ० 76 (अ) - सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मक्सियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार, एतदद्वारा यह समाधान हो आने पर कि लोकहित में ऐसा करना श्रावश्यक है, भारतीय टैरिफ अधिनियम, 1934 (1934 का 32) की प्रथम अनुसूची की मद सं॰ 15(3) के अन्तर्गत आने वाले दैलो पर, जब उनका प्रथम ग्रायात किया जाये, उस पर उद्ग्रहणीय सीमा-शुल्क के, जो उक्त प्रथम ग्रन-सची में विनिर्दिष्ट हैं, उतने भाग से जितना 30 प्रतिशत मृल्यानुसार से प्रधिक है, छूट देती है।

[सं० 23--फा० सं० बजट (सी० श्o)/73]

G.S.R.77(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts stainless steel strips falling under Item No. 63(20A) of the First Schedule to the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), when imported into India, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule as is in excess of-

- (i) 50 per cent. ad valorem, if manufactured in the United Kingdom; and
- (ii) 60 per cent. ad valorem, in other cases.

[No. 24/F. No. Bud (Cus)/73.]

साः काः सिः 77 (अ):—सीमा-मुल्क भ्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गिवनयों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय मरकार, एतदुद्वारा यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना श्रावण्यक है भारतीाय टैरिफ श्रधिनियम. 1934 (1934 का 32) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 6(20क) के अन्तर्गत आने वाले भिधिकारी इस्पात की पत्तियों, पर जब उसका भारत में श्रायात किया जाये उस पर उदग्रहणीय सीमा-गुल्क के, जो उक्त प्रथम श्रनुसूची में विनिर्दिष्ट है, उतना भाग से जितना—

- (I) यदि युनाइटेड किंगडम में श्रविनिर्मित है 50 प्रतिगत मृल्यानुसार ; श्रौर
- $(\mathrm{II})$  श्रन्य मामलों में 60 प्रतिशत मुल्यानुसार, । से श्रधिक है छूट देती है ।

सिं 24-फा॰ सं॰ बजट (सी॰ श्॰)/73]

G.S.R. 78(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-clause (4) of clause 25 of the Finance Bill, 1973 which clause, by virtue of the declaration made under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), has the force of law, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the mubic intersect so to do headly account to the control of the Table. in the public interest so to do, hereby exempts the goods specified in column (2) of the Table below, being goods mentioned in the First Schedule to the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), from so much of the auxiliary duty of customs leviable thereon under sub-clause (1) of clause 25 of the said Finance Bill as is in excess the rate specified in column (3) of the said Table;

Provided that nothing contained in this notification shall affect the exemption granted under any other notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) for the time being in force, from the auxiliary duty of customs in respect of the goods referred to in this notification.

#### THE TABLE

Sl. No.	Description of goods	Rate of auxiliary duty of customs
(1)	(2)	(3)

- Goods in respect of which the rate of duty of Ten per cent. of the value of the goods as customs specified in the said First Schedule read with any relevant notification of the Government of India for the time being in force, is 60 per cent. ad valorem or more but less than 100 per cent. ad valorem.
  - determined in accordance with the provisions of section 14 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962).
- 2. Goods in respect of which the rate of duty of Five per cent of the value of the goods as customs specified in the said First Schedule read with any relevant notification of specific sions of section 14 of the Customs Act, 1962 the Government of India for the time being in force, is less than 60 per cent. ad valorem or nil.
  - (52 of 1962).
- 3. Goods in respect of which duty of customs specified in the said First Schedule read with any relevant notification of the Government of India for the time being in force, is-
- Five per cent. of the value of the goods as determined in accordance with the provisions of section 14 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962).

- (i) at a specific rate; or
- (ii) at a specific rate or ad valorem rate, whichever is less or higher as the case may be; or

(1)

(2)

(3)

(iii) at a specific rate and ad valorem rate.

4. Crude petroleum falling under Item No. 27 Rs. 9. 50 per metric tonne. (10) of the said First Schedule.

Explanation: For the purposes of Sl. Nos. I and 2 in the above Table, the expression "the rate of duty of customs specified in the said First Schedule read with any relevant notification of the Government of India", in relation to any article liable to two or more different rates of duty, means that rate of duty which is the highest of those rates.

[No. 25/F. No. Bud (Cus)/73.]

सा० का० लि॰ 78(म्र) .— वित्त विधेयक, 1973 के खण्ड 25 के उपखण्ड (4), जो खण्ड करों का मनित्तम संग्रहण मधिनियम, 1931 (1931 का 16) के मधीन की गई घोपण के मधिर पर विधि का बल रखता है, के साथ पठित सीमा-मुल्क मधिनियम, 1962 (1962 का 52) की घारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त मिस्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना म्रावश्यक है निम्नलिखित सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट माल को, जो भारतीय टैरिफ मधिनियम, 1934 (1934 का 32) की प्रथम मनुसूची में उल्लिखित माल है, पर उक्त वित्त विधेयक के खण्ड 25 के उपखण्ड (1) में उद्महणीय उतने सहायिकी सीमा-मुल्क से जितना उक्त सारणी के स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट दर से मधिक है, छूट देती है ।

परन्तु इस अधिसूचना में की कोई भी बात, इस अधिसूचना में निर्दिष्ट माल की बाधत सीमा-शुल्क के सहायिकी शुल्क से भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व भीर वीमा विभाग) की तत्समय प्रवृत्त किसी श्रन्य अधिसूचना के श्रन्तर्गत दी गई छूट पर प्रभाव नहीं डालेगी।

# कारगी

क्रम सं० माल का विवरण सहायिकी सीमा-शुल्क की दर 1 2 3

- गि. ऐसे माल की जिनकी बाबत भारत सरकार के तत्समय प्रवृत्त किसी सुसंगत ग्रिधसूचना के साथ पठित उक्त प्रथम ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट सीमा-शुल्क की दर 60 प्रतिशत मूल्यानुसार या उससे ग्रिधक है किन्तु 100 प्रतिशत मूल्यानुसार मूल्यानुसार से कम है ।
- 2. ऐसे माल जिनकी बाबत भारत सरकार के तत्समय प्रवृत्त किसी सुसंगत श्रिधसूचना के साथ पठित उक्त प्रथम श्रनुसूची में विनिर्दिट सीमा-शुल्क की दर 60 प्रतिशत मूल्यानुसार से कम है या कुछ नहीं है।
- सीमा-शुल्क श्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 14 के उपबन्धों के श्रन्मार यथाश्रव-धारित माल के मृल्य का दस प्रति-शत।
- सीमा-शुल्क श्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 14 के उपबन्धों के श्रनुसार यथाभ्रव-धारित माल के मूल्य का पांच प्रतिशत।

1

1962

की धारा 14

(1962 का 52)

सीमा-शल्क

3

भ्रधिनियम.

के उपबन्धों के भ्रनुसार यथाभ्रवधारित

माल के मुल्य का पांच प्रतिशत।

- ऐसे माल जिनकी बाबत भारत सरकार के तत्समय प्रवृत्त किसी सुसंगत ग्रिधिसूचना के साथ पिठ / उक्त प्रथम ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट सीमा-शुल्क. -
  - (i) त्रिनिर्दिष्ट दर पर ; या
  - (ii) विनिर्विष्ट दर पर या मूल्यानुसार दर पर, यथास्थिति, जो भी कम या ध्रधिक हो ; या
  - (iii) विनिर्विष्ट दर श्रौर मूल्यानुसार दर पर है।
- उक्त प्रथम ग्रनुसूची की मद सं० 27 (10) के 9.50 प्रति मीटरी टन ।
   ग्रन्तर्गत ग्राने वाला कच्चा पैट्रोलियम ।

स्पष्टीकररा. --- ऊपर की सारणी की कम संख्या 1 भीर 2 के प्रयोजन के लिये "भारत सरकार की किसी सुसंगत अधिसूचना के साथ पठित उक्त प्रथम श्रनुभूची में विनिर्दिष्ट सीमा-शुल्क की दर" श्रिभिव्यक्ति से किसी ऐसी वस्तु के समबन्ध में जिस पर दो या दो से श्रिधिक श्रनग श्रन्क की दरें लागू होती है, शुल्क की वह दर श्रभिप्रेत है जो उन दरों में सबसे श्रिधिक है।

[संख्या 25-फा॰ सं॰ बजट (सी॰ शु॰)/73]

G.S.R. 79 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-clause (4) of clause 25 of the Finance Bill, 1973, which clause, by virtue of the declaration made under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), has the force of law, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods falling under Items Nos. 10, 10(1), 10(2), 15(3), 15(9), 27(4)(8), 27(5)(8), 27(5)(8), 27(6), 27(7)(b), 27(8), 72(9), 72(13), 72(14)(8)(1), 72(14)(8)(1), 72(14)(8)(1), 72(14)(1), 72(14)(1), 72(14)(1), 72(14)(1), 72(15), 72(15), 72(17), 72(18), 72(19), 72(20), 72(21), 72(22), 72(23), 72(24), 72(25), 72(34), 72(39), 72(40)(8), 72(40)(b), 75(18)(a), 75(18)(b)(i), 86(2), 86(3) and 86(4) of the First Schedule to the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), from the payment of the auxiliary duty of customs leviable thereon under sub-clause(1) of clause 25 of the said Finance Bill.

[No. 26/F. No. Bud(Cus) 73].

सा० का० नि० 79 (ग्र).—िवत्त विधेयक, 1973 के खण्ड 25 के उपखण्ड (4) जो खण्ड करों का अनित्तम संग्रहण ग्रिधिनियम, 1931 (1931 का 16) के ग्रिधीन की गई घोषणा के ग्राधार पर विधि का बल रखता है. सीमा-शुल्क ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की घारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये केन्द्रीय सरकार यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है एतद्बारा, भारतीय टैरिफ ग्रिधिनियम, 1934 (1934 का 32) की प्रथम ग्रनुसूची की मद सं० 10, 10(1), 10(2), 15(3), 15(9), 27(4) (क), 27(5)(क), 27(6) 27(7)(ख), 27(8), 44(5), 44(6), 45(1), 46(3), 47(8), 50(3), 62, 72, 72क (i) 72 क(ii), 72(1), 72(2), 72(3), 72(8), 72(9), 72(13), 72 (14), (क) (i), 72 (14) (क)(ii), 72(14)(क) (iji),

72(14)(ख), 72(15), 72(16), 72(17),72(18), 72(19), 72(20), 72(21), 72(22), 72(23), 72(24), 72(25), 72(34), 72(39), 72(40)(क), 72(40)(ख), 75(18)(क),75(18)(ख)(i), 86(2), 86(3) श्रौर 86(4) के श्रन्तगंत श्राने वाले माल को उक्त वित्त विधेयक के खण्ड 25 के उपखण्ड(1) के श्रधीन उन पर उद्ग्रहणीयः सहायिकी सीमा-गुल्क की श्रादायगी में छूट देती हैं।

[सं० 26-फा० सं० बजट (सी० शु) ०-73]

G.S.R. 80(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-clause(4) of clause 25 of the Finance Bill, 1973 which clause, by virtue of the declaration made under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), has the force of law, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods which are exempt from the duty of customs specified in the First Schedule to the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934) by virtue of the notifications of the Government of India, in the Ministry of Finance, specified in the Schedule below, from payment of the auxiliary duty: of customs leviable thereon under sub-clause (1) of clause 25 of the said Finance Bill.

#### THE SCHEDULE

- 1. No. 31-Customs, dated the 2nd April, 1949.
- No. 2-Customs, dated the 10th January, 1953.
- 3. No. 43-Customs, dated the 6th June, 1953.
- 4. No. 12-Customs, dated the 25th February, 1963.
- 5. No. 75-Customs, dated the 31st July, 1954.
- 6. No. 136-Customs, dated the 30th November, 1956.
- 7. No. 3-Customs, dated the 8th January, 1957.
- 8. No.113-Customs, dated the 16th May, 1957.
- 9. No. 220-Customs, dated the 12th October, 1957.
- 10. No. 65-Customs' dated the 22nd February, 1958.
- 11. No. 67-Customs dated the 22nd February, 1958.
- 12. No. 106-Customs, dated the 29th March, 1958.
- 13. No. 84-Customs, dated the 10th, May 1958.
- 14. No. 148-Customs dated the 10th May, 1958.
- 15. No. 151-Customs, dated the 10th May, 1958.
- 16. No. 259-Customs, dated the 11th October, 1958.
- 17. No 260-Customs, dated the 11th October, 1958.
- 18. No. 261-Customs, dated the 11th October, 1958.
- No. 262-Customs, dated the 11th October, 1958.
- 20. No. 269-Customs, dated the 25th October, 1958.
- 21. No. 271-Customs, dated the 25th October, 1958.
- 22 No. 273-Customs, dated the 25th October, 1958.
- 23 No. 275-Customs, dated the 25th October, 1958.
- 24. No. 276-Customs, dated the 25th October, 1958.
- 25. No. 84-Customs, dated the 13th August, 1960.
- No. 132-Customs, dated the 9th December, 1961.
- 27. No. 26-Customs, dated the 19th February, 1962.
- 28. No. 46-Customs, dated the 21st April, 1962.
- 29. No. 116-Customs, dated the 1st September, 1962.
- 30. No. 136-Customs, dated the 29th September, 1962.
- 31. No. 168-Customs, dated the 8th November, 1962.
- 32. No. 169-Customs, dated the 8th November, 1962.
- 33. No. 170-Customs dated the 8th November, 1962.
- 34. No. 43-Customs, dated the 1st February, 1963.
- 34. No. 92-Customs, dated the 9th March, 1963.

- 36. No. 93-Customs, dated the 27th April, 1963.
- No. 180-Customs, dated the 20th July, 1963.
- 38. No. 210-Customs, dated the 7th September, 1963.
- 39. No. 67-Customs, dated the 30th April, 1966.
- 40. No. 93-Customs, dated the 4th June, 1966.
- 41. No. 135-Customs, dated the 20th June, 1966.
- 42. No. 174-Customs, dated the 24th September, 1966.
- 43. No. 181-Customs, dated the 1st October, 1966.
- 44. No. 23-Customs, dated the 1st April, 1967.
- 45. No. 85-Customs, dated the 5th August, 1967.
- 46. No. 101-Customs, dated the 21st October, 1967.
- 47. No. 114-Customs dated, the 25th November, 1967.
- 48. No. 51-Customs, dated the 26th March, 1968.
- 49 No. 154-Customs, dated the 9th November, 1968.
- 50. No. 31-Customs, dated the 8th February, 1969.
- 51. No. 38-Customs, dated the 12th April, 1969.
- 52. No. 98-Customs, dated the 21st June, 1969.
- 53. No. 107-Customs, dated the 19th July, 1969.54. No. 109-Customs, dated the 26th July, 1969.
  - 54. No. 109-Customs, dated the 26th July, 1969.
  - No. 10-Customs, dated the 7th March, 1970.
     No. 48-Customs, dated the 16th May, 1970.
  - 57. No. 71-Customs, dated the 1st August, 1970.
  - 58 No. 80-Customs, dated the 29th August, 1970.
  - 59. No. 103-Customs, dated the 5th December, 1970.
- 60. No. 6-Customs, dated the 1st January, 1971.
  - 61. No. 32-Customs, dated the 31st March, 1971.
  - 62. No. 36-Customs, dated the 1st May, 1971.
  - 63. No. 39-Customs, dated the 22nd May, 1971.
  - 64. No. 40-Customs, dated the 22nd May, 1971.
  - 65. No. 62-Customs, dated the 22nd June, 1971.
  - 66. No. 66-Customs, dated the 31st July, 1971.
  - No. 84-Customs, dated the 11th September, 1971.
  - 68. No. 89-Customs, dated the 30th October, 1971.
  - 69. No. 52-Customs, datd the 6th April, 1972.
  - 70. No. 64-Customs, dated the 13th May, 1972.
  - No. 79-Customs, dated the 10th June, 1972.
  - 72. No. 81-Customs, dated the 10th June, 1972.
  - 73. No. 86.-Customs, dated the 24th June, 1972.
  - 74. No. 97-Customs, dated the 19th August, 1972.
  - 75. No. 102-Customs, dated the 19th August, 1972.
  - 76. No. 110-Customs, dated the 23rd September, 1972.
  - 77. No. 127-Customs, dated the 28th November, 1972.
  - 78. No. 11-Customs, dated the 3rd February, 1972.

[No. 27/F. No. Bud. (Cus)/73.]

सा० का० नि० 80(म्र).—वित्त विधेयक, 1973 के खण्ड 25 के उपखण्ड (4). जो खण्ड करों का मनित्म संग्रहण प्रधिनियम, 1931 (1931 का 16) के म्रधीन की गई घोषणा के म्राधार पर विधि का बल रखता है, के साथ पठित सीमा-शुल्क प्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोकहित में भ्रावश्यक है ऐसे माल पर, जिसको भारतीय टैरिफ म्रधिनियम, 1934 (1934 का 32) की प्रथम म्रनुसूची में विनिर्दिष्ट सीमा-शुल्क से, नीचे की म्रनुसूची में विनिर्दिष्ट भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की म्रधिसूचनाम्रों के म्राधार पर छूट प्राप्त है उक्त वित्त विधेयक के खण्ड 25 के उपखण्ड (1) के म्रधीन उस पर उद्ग्रहणीय सहायिकी सीमा-शुल्क की म्रदायगी से छूट देती है।

# श्र<mark>तुसूची</mark>

- 1. सं० 31-सीमा-शुल्क, सारीख 2 श्रप्रैल, 1949
- 2. सं० 2-सीमा-शुल्क, तारीख 10 जनवरी, 1953
- 3. सं० 43-सीमा-शुल्क, तारीख 6 जुन, 1953
- 4. सं० 12-सीमा-शुल्क, तारीख 25 फरवरी, 1953
- 5. **सं**० 75–सीमा-शुल्क, सारीख 31 जुलाई, 1954
- 6. सं० 136--सीमा-शुल्क, तारीख 30 नवम्बर, 1956
- 7. सं० 3-सीमा-गुल्क, तारीख 8 जनवरी, 1957
- 8. सं० 113-सीमा-शुल्क तारीख 16 मई, 1957
- 9. सं० 220-सीमा-शुल्क, तारीख 12 श्रक्तुबर, 1957
- 10. सं० 65-सीमा-शुल्क, तारीख 22 फरवरी, 1958
- 11. सं० 67–सीमा-गुल्क, तारीख 22 फरवरी, 1958
- सं० 106 सीमा-शुल्क तारीख 29 मार्च, 1958
- 13. सं० 145-सीमा-शुल्क, तारीख 10 मई, 1958
- 14. सं० 148-सीमा-शुल्क, तारीख 10 मई, 1958
- 15. सं० 151-सीमा-शुल्क, तारीख 10 मई, 1958
- 16. सं० 259-सीमा-शुल्क, तारीख 11 अक्तूबर, 1958
- 17. सं० 260-सीमा-शुल्क, तारीख 11 ग्राक्तूबर, 1958
- 18. सं० 261-सीमा-शुल्क, तारीख 11 भ्रक्तूबर, 1958
- 19. सं० 262-सीमा-शुल्क, तारीख 11 अक्तूबर, 1958
- 20. सं० 269-सीमा-शुल्क, तारीख 25 श्रक्तूबर, 1958
- 21. सं० 271-सीमा-शुल्क, तारीख 25 भ्रक्तूबर, 1958
- 22. सं० 273-सीमा-शुल्क, तारीख 25 श्रक्तूबर, 1958
- 23. सं० 275-सीमा-शुल्क, तारीख 25 श्रक्तूबर, 1958
- 24. सं॰ 276-सीमा-णुल्क, तारीख 25 अक्तूबर, 1958

- 25. सं० 84-सीमा-णुल्क, तारीख 13 भ्रगस्त, 1960
- 26. सं० 132-सीमा-गुल्क, तारीख 9 दिसम्बर, 1961
- 27. सं० 26-सीमा-गुल्क, तारीख 19 फरवरी, 1962
- 28. सं० 46-सीमा-शुल्क, तारीख 21 ग्रप्रैल, 1962
- 29. सं० 116-सीमा-शुल्क, तारीख 1 सितम्बर, 1962
- 30. सं० 136-सीमा-णूल्क, तारीख 29 सितम्बर 1962
- 31. सं० 168-सीमा-शृत्क, तारीख 8 नवम्बर, 1962
- 32. सं० 169-सीमा-शुल्क, तारीख 8 नवम्बर, 1962
- 33. सं० 170-सीमा-शुल्क, तारीख 8 नवम्बर, 1962
- सं० 43-सीमा-शुल्क, तारीख 1 फरवरी, 1963
- 35. सं० 92-सीमा-णुल्क तारीख 9 मार्च, 1963
- 36. सं० 93-सीमा-शुल्क तारीख 27 अप्रैल, 1963
- 37. सं० 180-सीमा-शुल्क तारीख 20 जुलाई, 1963
- 38. सं० 210–सीमा-शुल्क, तारीख 7 सितम्बर, 1963
- 39. सं० 67–सीमा-शुल्क, तारीख 30 भ्रप्रैल, 1966
- 40. सं० 93-सीमा-शुल्क, तारीख 4 जून, 1966
- सं० 135—सीमा-शुल्क, तारीख 20 जून, 1966
- 42. सं० 174-सीमा-शुल्क, तारीख 24 सितम्बर, 1966
- 43. सं० 181-सीमा-शुल्क, तारीख 1 भ्रक्तूबर, 1966
- 44. सं० 23-सीमा-शुल्क, तारीख 1 अप्रैल, 1967
- 45. सं० 85-सीमा-शुल्क, तारीख 5 भ्रगस्त, 1967
- 46. सं० 101–सीमा-शुल्क, तारीख 21 ग्रक्तूबर, 1967
- 47. सं० 114-सीमा-शुल्क, तारीख 25 नवम्बर, 1967
- 48. सं० 51-सीमा-शुल्क, तारीख 26 मार्च, 1968
- 49. सं० 154-सीमा-शुल्क, तारीख 9 नवम्बर, 1968
- 50. सं० 31-सीमा-शुल्क, तारीख 8 फरवरी, 1969
- 51. सं० 38-सीमा-शुल्क, तारीख 12 श्रप्रैल, 1969
- 52. सं० 98–सीमा-शुल्क, तारीख 21 जून, 1969
- 53. सं० 107-सीमा-गुल्क, तारीख 19 जुलाई, 1969
- 54. सं० 109 सीमा-शुल्क, तारीख 26 जुलाई, 1969
- 55. सं० 10-सीमा-शुल्क, तारीख 7 मार्च, 1970
- 56. सं० 48-सीमा-शुल्क, तारीख 16 मई, 1970
- 57. सं० 71-सीमा-शुल्क, तररीख 1 भ्रगस्त, 1970

```
58. सं० 80-सीमा-शुल्क, तारीख 29 भ्रगस्त, 1970
```

59. सं० 103-सीमा-शुल्क, तारीख 5 दिसम्बर, 1970

60. सं० 6-सीमा-शुल्क, तारीख 1 जनवरी, 1971

61. सं० 32-सीमा-शुल्क, तारीख 31 मार्च, 1971

62. सं० 36-सीमा-शुल्क, तारीख 1 मई, 1971

63. सं० 39-सीमा-शुल्क, तारीख 22 मई, 1971

64. सं० 40-सीमा-शुल्क, तारीख 22 मई, 1971

65. सं० 62-सीमा-शुल्क, तारीख 22 जून, 1971

66. सं॰ 66-सीमा-शुल्क, तारीख 31 जुलाई, 1971

67. सं० 84-सीमा-शूल्क, तारीख 11 सितम्बर, 1971

68. सं० 89-सीमा-शुल्क, तारीख 30 ग्रवनूबर, 1971

69. सं० 52-सीमा-शुल्क, तारीख 6 भ्राप्रैल, 1972

70. सं० 64-सीमा-शुल्क, तारीख 13 मई, 1972

71. सं० 79-सीमा-मुल्क, तारीख 10 जून, 1972

72. सं० 81--सीमा-शुल्क, तारीख 10 जून, 1972

73. सं० 86-सीमा-शुल्क, तारीख 24 जून, 1972

74. सं० 97-सीमा-शुल्क, तारीख 19 श्रगस्त, 1972

75. सं० 102-सीमा-शुल्क, तारीख 19 श्रगस्त, 1972

76. सं० 110-सीमा-शुल्क, तारीख 23 सितम्बर, 1972

77. सं० 127-सीमा-शुल्क, तारीख 28 नवम्बर, 1972

78. सं० 11-सीमा-शुल्क, तारीख 3 फरवरी, 1973

# [सं० 27-फा० सं०-बजट (सी० गु०) / 73]

G.S.R.8I(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-clause (4) of clause 25 of the Finance Bill, 1973 which clause, by virtue of the declaration made under the Provisional Collection of Taxes, Act 1931 (16 of 1931), has the force of law, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods which are exempt from a part of the duty of customs specified in the First Schedule to the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934) by virtue of the notifications of the Government of India, in the Ministry of Finance, specified in the Schedule below, from payment of the auxiliary duty of customs leviable on such goods under sub-clause (1) of clause 25 of the said Finance Bill.

#### THE SCHEDULE

- 1. No. 197-Customs, dated the 31st August, 1957.
- 2. No. 308-Customs, dated the 21st December, 1957.
- 3. No. 48-Customs, dated the 15th February, 1958.
- 4. No. 143-Customs, dated the 10th May, 1958.
- 5. No. 150-Customs, dated the 10th May, 1958.
- 5. No. 86-Customs, dated the 20th August, 1960.
- 7. No. 6-Customs, dated the 1st February, 1964.

- 8. No. 9-Customs, dated the 8th February, 1964.
- 9. No. 57-Customs, dated the 1st April, 1964.
- 10. No. 71-Customs, dated the 28th April, 1964.
- 11. No. 80-Customs, dated the 13th May, 1964.
- No. 13-Customs, dated the 8th January, 1966.
- 13. No. 10-Customs, dated the 11th February, 1967.
- 14. No. 46-Customs, dated the 3rd May, 1967.
- 15. No. 80-Customs, dated the 21st May, 1968.
- 16. No. 54-Customs, dated the 19th February, 1969.
- 17. No. 65-Customs, dated the 26th February, 1969.
- 18. No. 46-Customs, dated the 29th May, 1971.
- 19. No. 48-Customs, dated the 29th May, 1971.
- 20. No. 17-Customs, dated the 17th February, 1973.

[No. 28/F. No. Bud(Cus)/73.]

सा०का०नि० 81 (म्र) — वित्त विधेयक, 1973 के खण्ड 25 के उपखड (4), जो खंड करों का मन्तिम संग्रहण ग्रिधिनियम, 1931 (1931 का 16) के भ्रधीन की गई घोषणा के भ्राधार पर विधि का बल रखता है, के साथ पठित सीमा- गुल्क ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना भ्रावण्यक है ऐसे माल को जिसे भारतीय टैरिफ ग्रिधिनियम, 1934 (1934 का 32) की प्रथम ग्रनुसूची में विनिर्दिष्ट सीम - ग्रुल्क के भाग से भारत सरकार के वित्त मंत्रालय की ग्रिधिम्चनाश्रों के ग्राधार पर छूट प्राप्त है उक्त वित्त विधेयक के खंड 25 के उपखंड (i) के ग्रधीन ऐसे माल पर उद्ग्रहणीय सहायिकी सीमा- ग्रुल्क की ग्रदायगी से छूट वेती हैं।

# श्रनुसूची

- 1. स० 197-सीमा शुल्क, तारीख 31 श्रगम्त, 1957
- 2. सं० 308-सीमा-शुल्क, तारीख 21 दिसम्बर, 1957
- 3. सं० 48-सीमा-शुल्क, तारीख 15 फरवरी, 1958
- सं० 143-मीमा-शुल्क, तारीख 10 मई, 1958
- 5. सं० 150-सीमा-शुल्क, तारीख 10 मई, 1958
- 6. सं० 86-सीमा-शुल्क, तारीख 20 श्रगस्त, 1960
- 7. सं० 6-सीमा-गुल्क, तारीख 1 फरवरी, 1964
- 8. सं० 9-सीमा-मुल्क, तारीख 8 फरवरी, 1964
- 9. सं० 57-सीमा-शुल्क, तारीख 1 ध्रप्रैल, 1964
- 10. सं० 71-सीमा-शुल्क तारीख 28 श्रप्रैल, 1964
- 11 सं० 80-सीमा-शुस्क तारीख, 13 मई, 1964
- 12. सं० 13-सीमा-शुल्क, तारीख 8 जनवरी, 1966
- 13. सं० 10-सीमा-गुल्क, तारीख 11 फरवरी, 1967
- सं० 46-सीमा-शुस्क, तारीख 3 मई, 1967

- 15. सं० 80-सीमा-शल्क, तारीख 21 मई, 1968
- 16. सं० 54-सीमा-गल्क, तारीख 19 फरवरी, 1969
- 17. सं० 65-सीमा-शुल्क, तारीख 26 फरवरी, 1969
- 18. सं० 46-सीमा-गुल्क, तारीख 28 मई, 1971
- 19. सं० 48-सीमा-शुल्क, तारीख 29 मई, 1971
- 20. सं० 17-सीमा-शुल्क, तारीख 17 फरवरी, 1973

[सं० 28-फा० सं० बजट (सी० शु०)/73]

G.S.R. 82(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-clause (4) of clause 25 of the Finance Bill, 1973 which clause, by virtue of the declaration made under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), has the force of law, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts sheep falling under Item No. 1 of the First Schedule to the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), when imported into India for the purpose of breeding only, from the whole of the auxiliary duty of customs levilable thereon under subclause (1) of clause 25 of the said Finance Bill.

[No. 29/F. No. Bud (Cus)/73.]

सा० का० नि०8 2 (म्र) .— वित्त विधेयक, 1973 के खंड 25 के उपखंड (4) जो खंड करों का मनित्तम संग्रहण ग्रिधिनियम, 1931 (1931 का 16) के भ्रधीन की गई घोषणा के ग्राधार पर विधि का बल रखता है, के साथ पठित सीमा-शुरुक ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) के भ्रधीन प्रदत्त ग्रिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना ग्रावयण्क है भारतीय टैरिफ भ्रधिनियम, 1934 (1934 का 32) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 1 के भ्रन्तर्गत भ्राने वाली भेड़ें जब वे भारत में सिर्फ नस्ल सुधार के प्रयोजन के लिए ग्रायात की जायों, उक्त वित्त विधेयक के खंड 25 के उपखंड (1) के ग्रधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त सहायिकी सीमा-शुल्क से छूट देती है।

- G.S.R. 83 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-clause (4) of clause 25 of the Finance Bill, 1973 which clause, by virtue of the declaration made under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), has the force of law, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts raw cashewnuts falling under Item No. 8 of the First Schedule to the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), when imported into India, from the whole of the auxiliary duty of customs leviable thereon under sub-clause (1) of clause 25 of the said Finance Bill, subject to the following conditions, namely:—
  - (i) that the importer makes a declaration at the time of import that the raw cashewnuts are being imported for processing and re-export;
  - (ii) that the raw cashewnuts are re-exported in the form of cashew kernels within six months of the date of importation or within such extended period not exceeding one year, as the Collector of Customs may allow; and
  - (iii) that the weight of cashew kernels exported is not less than 25 per cent. of the weight of raw cashewnuts imported, or where it is proved to the satisfaction of the Collector of Customs concerned that the kernels were obtained only from imported raw cashewnuts, such lower percentage of the weight of the raw cashewnuts imported, as the Collector of Customs may in each case determine:

Provided that the importer executes a bond, with such surety or sufficient security as the Collector of Customs approves, undertaking—

 (a) to re-export the raw cashewnuts after processing within six months of the date of importation or within such extended period not exceeding one year, as the Collector of Customs may allow;

- (b) to produce the cashew kernels before the Collector of Customs prior to re-export; and
- (c) to pay the auxiliary duty of customs, if the re-export does not take place within the period specified in condition (ii).

  [No. 30/F. No. Bud (Cus)/73.]

सा० का० नि० 83 झ.—बित्त विधेयक, 1973 के खंड 25 के उपखंड (३) जो खंड करों का स्नान्तिम संग्रहण ग्रिधिनियम, 1931 (1931 का 16) के ग्रधीन की गई घोषणा के ग्राधार पर विधि का बल रखता है, के साथ पठिन सीमा-शृष्क ग्रिधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा यह संसाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना श्रावयक्क है भारतीय टैंग्फि श्रिधिनियम, 1934 (1934 का 32) की प्रथम श्रनुसूची की मद सं०8 के ग्रन्तर्गत श्राने वाले कच्चे काजू, भारत में श्रायात विए जाने, पर उक्त वित्त विधेयक, के खंड 25 के उपखंड (1) के ग्रधीन उस पर उद्ग्रहणीय समस्त सहा-ियकी सीमा-शृल्क से निम्नलिखत शर्तों के ग्रधीन छूट देती है, श्रर्थात् :—

- (i) भ्रायातकर्ता भ्रायात करते समय यह घोषणा करे कि कच्चे काजू का भ्रायात प्रस-स्करण भ्रौर पुन: निर्यात करने के लिए किया जा रहा है;
- (ii) कि कच्चे काजू का पुन: निर्यात, श्रायात करने की तारीख से छह मास के भीतर या बढ़ाई गई ऐसी श्रवधि के भीतर जो एक वर्ष से ग्रिधिक नहीं होगे जिसे सीमा-शुरूक कलक्टर नियत करे, काजू की गिरी के रूप में किया जाता हो; श्रीर
- (iii) कि निर्यातित काजू की गिरी का भार श्रायात किए गए कच्चे काजू का 25 प्रतिशत से कम न हो या जहां सीमा-शुल्क कलक्टर के समाधानप्रदूच्य में यह साबित हो गया है कि गिरी केवल श्रायातित कच्चे काजू से ही प्राप्त की गई थी, वहां, श्रायातित कच्चे काजू के भार की ऐसी कम प्रतिशतता जिसे कि सीमा-शुल्क कलकक्टर प्रत्येक मामले में श्रवधारित करे हो सकती है ।

परन्तु यह कि भ्रयातकर्ता ऐसे प्रतिभू या पर्याप्त प्रतिभूति के साथ जिसे सीमा-शृहक कलक्टर भ्रमभोदित् करे यह बचनबद्ध करते हुए बन्ध-पन्न निष्पादित करे, कि

- (क) कच्चे काजू का पुन: निर्यात श्रायात करने की तारीख से छह मास के भीतर या बढ़ाई गई ऐसी श्रवधि के भीतर जो एक वर्ष से श्रधिक नहीं होगी, जिसे सीमा-शुल्क कलक्टर श्रन्जात करे, प्रसंस्करण के पण्चात् करेगा,
- (ख) वह काजू की गिरी को पुनः निर्यात करने से पहले सीमा-शुल्क कलक्टर के समक्ष पेश करेगा ; भ्रौर
- (ग) यदि शर्त (।।) में विनिर्दिष्ट भ्रविध के भीतर पुन : निर्यात नहीं किया जाता है तो सहायिकी सीमाशुल्क देगा ।

[सं० 30-फा० सं० बजट (सी०शु०)/73]

G.S.R. 84 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the-Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-clause (4) of clause 25 of the Finance Bill, 1973 which clause, by virtue of the declaration made under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), has the force of law, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts medicinal and other contraceptives falling under Items Nos. 28, 28A, 39(1) or 87 of the First Schedule to the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), from the whole of the auxiliary duty of customs leviable thereon under sub-clause (1) of clause 25 of the said Finance Bill.

[No. 31/F. No. Bud (Cus)/73.]

सार्कार्शन 84 प्र-वित्त विधेयक, 1973 के खड 25 के उपखंड (4), 'जो खण्ड, करों का श्रनित्म संग्रहण श्रधितियम, 1931 (1931 का 16) के श्रधीन की गई घोषणा के श्राधार पर् विधि का बल रखता है, के साथ पठिन सीमा-शुल्क श्रधितियम, 1962(1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) इस्सा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में एमा करना श्रावण्यक है, भारतीय टेस्फि श्रधितियम, 1934 (1934 का 32) की प्रथम श्रनुसूची की मद एर 28,28क, 39(1) या 87 के श्रन्तर्गत श्रान वाले श्रौपक्षीय तथा प्रस्थ गर्म निरोधकों को उक्त बित्त विधेयक के खड 25 के उपखंड (1) के श्रधीन उन पर उद्-ग्रहणीय समस्त महायिकी सीमा-शृल्क से छुट देती है।

सिं० 31-फा० सं० बजट (सी० गु०)/73

G.S.R. \$5 (2).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-clause (4) of clause 25 of the Pinance Bill, 1973 which clause, by virtue of the declaration made under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), has the force of law, the Centeral Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts palm oil falling under Item No. 15 (6) of the first Schedule to the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), when imported into India for use in the manufacture of vacaspati, from so much of the auxiliary duty of customs leviable thereon, under sub-clause (1) of clause 25 of the said Finance Bill as is in excess of 5 percent of the value as determine in accordance with the provisions of section 14 of the first mentioned Act.

[No. 32/F. No. Bud(Cus)/73.]

मा॰का॰नि॰ 85 अ.-वित्त विधेयक 1973 के खंड 25 के उपखंड (4), जो खण्ड, 1 करों का अनिलाम सग्रहण अधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अधीन की गई घोषणा के आधार पर विधि का बल रखता है, के साथ पठिन गंमा-णुक्त अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रयत्न मस्तियों का प्रतीण करने हुए के खीय मरकार, एनद्द्वारा यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित पे ऐसा करना आसम्बन्ध है, भारतीय टैरिफ अधिनियम 1934 (1934 का 32) की प्रथस अनुसूची की मद स॰ 15(6) के अन्तर्गय आने वाले ताड़ के तेल को, जब उसका यनस्पित के उत्पादन से प्रयोग किए अत्व के लिए भारत में आधार किया जाए, उस्त बित्त विधेयक के खंड 25 के उपखंड (1) के अधीन उस पर उद्गहणीय उत्ते सहासिकी सोमा-सुल्क में जिनना प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 14 के उपबंधों के अनुसार अधधारित मूल्य के 5 प्रतिशत से अधिक है पर, छूट देती है।

[सं० 32-फा०सं० बजट (सी०शु०) 73]

G.S.R. 86 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) read with sub-clause (4) of clause 25 of the Finance Bill, 1973 which clause by virtue of the declaration made under the provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), has the force of law, the Centeral Government, being satisfied that it is necessary in the public intrest so to do, hereby exempts cinematograph films, exposed, failing under Items No. 29(1) of the Pirst Schedule to the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), when imported into India, from so much of the auxiliary duty of customs leviable therein under sub-clause (1) of clause 25 of the said Pinance Bill as it in excess of 5 per cent, of the value of the cinematograph films, a posed, calculated at the rate of Rs. 1, 94 per linear metre.

[No. 33/F. No. Bud (Cus) /73.]

साल बाल निर्ण 86 थ.—िनल विधेयक, 1973 के खंड 25 के उपखंड (4), जो खंड करों का ध्रनिक्तिम संग्रहण अधिनिथम, 1931 (1931 का 16) के अधीन की गई घोषणा के आधार पर विधि का बल रखता है, के साथ पठित सीमा-णुक अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधार (1) द्वारा पदत्त शक्तियों का प्रयोग करत हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा यह समाधान हो

जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना ब्रावयक्क है, भारतीय टैरिफ ब्रधिनियम, 1934(1934 का 32) की प्रथम ब्रत्नुसूची की मद सं 29(1) के ब्रन्तर्गत ब्राने वाले एक्सपोज्ड सिनेमाटोग्राफ फिल्म्स, भारत में ब्रायात किए जाने पर उत्त वित्त विधेयक के खंड 25 के उपखंड (1) के ब्रधीन उस पर उद्बहणीय उतने सहायिकी सोमा-शृक्क के जितना प्रति लिनियर मीट 194 के को दर से परिक्कित एम्सपोज्ड सिनेमाटोग्राफ फिल्म्य के मुख्य पर 5 प्रतिशत से ब्रधिक है पर छूट देती है।

[सं० 33-फा० सं० वजट (सी०णु०)/73]

G.S.R. 87 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods specified in column (3) of the Table hereto annexed and falling under the items specified in column (2) of the said Table, of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the addition do v which is leviable thereon under section 2A of the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), when imported into India as is equal to the auxiliary duty of excise leviable on such goods under sub-clause (1) of clause 28 of the Finance Bill 1973, which clause, by virtue of the declaration made under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), has the force of law.

#### THE TABLE

Sl. No.		ule t Excis	o the C	en-	Description
(1)			(2)		(3)
Ι.	26				Steel Ingots including steel melting scrap.
2.	26A				Copper and copper alloys containing not less than fifty per cent by weight of copper.
3.	<b>2</b> 6AA		•		Iron or steel products.
4-	26B;				Zinc.
5.	27				Aluminium.
6.	28	٠			Tinplate and tinned sheets including tin taggers, and cuttings of such plates, sheets or taggers.

[No. 34/F. No. Bud(Cus)/73.]

सांव क्षांव निव 87 (स्र).—मोमा-शुक्त अधिनियम, 1962(1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदन्त शिवनारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार, एत्द्द्वारा यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ 3 में विनिर्दिष्ट माल को और जो केन्द्रीय उत्पाद-शुक्त और नमक अधिनियम 1944(1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मरों के जो उक्त सारणी के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट हैं, उस पर भारतीय टैरिफ अधिनियम, 1934 (1934 का 32) की धारा 2 क के अधीन भारत में आयात किए जाने पर, उद्ग्रहणीय श्रतिरक्त गुक्त के उतने भाग से जितना कि ऐसे माल पर वित्त विधेयक, 1973 के खंड 28 के उपखंड (1), जो खंड करों का अनिन्तम सप्रहण अधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अधीन की गई घोषणा के आधार पर विधि का बल रखता है, के अधीन उद्ग्रहणीय सहायिकी उत्पाद-णुक्त के बराबर हो, छुट देती है ।

<del></del>	सा	रणी
क्रम सं०	केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक प्रधि- नियम की प्रथम अनुसूची की मद संख्या	ृँविवरण
1	2	3
1.	26	इस्पात की सिल्लियां जिसके श्रन्तर्गत इस्पात पिघलन रही है
2.	2 6ক	तांबा, श्रौर भार के श्रनुसार पचास प्रतिशत मे श्रन्यून ताबां, श्रन्तविष्ट करने वाला मिश्र तांबा ।
3.	2 6कक -	लोहे या इस्पात के उत्पाद
4.	2 6ন্দ্র	जस्ता
5.	27	ग्रलुमिनियम
6.	28	टीन की प्लेटें श्रीर टीन की चादरें, जिसके श्रन्त- र्गत टीन की पतली चादरें श्रीर ऎसी प्लेटों, चादरों या पतली चादरों की कतरनें भी हैं।

सिं० 34/फा० सं० बजट(सी० गु०)/73]

G.S.R. 88 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 62 of the Finance Act, 1972 (16 of 1972), the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 72-Customs, dated the 28th May, 1972

[No. 35/F. No. Bud(Cus)/73.]

सा० का० नि० 88 (म्र) — विस म्रिधिनियम, 1972 (1972 का 16) की धारा 62 की उप-धारा(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व श्रीर बीमा विभाग) की ग्रिधिसूचना सं० 72-सीमा-शुल्क, तारीख 28 मई, 1972 को विखण्डित करती है।

[सं० 35/फा० सं० बजट (सी० गु०) / 73]

- G.S.R. 89(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 62 of the Finance Act, 1972 (16 of 1972), the Central Government hereby rescinds the following notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), namely:—
  - 1. No. 73-Customs, dated the 28th May, 1972.
  - 2. No. 74-Customs, duted the 28th May, 1972.
  - 3. No. 75-Customs, dated the 28th May, 1972
  - 4. No. 83-Customs, dated the 10th June, 1972;
  - 5. No. 122-Customs, dated the 28th October, 1972
  - 6. No. 130-Customs, dared the 30th December, 1972.

[No. 36 /F. No. Bud(Cus)/73.] B. N. SHARMA, Under Secy.

सार्कार्शन 68 ( च्र ).—िवन्त अधिनियम,  $1972 ( 1972 \text{ m} \ 16 )$  की धारा 62 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमा-मुल्क अधिनियम,  $1962 ( 1962 \text{ m} \ 52 )$  की धारा 25 की उपधारा

- (i) ारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व धार वीमा विभाग) की निम्नलिखित अधिसूचनाओं को विखण्डित करती है, अर्थात :--
  - 1. सं० 73-सीमा-शुल्क, तारीख 28 मई, 1972
  - 2. सं० 74--सीमा-शूल्क, तारीख 28 मई, 1972
  - सं० 75—सीमा-शुल्क, तारीख 28 मई, 1972
  - 4. सं० 83-सीमा-शुल्क, तारीख 10 जून, 1972
  - सं० 122-सीमा-शुल्क, तारीख 28 अक्टूबर, 1972
  - 6. सं० 130-सीमा-शुल्क, तारीख 30 दिसम्बर, 1972।

[सं० 36⊸फा० सं० बजट (सी०शु०)/73] बी० एन० शार्मा, अवर सचिवा।

#### (Department of Revenue and Insurance)

#### CENTRAL EXCISES

#### New Delhi, the 1st March, 1973

G.S.R. 90 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule(1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby directs that the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance, Revenue Division, Department of Revenue, Department of Revenue and Company Law, or Department of Revenue and Insurance, as the case may be, specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be amended or further amonded, as the case may be, in the manner specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

#### THE TABLE

S1. No.	Notification No. and date	Amendment	<u>-</u>
ī	2	3	

- 1. 23-Central Excises, dated the 29th April, In the said notification, the entry against 1955. item No. (3) shall be omitted.
- 2. 35/62-Central Excises, dated the 24th April, In the said notification, in the second proviso, after the words "perfumed hairoils", the words "and shaving creams" shall be inserted.

3

In each of the said notifications, for the words

cartridges " shall be substituted.

"and tie rod ends", the words "tiero tends and filter elements, inserts and

2

101/71-Central Excises, dated the 29th May,

Excises, dated the 26th July, 1971.

1971. 153/71-Central Excises, ted the 26th July, 1971. 155/71-Central

Ι

28/64-Central Excises, dated the 1st March, In the said the said notification, the words and figure "sub-item II of" shall be omit-26th In the said notification, for the figures "4.15" the figures "25.00" shall be 14A/66-Central Excises, dated the February, 1966. substituted. 81/66-Central Excises, dated the 21st May, In the said notification, for the figures "227:50" the figures "225:60" shall be substituted. 8th In the said notification clause (ii) of the 208/67-Central Excises, dated the September, 1967. proviso shall be omitted and clause (ni) of the proviso shall be renumbered as clause (ii) thereof. 217/67-Central Excises, dated the 23rd In the said notification, for the figures "163.70", the figures "250.00" shall be September, 1967. substituted. 8. 71/63-Central Excises, dated the 1st April, In the said notification, for the words "used for the resoling or retreading of tyres", the words "used for resoling, 1968. retreading or repairing of tyres" shall be substituted. In the said notification, the words and figure, "sub-item I of" shall be omitted. 144/68-Central Excises, dated the 13th July, 1968. In the said notification, the entry against item (viii) shall be omitted. 70/69-Central Excises, dated the 1st March, 80/69-Central Excises, dated the 1st March, In the said notification, the entry against item 2 and the Explanation at the end 1969. shall be omitted. 50/70-Central Excises, dated the 1st March, In the said notification, for the words "fifty-T 2. three and one-third percent ad valorem" the words "fifty per Cent ad valorem" shall be substituted. 59/71-Central Excises, dated the 29th May, In the Table annexed to the said notifica-13. tion, in column (3) against S. No. 2 for the words and figures "Rupees forty-five per kilolitre at 15 degrees Centrigrade thermometer", the words and figures "Rupees four hundred and twenty-"Rupecs five per kilolitre at 15 degrees Centri-grade thermometer "shall be substituted. 128/70-Central Excises, dated the 6th June, In the opening portion of the said notification, for the words, figures and brackets 1970. "falling under sub-item I (1) of Item No. 19", the words "figures, brackets and letter "falling under sub-item I (1) and I (1A) of Item No. 19" shall be substituted. 15. 99/71-Central Excises, dated the 29th May, In the said notification, in the Schedule, after item 11, the following item shall be in-1971. serted, namely:— "12. Filter elements, inserts and cartridges".

I	2	3
17.	31/72-Cental Excises, dated the 17th March, 1972.	In the Table annexed to the said notifica- tion in column (4) against Serial No 2, for the words "Thirty-four rupees and fifty paise", the words "Four tupees and forty paise" shall be subs- tituted.
18,	35/72-Central Excises, dated the 17th March, 1972.	In the Table annexed to the said notifica- tion, the entries in columns (2), (3) and (4) against S. No. 1 shall be omit- ted.
19.	44/72-Central Excises, dated the 17th March, 1972.	In the Table annexed to the said notification, in column (2), against Sl. Nos. I and 2, for the figures and brackets "I(r)" and "I(2)", the brackets and figures. "(I)" and "(2)" shall respectively be substituted.
20.	97/72-Central Excises, dated the 17th March, 1972.	In the said notification, for the words "and electric horns", the words "electric horns and filter elements, inserts and cartridges" shall be substituted.
21,	168/72-Central Excises, dated the 24th July, 1972.	In the Table annexed to the said notification, in column (2) against S. No. 6, for the words "synthetic staple fibre of cellulosic origin", the words "synthetic staple fibre of non-cellulosic origin" shall be substituted.
22.	208/72-Central Excises, dared the 14th October, 1972.	In the said notification, for the words "used for resoling or retreading of tyres" the words "used for resoling retreading or repairing of tyres", shall be substi- tuted.

[No. 27/73.]

# (राजस्व और बीमा विभाग)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नई दिल्ली, 1 सार्च, 1973

साठ काठ नि० 90 (श्र).—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के, यथास्थिति, राजस्व प्रभाग, राजस्व विभाग राजस्व श्रीर कंपनी विधि विभाग या राजस्व श्रीर बीमा विभाग, की श्रधिसूचनाश्रों को, जो इसमें उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट हैं, उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट रीति से, यथा-स्थिति, संशोधित या श्रीर क्षारे संशोधित किया जाएगा ।

### सारगी

क्रम सं०	श्रधिसूचना मं० श्रौर तारीख	संशोधन
(1)	(2)	(3)
1.	23-केन्द्रीय सन्पाद-शतक, तारीख	उबत ग्राधिसचना में ग्रह सुरु (३) के सामने की

(1)(2)(3)35/62-फेन्द्रीय उत्पाद-भ्रात, तारीख *उक् :* अधिसूचना में द्वितीय परन्तुक में ''सुगन्धित 2. केश तेन" णब्दों के पश्चात "तथा शेविंग 24 श्रप्रैल, 1962 । क्रीम" शब्द धन्तःस्थापित किये जाएंगे । उनत अधिगुचना में "की उप-मद 11" शब्द और 3. 28/64-केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क, तारीख 1 मार्च, 1964। ग्रकल्प्तकर दिये जाएंगे। उक्त अधिमूचना में "4.15" श्रंकों के स्थान 14क/66-केन्द्रीय उत्पाद-मृत्क, 4. पर " 25,00 " स्रक रखे जाएंगे। नारीख 26 फ~वरी, 1966 🖟 81/66-कन्द्रीय र जनपाद-णुलक, उका अधियुचना में। "227.50" अंकों के 5. स्थान पर "225, 60" ग्रंक रखे जाएंगे। ारीख 21 सई, 1966। 208/67-केन्द्रीय उत्पाद-भूलक, उक्त अधिसूचना में परन्तृक के खण्ड (ii) को लुष्त कर दिया जाएगा। श्रीर परन्तुक के तारीख 8 सिनम्बर, 1967। खण्ड (iii) को उसके खण्ड (ii) के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा । 217/67-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, उक्त अधिसूचना में "163.70" श्रंकों के 7. स्थान पर "250.00 ग्रंक रखें जाएंगे। नारीख 23 सिनम्बर, 1967। [ुउक्त ग्रधिसूचना में "टायरों को रिस<mark>ोल या</mark> 71 / 68-- केन्द्रीय उत्पाद-श्लक, 8. तारीख 1 श्रप्रैल, 1968। रिट्रीड करने के लिए प्रयुक्त " शब्दों के स्थान पर "टायरों के रिसोल रिट्टीड या मरम्मत के लिए प्रयुक्त " शब्द रखे जाएगे। 144/68-केन्द्रीय उत्पाद-शृतक, उक्त श्रधिसूचना में "की उप-मद I" एडद भीर 9. तारीख 13 जुलाई, 1968 । श्रंक लप्त कर दिये जाएंगे। उक्त अधिसूचना में भद (Viii) के सामने की 70 / 6७-केन्द्रीय उत्पाद-शृल्क, 10. तारीख 1 मार्चे, 1969 । प्रविष्टिल्प्त करदी जाएगी। उक्त अधिसुवना में मद 2 के सामने की प्रविष्टि 80/69-केन्द्रीय उत्पाद-शृल्क, 11.

12. 50/70-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख

1 मार्च, 1970 l

तारीख 1 मार्च, 1969।

उक्त ग्रिधियुचना में "तिरेपन ग्रीर एक-तिहाई प्रतिणत मल्यानसार " शब्दों के स्थान पर "मूल्यानुसार 50 प्रतिशत" शब्द रखे जाएंगे।

श्रौर श्रन्त में स्पष्टीकरण लुप्त कर दिया

जाएगा ।

 $(1) \qquad (2)$ 

 13. 59/71-केन्द्रीय उत्पाद-शुक्क, तारीख 29 मई, 1971। उक्त श्रिभूचना से उपाबद्ध श्रनुसूची में स्तम्भ (3) में कम स० 2 के सामने "15 दिश्री सेटीग्रेड धर्मामीटर पर पैतालीस रूपये प्रति किलोमीटर " शब्दों ग्रीर ग्रकों के स्थान पर "15 दिश्री सेटीग्रेड धर्मोमीटर पर चार-सौ पच्चीस रूपये प्रति किलोलीटर " शब्द ग्रीर श्रंक रखे जाएंगे।

- 14. 128 / 70-केन्द्रीय उत्पाद—गुल्क, तारीख 6 जून, 1970 I
- उत्त ग्रिधिसूचना के आरम्भ के ग्रंश में "मद मं० 19 की उप-मद 1(े) के ग्रन्तर्गत ग्रान वाले" ग्रतर्गत ग्राने वाले गब्द के स्थान पर "मद स० 19 की उप-मद 1(i) ग्रीर 1(iक) के ग्रन्तर्गत ग्राने वाले" गब्द, ग्रंक, कोस्टक ग्रीर ग्रक्षर रखें जाएेंगे।
- 15. 99 / 71-केन्द्रीय उत्पाद-मुल्कः तारीख 29 मई, 1971।
- उक्त प्रधिमूचना में धन्सूची में मद 11 के पश्चात् निम्नलिखित मद ग्रन्तःस्थापित की जाएगी प्रथात्:—
  - "12. फिल्टर एलीमेंट्स, **इ**न्सट्रेस तथा कार्टिजेज"
- 16. 101 / 71—केन्द्रीय उत्पाद- शृल्क, तारीख 29 मई, 1971।
  153/71—केन्द्रीय उत्पाद-शृल्क तारीख 26 जुलाई, 1971।
  155 / 71—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 26 जुलाई 1971।
- उक्त ग्रधिसूचनाग्रों में से प्रत्येक में " श्रीर टाइ रौड एन्ड्स " शब्दों के स्थान पर "टाइ रौड एन्ड्स ग्रौर फिल्टर एलीमेन्ट्स इन्सर्ट्स तथा कार्ट्जिज " शब्द रखें जाएंगे।
- 17. 31 / 72-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, नारीख 17 मार्च, 1972।
- उक्त ग्रिधिसूचना से उपाबद्ध सारणी में स्तम्भ (4) में क्रम स० 2 के सामने "चौतीस रुपये ग्रौर पचास पैसे " शब्दों के स्थान पर "चार रुपये ग्रौर चालीस पैसे" शब्द रखे जाएंगे।
- 35 / 72–केन्द्रीय उत्पाद–शुल्क, तारीख 17 मार्च 1972 ।
- उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध सारणी में स्तम्ब (2) (3) और (4) की कम स० 1 के सामने की प्रविष्टियां लुप्त कर दी जाएंगी।

 $(1) \qquad (2)$ 

44 / 72-केन्द्रीय उत्पाद-शुरुक,
 तारीख 17 मार्च, 1972 ।

उक्त प्रधिसूचना से उपाबद्ध सारणी में, स्तम्भ (2) में क्रम सं० 1 श्रौर 2 के सामने "1(1)" श्रौर "!(2)" अंक श्रौर कोष्ठकों के स्थान पर "(1)" श्रौर "(2)" अंक श्रौर कोष्ठक क्रमणः एखे जाएंगे।

20. 97 / 72-केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क, तारीख 17 मार्च, 1972 । उक्त श्रधिमूचना में "श्रौर बिजली के हार्न " शब्दों के स्थान पर " बिजली के हार्न श्रौर फिल्टर, एलिमेन्ट्स, इन्सर्ट्स श्रौर काद्रिजेज शब्द रखे जाएंगे।

- 21. 168 / 72-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, उक्त ग्रधिसूचना से उपाबद्ध सारणी में स्तम्भ तारीख 24 जुलाई, 1972। (2) में ऋम सं० 6 के सामने "खललोषी
  - (2) में क्रम सं० 6 के सामने "खललोषी उद्भवका सम्लिष्ट रेशा काम्बर" मध्दों के स्थान पर "भ्रखलूलोषी उद्भव का रेशा फाइबर" मब्द रखे जाएंगे।
- 22. 208/72-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 14 ग्रक्तूबर, 1972 ।

उक्त श्रधिसूचना में "टायरों को रिसोल या रिट्रीट करने के लिए प्रयुक्त" शब्दों के स्थान पर "टायरों के रिसोल रिट्रीट या मरम्मत के लिए प्रयुक्त" शब्द रखे जाएंगे।

[सं॰ 27/73]

G.S.R. 91 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Bxcise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts instant coffee falling under sub-item (2) of Item No. 2 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of 17.5 per cent ad valorem plus the duty for the time being leviable under sub-item (1) of the said item on cured coffee used in the manufacture of such instant coffee, if not already paid.

[No. 28/73.]

साठ फाठ नि० 91(म्र).—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) हारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्रारा केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क म्रौर नमक म्रधिनियमः 1944 (1944 का 1) की प्रथम म्रजुसूची की मद सं० 2 की उप-मद (2) के मन्तर्गत म्राने वाली इंस्टेन्ट काफी को उस पर उद्महणीय उतने उत्पाद-शुल्क से छूट देनी हैं जितना 17.5 प्रतिशत स्ल्यानुसार तथा ऐसी इन्स्टेन्ट काफी में प्रयुक्त संसाधित काफी पर उक्त मद की उप-एक (1) के भ्रधीन तत्मान्य उद्महणीय गुलन यदि वह पहले में ही त दें विया गया हौ, सम्मिलत हैं, से अधिक हो।

सं॰ 28/73]

G.S.R. 92(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (88 of 1957), the Central Government hereby exempts unmanufactured tobacco if flue cured and used for the manufacture of smoking mixtures for pipes and eigercites falling unifor sub-item I/2) of I/em. No. 4 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the additional duty of excise leviable thereon under the first mentioned. Act, as is in excess of sixty paise per kilogram.

[No. 29/73]

सा०का० नि० 92 (प्र).—प्रतिरिक्त उत्पाद-सुल्क (विणेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पिठत केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क नियम, 1941 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रवत्त मिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय गरकार एतद्द्वारा अवि-निर्मित तम्याकू को, यदि दम्ध संसाधित हो और पाइपों और सिगरेटों के लिए घूम्प्रपान मिश्रण के विनिर्माण के लिए प्रयोग में लाया जाता हो और जो केन्द्रीय उत्पाद-सुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1)की प्रथम अनुसूची की मद सं० 4 की उप-मद (2) के अन्तर्गत आता हो, प्रथम विणित अधिनियम के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय उतने अतिरिक्त उत्पाद-सुल्क से छूट देती है जितना नाठ पैस प्रति किलोग्राम में अधिक हो।

[सं॰ 29/73]

G.S.R. 93(E). —In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts cigarettes of the description specified in column (1) of the Table hereto annexed and falling under sub-item II(2) of Item No. 4 of the First Schednule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (2) thereof.

THE TABLE

,	Descri	iption		Duty
	(1)			(2)
	nich the value not exceed ruj	-	sand—	seventy-five per cent. ad valorem.

[No. 30/73]

सावकावित 93(प्र)—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एनदद्वारा, इससे उपायद्व सारणी के स्तम्भ (1) में विनिद्धित वर्णन की जोर, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक प्रक्षित्यम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद संव 4 की उप-एड II (2) के अन्तर्गत आने वाली जिनरेटों को, उन पर उद्धादणीय उत्पाद-शुल्क से सूट देती है जितना उसके स्तम्भ (2) की तत्स्थानी प्रविद्धि में विनिद्धित शुक्क से आधिक हो।

सारणी					
वर्णन	ु शुल्क				
(1)	(2)				
एंसो सिगरेटें जिन का मूल्यक्ष्मिति एक हजार-  (i) दस रुपये मे अधिक नहीं है  (i) दस रुपये से अधिक है	पचहत्तर प्रतिशत मूल्यानुमार । पचहत्तर प्रतिशत मृल्यानुमार तथा प्रति एक हजार के लिए 10 रुपये के मृल्य से श्रधिक प्रत्येक ग्रतिरिक्त रुपये या उसके भाग के ग्राधिक्य के लिए तीन प्रतिशत मृल्यानुमार जोड़कर ।				

[म॰ 30/73]

G.S.R. 94(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby exempts cigarettes of the description specified in column (1) of the Table hereto annexed and falling under sub-item II(2) of Item No. 4 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the additional duty of excise leviable thereon under the first mentioned Act, as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table.

#### THE TABLE

Description		Duty
(1)	_	(2)
rettes of which the value per one the		. Twenty-five per cent ad valorem

[No. 31/73.]

सावकावित 94(ग्र).---ग्रातिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पिटत केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1943 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इससे

उपाबद्ध मारणी के स्तम्भ (1) में विनिर्दिष्ट वर्णन की श्रीर केस्द्रीय उत्पाद-णुक्क श्रीर नमक श्रधि-रेनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम श्रमुस्त्री की मद संव 4 की उप-मद ji(2) के श्रन्तर्गत श्राने वाली लिगरेटों को, प्रथम वर्णित श्रधिनियम के श्रधीन उन पर उदग्रह्णीय उतने श्रितिर्वत उत्पाद-णुक्क में छूट देनी है, जितना उवत्त सारणी के स्तम्भ (2) में की तत्म्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट शुक्क में श्रधिक हैं !

म श्राधक ह । ्मारणी					
वर्णन	शुल्क				
(1)	(2)				
ऐसी सिगरेटें जिन का मूल्य प्रति एक हजार—  (i) दम रुपये से प्रधिक नहीं है  (ii) दम रुपये से प्रधिक है	पच्चीस प्रतिशत मूल्यानुसार । पच्चीस प्रतिशत मूल्यानुसार तथा प्रति एक हजार के लिए दम रुपये के मूल्य से श्रधिक प्रत्येक स्रतिरिवत्त रुपये या उसके भाग के स्राधिक्य के लिये दो प्रतिशत मूल्यानुसार जोड़कर ।				

[सं० 31/73]

G.S.R. 95(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule(1) of rule 8 of the Central Excise-Rules, 1944, the Central Government hereby exempts smoking mixtures for pipes and cigarettes falling under sub-item II(4) of Item No. 4 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of one hundred and fifty per cent. ad valorem.

[No. 32/73]

सा० का० नि० 95(श्र):— केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शिवतयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम श्रनुसूची की मद सं० 4 की उप-मद ii(4) के श्रन्तर्गत श्राने वाले पाइपों और सिगरेटों के लिए धूम्प्रपान मिश्रणों को, उन पर उदग्रहगीय उतके उत्पाद-शल्क से छूट देती है जितना डेब-सौ प्रतिशत मून्यानुमार से श्रधिक हो।

[सं∘ 32/73]

G.S.R. 96(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby exempts smoking mixtures for pipes and cigarettes falling under sub-item II(4) of Item No. 4 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the additional duty of excise leviable thereon under the first mentioned Act, as is in excess of fifty per cent. ad valorem.

[No. 33/73.]

साक्षावित १६ (म्र).—ग्रांतिरितत उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) ग्रांधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुक्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा केन्द्रीय उत्पाद-शुक्क भौर नमक ग्रांधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम भनुसूची की मद संव 4 की उप-मद ii (4) के अन्तर्गत ग्रांने वाले पाइपों भौर सिगरेटों के लिए धूम्प्रपान मिश्रण को, प्रथम वर्णित श्रिधिनियम के श्रिधीन उस पर उद्ग्रहणीय उतने ग्रांतिरिक्त उत्पाद-शुक्क से छुट देती है जितना पचास प्रतिशत मुख्यानुसार से श्रिधिक हो।

[मं॰ 33/73]

**G.S.R. 97(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules. 1944, the Central Government hereby exempts motor spirit known as 1 c 2 cne, ethyl benzene, benzol, toluene, toluol and light solvent naptha and falling under Item No. 6 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of Rs. 34 oo per kilo-litre at 15 degrees Centigrade thermometer:

Provided that -

- (a) the Collector of Central Excise is satisfied that the said motor spirit is intended for use as solvent in the formulation of pesticidal solutions, sprays and suspensions; and
- (b) where such use is elsewhere than in the factory of production, the exemption shall be allowable only if the procedure laid down in Chapter X of the said rules is followed.

[No. 34 73.]

हारकार्शन 97 (त्र) .— केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम प्रनुसूची की मद सं० 6 के अन्तगत प्राने वाली बैन्जीन, ईथिल बैन्जोन, बैन्जोन टोल्यूइन, टोल्यूझौल और लाईट साल्वेन्ट नेप्था नामक मोटर स्प्रिट को उस पर उदग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से जितना 15 डिग्री मेंटीग्रेड थर्मामीटर 'पर 34.00 रुपये प्रति किलोमीटर से श्रधिक है, छुट देती है

# परन्तु यह कि-

- (क) केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क के कलैंक्टर का यह समाधान हो जाए कि उक्त मोटर स्प्रिटि का वैस्टीसाइडल सोल्यूणन, स्प्रेज धौर सस्पेनज के बनाने में सोल्वेन्ट के रूप में प्रयोग किया जाना ध्राण्यचित है ; और
- (ख) जहां ऐसा प्रयोग निर्माण कारखाने के ग्रलाबा भ्रन्य स्थान पर होना है, तो उक्त नियमों के भ्रध्याय 10 में विणित प्रक्रिया का श्रनुसरण किए जाने पर ही छट भ्रनुजेय होगी।

[सं॰ 34/73]

G.S.R. 98(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts motor spirit known as benzene, ethyl benzene, benzel, toluene, toluol and light solvent napha and falling under Item No. 6 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of Rs. 150.00 per kilo-litre at 15 degrees Centigrade thermometer:

#### Provided that-

- (a) the Collector of Central Excise is satisfied that the said motor spirit is intended for use-
  - (i) as an entraining fluid in the production of dehydrated alcohol;
  - (ii) as solvent or diluent of thinner for the manufacture of paints, varnishes, lacquers
    and allied materials or for use in painting; for the manufacture of adhesives, rubber
    solutions, water-proofing compositions and similar products in the production of
    plastics; for degreasing or cleaning;
  - (iii) as solvent for the extraction of alkaloids or other active principles from plant and animal products;
  - (iv) for chemical conversion into chemicals, drugs, dyes, expl. vives or synthetic rubbers or for intermediates thereof;
  - (v) as a preservative for compositions used in sizing textiles;
  - (vi) as solvent, thinner or diluent for the extraction, isolation or purification of articles
    of the nature of drugs, chemicals, perfumery chemicals and concentrates, dyes,
    synthetic resins, explosives produced in synthetic, partly synthetic or other chemical
    processes of manufacturing them;
  - (vii) as a medium and hydrogen-acceptor in the manufacture of camphor; or
  - (viii) as a dewaxing solvent in the process of purification of feed stock for the manufacture of lubricating oils; and
  - (b) where such use is elsewhere than in the factory of production, the exemption shall be allowable only if the procedure laid down in Chapter X of the said rules is followed.

[No. 35/73.]

सारकार निरु 98(श्र).— केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय नरकार एतर्हारा केन्द्रीय उत्पाद-शल्क श्रीर नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम श्रम्पूची की मद संरु 6 के अन्त्रगत श्राने वाली बैन्जीन, ईथिल बजीन, बैन्जोल टॉल्य्इन, टॉल्य्ग्रौल श्रौर लाइट माल्बेन्ट नेप्था नामक मोटर स्प्रिट को उस पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से जितना 15 डिग्री मेंटीग्रेट धर्मामीटर पर 150.00 पर प्रति किलो लिटर में ग्राधिक है, छूट देती है:

# परन्तु यह कि—

- (क) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के कलैंक्टर का यह समाधान हो जाय कि उक्त मोटर स्प्रिट का निम्नलिखित के रूप में प्रयोग श्राणयित है.--
  - (i) निर्जेलित एल्कोहल के उत्पादन में एन्ट्रेनिंग तरल;
  - (ii) पेन्ड्स, वार्निणें, प्रलाक्षा तथा सम्बद्ध मामग्री के उत्पादन में निर्जलित या तनृ कारक या पतला करने के या पेन्टिंग के प्रयोग में; प्लास्टिक के उत्पादन में ग्रासंजक, रवड़, घोल ल्लरोधी सिश्रण श्रीर ऐते ही उत्पाद के उत्पादन के लिए; श्रचीकट या 'फाई के लिए :
  - (iii) वनस्पति ग्रीर जान्तव उत्पाद से श्रत्कालीयड्स या श्रन्य मिक्रय श्रवयव निकालने के लिए विलायक;
    - (iv) रमायन, श्रौषधि, रंजक, बिस्फोटक या संक्लिप्ट रबड़ या उसके मध्यक में रासायनिक परिवर्तन के लिए ;
    - (V) माढ़-कपड़ा में प्रयुक्त मिश्रण के लिए रक्षक;

- (Vi) श्रौषधि, रसायन, सुगंधित रसायन श्रौर सांद्रित, रंजक, संग्लिष्ट रेजिन, संग्लिष्ट में उत्पादित विस्फोटक, भागत : संग्लिष्ट या उनके उत्पादन में श्रम्झ रसायनप्रिक्रिया की जैसी वस्तुश्रों के खीचने, श्रलग करने या शुद्धीकरण के लिए विलायक, पतला करने या तनुकारक के रूप में;
- (Vii) कार के उत्पादन में माध्यम और हाइड़ोजनगृहीता के रूप में;
- (Viii) स्नेहर तेल े उत्पादन के लिए फीड-स्टौक के शुद्धीकरण की प्रक्रिया में श्रीर श्रमोनी घोलक के रूप में; श्रीर
- (ख) जहां ऐसा प्रयोग निर्माण कारखाने के श्रलावा ग्रन्य स्थान पर होना है, तो उक्त नियमों के ग्रध्याय 10 में विणित प्रिक्रिया का श्रनुसरण किए जाने पर ही छूट श्रनजेय होगी ।

[सं० 35/73]

- G.S.R. 99(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts blended or compounded lubricating oils and greases manufactured—
  - (i) wholly out of imported base mineral oils; or
  - (ii) wholly or partly out of indigenous base mineral oils,

and falling under Item No. 11B of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of fifteen per cent ad valorem.

Provided that a manufacturer availing of the benefit of the exemption under this notification shall not be permitted in respect of such blended or compounded lubricating oils and greases to avail of the special procedure prescribed under rule 56-A of the aforesaid rules and shall also not be eligible to utilise the credit standing in the Entry book of proforms credit in form R.G.-23 Part-II prescribed under the said rule.

[No. 36/73.]

सा० का० नि० 99(श्र).—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार पुरतदुद्वारा—

- (i) पूर्णतया श्रायातित श्राधार खनिज तेल से; या
- (ii) पूर्णतया या भागतः देशी श्राधार खनिज तेल से 🕫

विनिर्मित ब्लैन्डेड या संयोजित स्नेहक तेल श्रौर ग्रीसों को, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क श्रौर नमक श्रधि-नियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम श्रनुसूची की मद सं० 11ख के श्रन्तर्गत श्राते हैं, उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुक्क से छूट देती है जितना पन्द्रह प्रतिशत मूल्यानुसार से ग्रधिक हो :

परन्तु इस श्रधियूचना के श्रधीन छूट की प्रसुविधा लेने वाले विनिर्माता को, ऐसे ब्लैंन्डेंड या संयोजित स्नेह्क तेल श्रीर ग्रीसो की बाबत, उपर्युक्त नियमों के नियम 56—क के श्रधीन बिहित विशेष प्रिक्ता का उपयोग करने के लिए श्रनुझा नही दी जाएगी श्रीर वह उक्त नियम के श्रधीन विहित प्ररूप ग्रार० जी०—23भाग—II मे, प्रौफार्मा केंडिट की प्रविष्टि-पुस्तिका में की जमा का उपयोग करने के लिए भी पान्न नहीं होगा ।

G.S.R. roo(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts blended and compounded lubritating oils and greases (hereinafter in this notification referred to as "the said goods") falling under Item No. 11B of the First Schedule, to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), upto a quantity not exceeding one hundred metric tonnes, cleared for home consumption, on or after the 1st day of April in any financial year by or on behalf of a manufacturer from one or more factories, from the whole of the duty of excise leviable thereon:

#### Provided that-

- (i) this exemption shall apply only to the first clearances of the said goods upto a quantity not exceeding one hundred metric tonnes in a financial year;
- (ii) this exemption shall not apply to the said goods manufactured by a manufacturer if the total quantity of the said goods so cleared in the preceding financial year had exceeded two hundred metric tonnes;
- (iii) where the said goods are manufactured by a manufacturer who had no clearances in the preceding financial year, this exemption shall be applicable if thequantity of he said goods cleared during the financial year does not exceed two hundred metric tonnes; and
- (iv) where a factory in which the said goods are produced is run at different times in any financial year by different manufacturers the quantity of the said goods so cleared from such factory in any such year at nil rate if duty shall not ever do one hundred metric tonnes:

Prov. led further that a manufacturer shall be permitted to clear for home consumption during the period commencing on the 1st March, 1973 and ending on the 31st March, 1973, the said goods upto a quantity not exceeding ten metric tonnes, subject to the condition that the quantity of the said goods cleared for home consumption, by or on behalf of such manufacturer from one or 1 ore factories during that period does not exceed twenty metric tonnes.

[ No. 37/73.]

सा० का० ि 100 (श्र) — केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुथे, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा इलण्डेड ग्रीर संयोजित स्नेहक तेल श्रीर ग्रीसों को (जिसे इस श्रिध्स्चना में इसके पश्चात् "उक्त माल" कहा गया है), जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क श्रीर नमक ग्रीधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम श्रनुसूची की मद सं० 11ख के श्रन्तर्गत ग्राते हैं, एक-सौ में दिक टन से श्रनिधक माहा तक जिनकी निकासी एक या श्रिधक कारखानों से किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी श्रोर से किसी वित्तीय वर्ष में श्रग्रैल के प्रथम दिन को या उसके पश्चात् गृह उपभोग के लिये की गई हो, उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती हैं:

# परन्तु यह कि---

- (i) वह छूट उक्त माल की किसी वित्तीय वर्ष में प्रथम निकासी को ॄएक-सौ मैट्रिक टन तक की मान्ना तक ही लागू होगी;
- (ii) यह छूट किसी विनिर्माता द्वारा विनिर्मित उक्त माल को ॄलागू नहीं होगी यदि इस प्रकार निकासी की गई उक्त माल की ॄकुल माला पूववर्ती वित्तीय वर्ष में दो-सौ मदिक टन से श्रधिक हो गई हो ; ∜
- (iii) जहां उक्त माल किसी ऐसे विनिर्माता द्वारा विनिर्मित है, जिसे पूजवर्ती विसीय वर्ष में कोई निकासी नहीं मिली थी, यह छूट लागृ होगी, यदि विसीय वर्ष के दौरान निकासी की गई उक्त माल की माल्ला वो-सौ मैट्रिक टन से अधिक नहीं है।

(iV) जहां उक्त माल का उत्पादन करने वाला कोई कारखाना किसी विर्त्ताय वर्ष के विभिन्न समयों पर विभिन्न विनिर्माताओं द्वारा चलाया जाता हो वहां एसे कार्य खानों से और ऐसे किसी वर्ष में शुल्क की शूब्य दर से इस प्रकार निकासी किये गए उक्त माल की साला एक-सौ मैट्रिक टन सं अधिक नहीं होगी।

परन्तु यह श्रौर कि किसी विनिर्माता को 1 माच 1973 से श्रारम्भ होने वाली श्रौर 31 मार्च, 1973 को समाप्त होने वाली श्रवधि के दौरान गृह उपभोग के लिये दम मैद्रिक टन से श्रनिधिक माला तक उक्त माल को इस शर्न के श्रध्यधीन रहते हुए निकामी करने की श्रनुज्ञा होगी कि एक या श्रिधिक कारखानों से ऐसे विनिर्माता हारा या उसकी श्रोर से गृह उपभोग के लिये निकासी किये गये उक्त माल की माला उस श्रवधि के दौरान वीस मैद्रिक टन से श्रिधिक न हो।

[सं• 37/73]

G.S.R. tor(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts goods of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed and falling under Item No. 15A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act. 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon subject to the conditions laid down in the corresponding entry in column (3) of the said Table.

#### THE TABLE

SI. No.	Description			Conditions
	2			 3
ı.	Polyester polymer	chips		Nil.
2.	Cellulose acetate			If used in the manufacture of acetate yarn:
				Provided that where such use is elsewhere than in the factory of production, the exemption shall be allowable only if the procedure laid down in Chapter X of the said rules is followed.
3.	Polyamide chips			If used in the manufacture of nylon yarn:
				Provided that where such use is elsewhere than in the factory of production, the exemption shall be allowable only if the procedure laid down in Chapter X of the said rules is followed.
8.	Acrylic sheets	•		If produced out of any of the following materials or a combination thereof, namely: —
				(i) artificial resins or plastic materials in any form falling under sub-item (1) of the aforesaid Item No. 15A on which the appropriate duty of excise or the additional duty under section 2A of the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), as the case may be, has already been paid; or
				(ii) scrap of plastics.
			-	 [No. 38/73.]

मा का का कि 101 (भ्र). — केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-**ॅॅनियम** (1) हारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा इससे उपा**बढ** मारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट वर्णन के माल को जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क ग्रीर नमक ग्रधि-नियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम प्रनुसूची की मद सं० 15 क के प्रन्तर्गत श्राता है, उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में श्रधिकथित शर्तों के श्रध्यधीन रहते हुए, छूट देती है।

सारणी				
क्रम सं० वर्णन	्मर्ते			
(1) (2)	(3)			
<ol> <li>पौलिस्टर पौलिमेर चिप्म</li> </ol>	कोई नहीं ।			
2. [ सैलूलोज एसेटेट	यदि एसेटेट धागे के उत्पादन में प्रयुक्त होता है: परन्तु जहां ऐसा प्रयोग उत्पादन-कारखाने से भिन्न स्थान पर होता हो तो यह छूट उक्त नियमों के श्रष्टयाय 10 में श्रधिकथित प्रक्रिया के श्रनुसरण करने पर ही श्रनुक्रोय होगी।			
3. पौलीमा <b>इड</b> चिप्स	यदि नाइलन धार्गे के उत्पादन में प्रयुक्त होता है :			
	परन्तु जहां ऐसा प्रयोग उत्पादन कारखाने से भिन्न स्थान पर होता हो तो यह छूट उक्त नियमों के श्रष्टयाय 10 में ग्रधिकथित प्रक्रिया के ग्रनुसरण करने पर ही ग्रनुज्ञेय होगी।			
4. एकिलिक भीट्स	यदि निम्नलिखित किन्हीं सामग्रियों या उनके संयोजन से उत्पादित हो, ग्रर्थात् :—			
	(i) उपर्युक्त मद सं० 15क की उप-मद  (1) के ग्रन्तर्गत ग्राने वाले कृतिम रेजिन या प्लास्टिक सामग्री के किसी भी रूप से, जिन पर, यथास्थिति, समुचित उत्पाद-गुल्क या भारतीय टैरिफ ग्रिधिनियम, 1934 (1934 का 32) की घारा 2 क के ग्रधी ग्रितिरक्त गुल्क पहले ही दिया जा चुका है; ग्रथवा  (ii) प्लास्टिक की रही।			

- G.S.R. 102(B).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts—
  - (i) rigid polyvinyl chloride films of thickness below 0.25 mm,
  - (ii) flexible polyvinyl chloride films of thickness below 0.25 mm, and
- (lii) polyvinyl chloride lay flat tubings, falling under sub-item (2) of Item No. 15A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and produced by extrusion process, by an industrial unit in respect of which an officer not below the rank of an Assistant Collector of Central Excise is satisfied that the capital investment on the plant and machinery installed therein, as on the date of the initial installation of such plant and machinery, is not more than Rs. 7.5 lakhs, from the whole of the duty of excise leviable thereon.
- 2. This notification shall have effect notwithstanding anything contained in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 70/71-Central Excises, dated the 29th May, 1971 or No. 72/71-Central Excises, dated the 29th May, 1971.

[No. 39/73.]

सा० का० नि०102 (अ).—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा—

- (i) 0.25 मि० मी० से नीचे की मोटाई की अनस्य पौलीविनायल क्लोराइड फिल्म्स,
- (ii) 0.25 मि॰ मी॰ से नीचे की मोटाई की नम्य पोलीविनाइल क्लोराइड फिल्म्स,
- (iii) पोलीविनाइल क्लोराइड ले फ्लैट ट्यूबिंग्ज,

जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रीर नमक श्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम श्रनुसूची की मद सं 15क की उप-मद (2) के श्रन्तर्गत श्राते हैं श्रीर एक्सट्यूजन प्रिक्ष्या द्वारा किसी ऐसे श्रीधागिक एकक द्वारा उत्पादित है जिसकी बाबत किसी ऐसे श्रीधकारी को, जो केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के सहायक कलक्टर से नीचे की पंक्ति का न हो, यह समाधान हो जाता है कि उसमें स्थापित संयत श्रीर मशीनरी पर पूंजी-विनिधान, जैसा कि वह ऐसे संयत्न श्रीर मशीनरी के श्रारम्भिक स्थापन की तारीख को हो, 7.5 लाख रुपये से श्रीधक नहीं है, उस पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है।

2. यह ग्रधिसूचना भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रीर बीमा विभाग) की मिन्निया सं० 70, 71—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 29 मई, 1971 या सं० 72, 71—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 मई, 1971, में किसी बात के होते हुए भी प्रभावी हागी।

[सं॰ 39/73]

IG.S.R. 03(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following amendments to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 47/72—Central Excises, dated the 17th March, 1972, namely:—

In the said notification,-

- (a) in the Table, in column (3), for the letters, figures and word "Rs. 4.00 crores", the words "two crores of rupees" shall be substituted;
- (b) in the first proviso, for the letters, figures and word "Rs. 1.25 crores", the words "fifty lakks of rupees" shall be substituted.
- 2. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1973.

सा० का० नि० 103 (ग्र) — केन्द्रीय उत्पान-श्ऱक नियम 1944 के नियम 8 के उप-े नियम (1) द्वारा प्रदत्त मनितयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रौर बीमा विभाग) की ग्रधिसूचना सं० 47,72-केन्द्रीय जत्पाद-शुल्क, तारीख 17 मार्च, 1972; निम्नलिखित संशोधन करती है, श्रर्थात :---

# उक्त ग्रधिसूचना में ,--

- (क) सारणी में, स्तम्भ (3) में, "4.00 करोड़ रुपये प्रक्षर, शंक ग्रीर शब्दों के स्थान पर "दो करोड रूपए" शब्द रखे जाएंगे;
- (ख) प्रथम परन्तुक में "1.25 करोड़ र पये" श्रक्षर, श्रंक श्रीर शब्द के स्थान पर "पचास लाख रूपये" शब्द रखे जाएंगे।
- 2. यह भ्रधिमुचना 1 भ्रत्रैल, 1973 को प्रवृत्त होगी।

सिं० 40/73]

G.S.R. 104(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), No. 16/68-Central Excises, dated the 1st February, 1968, namely :-

In the said notification, in the Table, after S. No. 1 and the entries relating thereto, the following S. Nos. and entries shall be inserted, namely :-

**(2)** (3) (1)

"IA Commercial plywood-

- (a) in area 5625 square centimetres or less Duty in excess of 15% ad valorem
- (b) in area exceeding 5625 square centimetres.
- Duty in excess of 20% ad valorem
- Batten boards and block boards (including flush-doors) having both faces of commercial plywood.
  - Duty in excess of 20% ad valorem
- Veneered particle boards excluding particle Duty in excess of 20% ad valorem" boards with decorative veneers on one or both sides.

[No. 41/73.]

सा० का० नि० 104 (अ) --- केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त मन्त्रियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एत स्द्वारा शास्त्र सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रीर बीमा विमाग) की ग्रधिमुचना सं० 16,68--केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क , तारीख 1 फरवरी, 1968 में श्रीर श्रागे निम्नलिखित संशोधन करती है, श्रथीत् :---

उक्त अधिसूचना में, सारणी में, ऋ० सं० 1 और उससे सम्बद्ध प्रविष्टियों के पश्चातृः निम्नलिखित ऋम सं० और प्रविष्टियां ऋन्तः स्थापित की जाएंगी, ग्रथीत् :—

(1) (2)

"1क वाणिज्यिक प्लाइवुड ---

- (क) क्षेत्रफल में 5625 वर्ग सेंटीमीटरया मूल्यानुसार 15 प्रतिशत से भ्रधिक उससे कम ; शुल्क
- (ख) क्षेत्रफल में 5625 वर्ग सेंटीमीटर मूल्यानुसार 20 प्रतिणत से श्रिधिक से श्रिधिक। गुल्क।
- 1ख दोनों और वाणिज्यिक प्लाइबुड वाले बरंगा मूल्यानुसार 20 प्रतिशत से अधिक शुल्क तख्ते श्रीर ब्लैक बोर्ड (पलशडोर सहित )
  - 1ग एक ग्रोर या दोनों श्रोर सजावटी परन वाले मूल्यानुसार 20 प्रतिशत में श्रिधक शुल्क कण बोड़ी को छोड़ कर पर्ती कण बोड़ी

[सं॰ 41/73]

G.S.R.105(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule(1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby directs that in respect of paper, all sorts, other than newsprint and all varieties of boards, falling under Item No. 17 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and containing not less than 40 percent by weight of bagasse, jute stalks or cereal straw in the form of pulp, the duty of excise leviable thereon shall be reduced by an amount as is equivalent to the amount of the duty calculated at the rate of 9 paise per kg.

[No. 42/73.]

मा० का० नि० 105(ग्र), — केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि ग्रखबारी कागज श्रीर सभी प्रकार के पट्टों को छोड़ कर, सभी प्रकार के ऐसे कागज की बाबत जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क ग्रीर नमक श्रिधनियम, 1944 (1944 का 1) की मद सं० 17 के श्रन्तर्गत श्राते श्रीर जिनमें खोई, जूट-तना या धान्य भूमा लुग्दी के रूप में भार के श्रनुसार 40 प्रतिशत से कम न हों, उस पर उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क नी-पैसे प्रति किलोग्राम की दर पर श्राकलित शुल्क की राशि के बराबर की राशि तक कम कर दिया जाएगा।

G.S.R. 106(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts paper, all sorts, other than straw board and mill board, falling under Item No. 17 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), produced in a factory which commences manufacture for the first time on or after 1st April, 1973, from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Item read with any notification for the time being in force issued by the Central Government, under the aforesaid rule, as is in excess of 85 per cent, of such duty.

Explination.—For the purposes of this notification, the expressions "mill board" and "straw board" shall have the meanings respectively assigned to them in the Explanation to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 35/64-Central Excises, dated the 1st March, 1964.

[No. 43/73.]

साठ काठ नि 0 106 () --- केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रशेग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा गत्ता ग्रीर मिलबोर्ड को छोड़ कर सभी प्रकार के कागजों को, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क ग्रीर नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम ग्रनुसूची की मद सं 0 17 के ग्रन्तर्गत ग्राते हैं, जो ऐसे कारखाने में विनिर्मित हैं जिसमें पहली ग्रग्रैल, 1973 को या उसके पश्चात् पहली बार उत्पादन ग्रारम्भ होता है, केन्द्रीय सरकार द्वारा उपर्युक्त नियम के अधीन जारी की गई तत्समय प्रयुत्त किसी ग्रिधसूचना के साथ पठित उक्त मद के ग्रधीन उस पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद गुल्क से जितना ऐसे गुल्क के 85 प्रतिग्रत से ग्रधिक हो, छूट देती है।

स्पर्धिकरण --इम अधिमूचना के प्रयोजनार्थ "मिलबोर्ड" ग्रांर "गत्ता" श्रिभिव्यक्ति का क्रमणः वहीं श्रर्थ होगा जो उन्हें भारत मलरकार के वित्त महालय (राजस्व विभाग) की श्रिधिसूचना सं० 35, 64--केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नारीख 1 मार्च, 1964 के स्पष्टीकरण में दिया गया है।

[tio 43/ 73]

G.S.R. 107 E.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts paper, all sorts, other than straw board and mill board, falling under Item No. 17 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), produced in a facotry existing immediately before 1st April, 1973, the production capacity of which has been enlarged and brought into operation on or after 1st April, 1973, to the extent such production is attibutable to the enlarged capacity, from so much of the dity of excise leviable thereon under the said Item, read with any notification for the time being in force issued by the Central Government under the aforesaid rule, as is in excess of 85 per centof such duty:

Provided that nothing in this notification shall apply in any financial year to a factory when the total quantity of paper, all sorts other than straw board and mill board, produced therein in the preceding financial year exceeded 30,000 metric tonnes.

Explanation.—For the purposes of this notification, the expressions "mill board" and "straw board" shall have the meanings respectively assigned to them in the Explanation to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 35/64—Central Excises, dated the 1st March, 1964.

सा० का० कि० 107 (म्र).—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा गत्ता स्रौर ई
मिलबोर्ड को छोड़ कर सभी प्रकार के कागजों को, जों केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क स्रौर नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मदसं० 17 के अन्तर्गत आते हैं, जो
पहली अप्रैल, 1973 से ठीक पूर्व विद्यमान किसी ऐसे कारखाने में उत्पादित हो जिसकी उत्पादन
क्षमता 1 अप्रैल, 1973 को या उसके पश्चात् बढ़ा दी गई है स्रौर प्रचालित कर दी गई है,
उस सीमा तक जहां तक ऐसा उत्पादन बढ़ाई गई क्षमता के कारण है, उपर्युक्त नियम के स्रधीन
केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई तत्समय प्रवृत्त किसी अधिसूचना के साथ पठित उक्त
मद के स्रधीन उस पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से जितना ऐसे शुल्क के 85 प्रतिशत से
स्रधिक है, छूट देती है।

परन्तु इस अधिसूचना की कोई बात किसी वित्तीय वर्ष में किसी ऐसे कारखाने को लागू नहीं होगी जिसमें गत्ता और मिलबोर्ड को छोड़ कर, पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष में उत्पादित सभी प्रकार के कागजों की पूर्ण माझा, 30,000 मैंद्रिक टन से अधिक है।

स्पष्टीकरण :--इस ग्रधिसूचना के प्रयोजनार्थ "मिल बोर्ब" ग्रौर "गत्ता" ग्रभिव्यक्ति का क्रमणः वही श्रर्थ होगा जो उन्हें भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की ग्रिधिसूचना सं० 35/64-केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क, तारीख 1 मार्च , 1964 के स्पष्टीकरण में दिया गया है।

[सं० 44/73]

G.S.R. 108(B)—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance)No. 208/67-Central Excises, dated the 8th September, 1967, the Central Government hereby exempts paper, all sorts, other than paper boards, newsprint, cigarette tissue, glassine paper, grease proof paper, coated paper and paper of a substance not exceeding 25 grammes per square metre and falling under Item No. 17 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter in this notification referred to as the "said paper"), cleared by any manufacturer for home consumption luring any financial year, upto the quantity 'prescribed in column (1) of the Table below, from so much of the duty of excise leviable thereon under the said Item read with any notification for the time being in force issued by the Central Government under the said rule, as is specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table:

### THE TABLE

Quantity	Extent of exemption (percentag of the duty leviable)		
(1)	(2)		
On the 1st 1000 metric tonnes	75		
On the next 1000 metric tonnes	25		
On the next 2000 metric tonnes	15		

Provided that :--

- (i) the said paper is manufactured in a factory having no plant attached thereto for making bamboo pulp;
- (ii) the said exemption shall not be admissible to a manufacturer who in respect of the first 4000 metric tonnes of the said paper (for which exemption under this notification is available) cleared during the financial year avails of the concessions admissible under the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 42/73-Central Excises, dated the 1st March, 1973, 43/73-Central Excises, dated the 1st March, 1973 and 44/73-Central excises, dated the 1st March, 1973;
- (iii) where a factory producing the said paper is run at different times in any financial year by different manufacturers, the quantity of the said paper cleared from such factory in any such financial year under the provisions of this notification shall not, exceed in the aggregate the limits specified in column (1) of the Table.
  - 2. This notification shall come into force on the 1st day of April, 1973.

[No. 45/73]

सा० का० कि० 108 (ग्र) — केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के बित्त मंद्रालय (राजस्व श्रीर बीमा विभाग) की ग्रधिसूचना सं० 208/67 — केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क ,तारीख 8 सितम्बर, 1967 को ग्रधिकान्त करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा पेपर बोर्ड, ग्रखबारी कागज, सिगरटी कागज, ग्लासीन कागज, ग्रीज-रोधी कागज, लेषित कागज और ऐसा कागज जिसका बजन प्रति वर्ग मीटर 85 ग्राम से ग्रधिक नहीं है और जो केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क ग्रीर नमक ग्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम श्रनुसूची की मद सं० 17 के ग्रन्तर्गत ग्राते हैं, को छोड़ कर सभी प्रकार के कागज (जिसे इस ग्रधिनियम में इसके पश्चात् "उक्त कागज" कहा गया है), जिसकी किसी विनिर्माता द्वारा किसी वित्तीय वर्ष के दौरान गृह उपभोग के लिए निकासी की गई हो, निम्नलिखित सारणी के स्तम्भ (1) में विहित मान्ना तक उक्त नियम के ग्रधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई तत्समय प्रवृत्त किसी ग्रधिसूचना के साथ पठित उक्त मद के ग्रधीन उस पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से, जितना कि उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में की तत्स्थानी प्रविष्ट में विनिर्दिष्ट से ग्रधिक है, छूट देती है।

#### सारणी

माला		छूट (उद्ग्रहणीय				)
1			2	-	,	_
पहले 1000 में ट्रिक टन पर	•		75	-		
श्रगले 1000 मैट्रिक टन पर			25			
भ्रगले 2000 मैंद्रिक टन पर	•		15			

## परन्तु यह कि --

- (i) उक्त कागज का उत्पादन ऐसे कारखाने में हुआ हो जिसमें बांम-लुखी तैयार करनै
   के लिए कोई संयंत्र न लगा हो।
  - (ii) उक्त छूट ऐसे विनिर्माता को लागू नहीं होगी जिसने उक्त कागज (जिसके लिए इस प्रधिसूचना के प्रन्तर्गत छूट उपलब्ध है) के पहले 4000 मैट्रिक टन की बाबत, जिस की वित्तीय वर्ष के दौरान निकासी की गई है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रौर बीमा विभाग) की ग्रधिमूचना सं० 42/73—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 1 मार्च, 1973, 43/73—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1973 के ग्रन्तर्गत ग्रानुझैय रियायत ले ली है।
- (iii) जहां कि उक्त कागज का उत्पादन करने वाला कोई कारखाना किसी वित्तीय वर्ष के विभिन्न समयों पर विभिन्न विनिर्माताओं द्वारा चलाया जाता हो वहां ऐसे किसी वित्तीय वर्ष में इस अधिसूचना के उपबन्धों के अन्तर्गत ,ऐसे कार-खाने से निकासी की गई उक्त कागज की मान्ना सारणों के स्तम्भ (1) में विनि-दिष्ट सीमा से कुल मिला कर अधिक नहीं होंगी।
  - 2. यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1973 को प्रवृत्त होंगी।

[#o 45/73]

G.S.R. 109 E..—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts goods of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed and falling under Item No. 17 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the duty specified and, subject to the conditions laid down, in the corresponding entries in columns (3) and (4) respectively of the said Table.

#### TITE TABLE

Sl. No.	Description	Duty	Conditions
(1	(2)	(3)	(4)
1.	Paper and pape board falling under sub- item(3)of the aforesaid Item No. 17	45 paise per Kilogram.	Nil
2,	Solid fibre board falling under sub-item (4) of the aforesaid Item No. 17.	40 paise p <b>e</b> r Kilogram	Nil
3.	Pressed jute felt sheets	45 paise per Kilogram	Nil

1)	(2)	(3)	(4)
4. Foll	lowing varieties of paper, namely:		
(i)	Waxed paper	. Nil. <b>)</b>	
(ii)	Polythene coated paper .	. Nil.	If it is proved to the
(iii)	Crepe paper	. Nil	satisfaction of the proper officer that
(iv)	Converted types of paper, commo known as imitation flint paper or therette paper, or plastic coated pa or by any other name, obtained by side of paper being subjected to print of colour, with or without desi irrespective of the fact whether or such paper is subsequently varnisl or glazed by chemicals or embo and falling under sub-item (4) of aforesaid Item No. 17.	lea- per, ne ing gn, not ned ssed	the appropriate duty of excise or additional duty leviable under section 2A of the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), as the case may be, has been already paid in respect of the paper used in their manufacture.
(v)	Gummed paper obtained by a being applied to one side of pa and falling under sub-item (4) of aforesaid Item No. 17.	per	
5. M	etal coated paper	. Nil.	If it is proved to the satisfaction of the proper office that the appropriate duty of excise of additional duty leviable under section 2A of the India Tariff Act, 1934 (3 of 1934), as the case may be has been a ready paid in respect of the base paper used in the manufacture.
	orrugated paper (other than corrug pard).	rated Nil.	If— (i) it consists of single fluted shee of paper; and
			(ii) it is manufatured out of papon which the appropriate duty of exist of cise or addition duty leviable und section 2A of the Indian Tariff Action 1934, (32 of 1932 as the case may has been alread paid.

TENET II		[PART	П
----------	--	-------	---

(1)	(2)					(3)	(4)
7.	Polythene coated board	•	•	•	Nil.		If it is proved to the satisfaction of the proper officer that the appropriate duty of excise or additional duty leviable under section 2A of the Indian Tariff Act, 1934 (2 of 1934), as the case may be, has been already paid in respect of the board used in its manufacture.

[No. 46/73.]

मा० का० नि० 109(म्र).—केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एनद्द्रारा इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट वर्णन का माल, जो केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क ग्रौर नमक श्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रयम श्रनुसूची की मद सं० 17 के श्रन्तर्गन श्राता है, पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से जितना उक्त मारणी के स्तम्भ (3) में नत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट शुल्क से श्रिधिक है श्रौर उक्त सारणी के स्तम्भ (4) में तत्स्थानी प्रविष्टि की शर्तों के श्रध्यधीन छूट देती है।

## सारणी

क स०	वर्णन	शुत्क	गत <b>ँ</b>
(1)	(2)	(3)	(4)
1	उपर्युक्त मद सं० 17 की उप-मद (3) के श्रन्तर्गत श्राने वाला पेपर ग्रीर पेपर कोर्ड	45 <b>प</b> से प्रति किलोग्राम	कोई नहीं
-2	उक्त मद सं० 17 के उप-मद (4) के श्रन्तर्गत श्राने वाले ठोस तन्तु बोर्ड	40 पैसे प्रति किलोग्राम	कोई नहीं
3	प्रैस्ड जूट फैल्ट सीट	45 पसे प्रति किलोग्राम	कोई नहीं।

1 2 3 4

 निम्न लिखित प्रकार के कागज, ग्रथित :—

- (i) मोमी कागज
- (ii) पौलीथीन लेपित कागज
- (iii) क्रेप कागज
- (Vi) सामान्यतः इमिटेशन फिलन्ट कागज या लैंदरेट कागज या किसी अन्य नाम से जाने जाने वाले सभी प्रकार के परिवर्तित कागज जिसे कागज के एक और रंगों की छमाई डिजाइन या डिजाइन के बगैर प्राप्त किया गया हो, भले ही एसे कागज को बाद में रसा-यन बारा वार्तिश किया गया हो या ग्लेज किया गया हो या एम्बौस किया गया हो या एम्बौस किया गया हो या नहीं और जो उपर्युक्त मद सं० 17 की उप-मद (4) के अन्तर्गत आता हो।

(♥) श्रागज के एक श्रोर गौंद लगा-कर प्राप्त किया गया गोंदी कागज जो उपर्युक्त मद सं० 17 की उप-मद (4) के श्रन्तर्गत श्राता हो। कुछ नहीं कुछ नहीं कुछ नहीं कुछ नहीं

यदि उपयुक्त श्राधिकारी की समाधानप्रद रूप में यह साबित कर दिया जाय कि समुचित उत्पाद-शुरुक भारतीय टैरिफ भ्रधिनियम 1934 (1934 का 32) की धारा 2 क के ग्रधीन उद-अतिरिक्त शुल्क ग्रहणीय -यथास्थिति, उनके उत्पादन में प्रयक्त किये गये कागज की बाबत पहले ही दिया जा चुका है

कुछ नहीं

धातु लेपित कागज

कुछ नहीं

यदि उपयुक्त ग्रधिकारी समाधान प्रदरूप में यह साबित कर दिया जाय समुचित उत्पाद-शृल्क या भारतीय टैरिफ ग्रधिनियम, 1934 (1934 का 32) की धारा 2क के म्रधीन उद-ग्रहणीय म्रतिरिक्त शुल्क यथास्थिति, उनके उत्पादन में प्रयुक्त किये गए श्राधारी कागज की बाबत पहले हो दिया जा चुका है।

1 2 3 4 खांचेदार कागज यदि⊸~ कुछ नहीं (i) उसमें (खचिदार बोर्ड से भिन्न) कागज का एकल खाचित गोट है, और () वह ऐसे कागज से उत्पादित है जिस पर, यथास्थिति, समुचित उत्पाद-शुल्क या भारतीय टैरिफ अधिनियम, 1934 (1934 軒 32) की धारा 2क के ग्राधीन उद्ग्रहणीय ग्रनिरिक्त शुल्क पहले हो दिया जा चुका हो। पौजीयीन लेपित बोर्ड क्छ नहीं यदि उपर्युक्त अधिकारी के 7. रूप में यह **समाधानपद** माबित कर दिया जाय कि समृचित उत्पाद-शृल्क भारतीय टैरिक श्रधिनियम, 1934 (1934 का 32) की धारा 2क के ब्रधीन उद-प्रदेशीय श्रतिरिक्त शृत्क उनके उत्पादन में प्रयुक्त किये गए बोर्ड की बाबत पहले ही दिया जाचुका है।

[सं० 46/73]

G.S.R. 110(E).—.In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Centra Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts rayon and synthetic fibres and yarn falling under Item No. 18 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and specified in column (2) of the Table hereto annexed from so much of the duty of excise eviable thereon as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (3) thereof.

	The Table	
<b></b>		
S1. No.	Description	Duty
I	2	3
		s. per gram
I.	Staple fibre tow:—	
	(i) of cellulosic origin	1.00
	(ii) of non-cellulosic origin:—	
	(a) acrylic fibre	6.00
	(b) polyester fibre:—	
	(A) of not more than 2 deniers · · · ·	36.90
	(B) of more than 2 deniers	31.90
	(c) Others · · · · · · · · · · ·	30.00
2.	amount of the duty of excise, or the additional duty under section 2A of the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), as the case may be, the duty payable on such staple fibre shall be nil.  Rayon and synthetic yarn consisting entirely of cellulosic derivatives or regene-	
_	rated cellulose or both:—	
	(a) Acetate yarn—	
	(a) below 75 deniers	10.3
	(ii) 75 deniers and above but below 100 deniers · · · ·	7 <b>8</b> 0
	(iii) 100 deniers and above but below 120 deniers	5 · 80
	(iv) 120 deniers and above but below 150 deniers.	4.00
	(v) 150 deniers and above but below 350 deniers · · ·	3.70
	(vi) 350 deniers and above but not above 1100 deniers · ·	3.05
	(vii) above 1100 deniers · · · · · · · · ·	2.55
	(b) Others:—	
	(i) below 75 deniers	11.40
	(ii) 75 denicrs and above but below 100 denicrs · · ·	7 40
	(iii) 100 deniers and above but below 120 deniers	5.25
	(iv) 120 deniers and above but below 150 deniers.	4135
	(v) 150 deniers and above but below 350 deniers · · · ·	3.75
	(vi) 350 deniers and above but not above 1100 deniers	2 · 50
	(vii) above 1100 deniers	2.00
3.		2.00
3.	(vii) above 11∞ deniers · · · · · · · ·	2.00
3.	(vii) above 1100 deniers · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
3.	(vii) above 1100 deniers · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	40·0 <b>0</b>
3.	(vii) above 1100 deniers · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	40°00 35°00
3.	(vii) above 1100 deniers · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	40.00 35.00 25.00 20.00

: 	2				3 ~
	(b) Polyamide (nylon) yarn—				
	(i) below 35 deniers · · · · · ·		•		38 - 50
	(ii) 35 deniers and above but below 80 deniers .	•	•	•	33.50
	(iii) 80 deniers and above but below 110 deniers .	•	•	•	28 - 50
	(iv) 110 deniers and above but below 150 deniers .	•	•	•	05.2
	(v) 150 deniers and above but not above 750 deniers	•	•	•	11.50
	(vi) above 750 deniers · · · · · ·	•	•	•	5-8
	(c) Polyester yarn—				
	(i) below 30 deniers · · · · · ·				41.9
	(ii) 30 deniers and above but below 75 deniers .	•	•	•	36.9
	(iii) 75 deniers and above but below 100 deniers .	•	•	•	26.9
	(iv) 100 deniers and above but not above 750 deniers	•	•	•	21.9
	(v) above 750 deniers · · · · · ·	•	•	•	6.9
	(d) Others—				
	(i) below 30 deniers · · · · · ·	•	•		40.0
	(ii) 30 deniers and above but below 75 deniers .	•	•		35.0
	(iii) 75 deniers and above but below 100 deniers .	•	•	•	25.0
	(iv) 100 deniers and above but not above 750 deniers	•	•	•	20.0
	(v) above 750 deniers · · · · ·	•	•	•	5.0

[No. 47/73]

सा० का० नि० 110(अ).—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप- नियम (1) द्वारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा रेयन और संश्लिष्ट फाइवर और धागे, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1444 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 18 के अन्तर्गत आते हैं, और जो इससे उपावद्व सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट है, उन पर उतने उत्पाद-शुल्क से छूट देती हैं जितना उसके स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट शुल्क से अधिक है।

## सारणी

ऋम०सं०	वर्णन				शुल्क
1	2				3
		-		मृ०	प्रति किलोग्राम
1	रेशा फाइबर और शणसूत्र (i) सैल्यूलोसी उद्भव का (ii) भ्र–सल्यूलोसी उद्भव का—				1.00
	(क) एकिलिक फाइबर		•	•	6.00

1	2	3
	(ख) पालिएस्टर फाइबर	
	(क) 2 डीनियर से भ्रनधिक	36.90
	(ख) - 2 डीनियर से श्रिधिक	31.90
	(ग) ग्रन्थ	30.00
	परन्तु यह कि शणसूत्र के बने ऐसे रेशे फाइबर, जिस पर, यथास्थिति, उत्पाद-शुल्क या भारतीय टैरिफ प्रधिनियम, 1934 (1934 का 32) की धारा 2क के ग्रधीन ग्रतिरिक्त शुल्क की समुचित रकम संदक्त कर दी गई है, पर कोई शुल्क देय नहीं होगा।	
2	रेयन भ्रौर संक्लिष्ट धागा जो पूर्णतः सत्यूलोसी व्युत्पादों या पुनर्योजित सैत्यूलोसी या दोनों से बना है ।	
	(क) एसेटेट धागा —	
	(i) 75 डीनियर से कम $$	10.35
	(ii) 75 डीनियर भ्रौर श्रधिक किन्तु 100 डीनियर से	
	कस	7.80
	(iij) 100 डीनियर और अधिक किन्तु 120 डीनियर से कम 	5.80
	से कम	4.00
	(V) 150 डीनियर फ्रॉर प्रिधिक किन्तु 350 डीनियर से कम	3.70
	(Vi) 350 डीनियर भ्रौर घ्रधिक किन्तु 1100 डीनियर से ग्रनधिक	2.05
	रा असावना	3.05
	(VII) 1100 अस्पर्त आवर्ष (ख) श्रन्य	2.55
	(i) 75 डीनियर से कम	11.40
	(ii) 75 डीनियर भौर भ्रधिक किन्तु 100 डीनियर से कम	7.40
	$({ m iii})$ 100 डीनियर और म्रधिक किन्तु 120 क्रीनियर	
	से कम	5.25
	(iV) 120 डीनियर ग्रौर ग्रिधिक किन्तु 150 डीनियर से कम	4.35
	(V) 150 डीनियर <b>भ्रौर भ्रधिक</b> किन्तु 350 <b>डीनियर</b> से कम	3.75

1 2	3
(Vi) 350 डीनियर ग्रौर ग्रधिक किन्तु 1100 डी-	
नियर से ग्रनिधक	2.50
$(\mathrm{Vii})$ 1100 डीनियर से भ्रधिक	2.00
.3 म्रन्य संग्लिष्ट धागा —	
(क) हाथ से कता मैटलिक धागा	
$(i)$ $30$ डीनियर से कम $\ .$ $\ .$ $\ .$	40.00
(ii) 30 डीनियर श्रीर श्रधिक किन्तु 75 डीनियर से कम	35,00
(iii) 75 डीनियर भ्रौर श्रधिक किन्तु 100 डीनियर	
से कम	25.00
$({ m iV})$ 100 डीनियर श्रीर ग्रिधिक किन्तु $750$ डीनियर	
से श्रनधिक	20.00
(V) 750 डीनियर से श्रधिक	5.00
(ख) पोलीमाइड (नायलान) धागा —	
$({ m i})$ $35$ डीनियर से कम $$	38.50
$({ m ii})$ $35$ डीनियर भ्रौर भ्रधिक किन्तु $80$ डीनियर	
से कम	33.50
(iii) 80 डीनियर भ्रौर ग्रधिक किन्तु 110 डीनियर	
से कम	28.50
(iV) 110 डीनियर श्रौर श्रधिक किन्तु 150 डीनियर से कम	23.50
(V) 150 डीनियर भ्रोर ग्रधिक किन्तु750 डीनियर	23.50
से ग्रनधिक	11.50
(Vi) 750 डीनियर से श्रधिक	5.85
(ग) पोलिस्टर धागा	
(i) 30 डीनियर से कम	41.90
(ii) 30 डीनियर श्रौर भ्रधिक किन्तु 75 डीनियर	
से कम	36.90
$({ m iii})$ ृ $75$ डीनियर ग्रीर प्रधिक किन्सु $100$ डीनियर	
से कम • • •	26.90
(iV) 100 डीनियर श्रीर श्रधिक किन्तु 750	
डीनियर से भ्रनधिक	21.90

1	2	3
	(v) 750 डीनियर से श्रिधिक	6.00
	(घ) भ्रन्य	
	$(i)$ 30 डीनियर से कम $\;$	40.00
	$({ m ii})$ 30 डीनियर श्रौंर श्रधिक किन्तु 75 डीनियर	
	से कम	35.00
	(iii) 75 डीनियर और श्रधिक किन्तु 100 डीनियर	
	सेकम	25.00
	(iV) 100 डीनियर ग्रौर श्रिष्ठिक किन्तु 750 डीनियर	
	से श्रनधिक	20.00
	(V) 750 डीनियर से श्रधिक	5.00

[सं॰ 47/73]

G S.R. III (E)—In exercise of the powers conferred by sub-rule(1) of rule 8 of the Centra Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts rayon and synthetic fibres and yarn falling under Item No. 18 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (10f 1944), and specified in column (2) of the Table hereto annexed from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (3) thereof.

THE TABLE

S.No	. Description	Duty
	2	3
Ι,	Glass fibre and yarn-	Rs. per kilogram
	I. Glass fibre—  (i) Staple fibre (including glass tissues)	3.00
	(ii) Glass wool	1.50
	II. Continuous filament yarn—  (a) Textile yarn—  (i) next exceeding 225s counts	4.00
	(ii) exceeding 225s counts but not exceeding 45os counts	6.00
	(iii) exceeding 450s counts	8.0
	(b) Others	2.500
2.	Any other mineral fibres and yurn, whether continuous or otherwise, such as rock wool, slagwool and the like	Nil
3.	Yarn spun wholly out of glass fibres	Nil

Explication.—For the purposes of this notification, the expression 'count' meants the size of single yarn expressed as the number of 100 yard lengths per pound.

[No. 48/73].

सा० का० नि० 111. (ग्र).-केन्द्रीय उत्पाद-भूलक नियम, 1944 के नियम 8 के उप नियम (1) द्वारा प्रदत्त णिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा रेयन श्रीर संश्लिष्ट फाइबर भीर धार्ग को जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क ग्रीर नमक श्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 18 के अन्तर्गत आते हैं और जो इससे उपाक्त सारणी के स्तम्भ (2) में बिनिर्दिष्ट हैं, उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद- शुन्क से शूट देती त जितना उस के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविध्टि में विनिर्दिष्ट गुल्क से प्रधिक है।

# सारगी

ऋ० सं०	वर्णन		शुल्ब	ក
1	2		3	
		₽∘	प्रति	किलोग्राम
1.	कांच फाइबर श्रीर धागा —			
	1. कांच भाइबर			
	$({f i})$ रेशा फाइबर (कांच तन्तु सम्मिलित है) .			3.00
	$(\mathrm{i}_{\mathrm{i}})$ কাৰ ক্ৰন $$ . $$ .			1.50
	।।. सतत् फिलामेंट घागा			
	(क) कपड़ा धागा—			
	(i) 225 एस काउन्ट्य से ब्रनधिक			4.00
	(ii) 225 एस काउन्ट्म से प्रधिक किन्तु 450 एस			
	काउन्ट्स से ग्रनधिक			6.00
	$(\mathrm{iii})$ 450 एस काउन्ट्म मे श्रधिक $$			8.00
	(ख) ग्रन्य			2.50,
2.	कोई ब्रन्य खनिज फाइबर श्रीर धागा चाहे सतत या भ्रन्यथा,			
	जिसे कि रोक वूल, खानिज गई श्रीर इस प्रकार का .	কুন্ত	नहीं	
3.	कांच फाइबर से पूर्णरूप से काता गया धागा	कुछ	नर्ह	Ť-

सौ गज की लम्बाई के एकल धागों की संख्या श्रभिशेत है।

स्पष्टीकरस्य .--इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ "काउन्ट" प्रभिष्यित से प्रति पाउण्ड

[सं॰ 48/73]

G S.R. 112 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the ral Excise Rules, 1944, the Central Government hereby—akes the following amendment to notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue Insurance) No. 52/72-Central Excises, dated the 17th March, 1972, namely:—

In the said notification, in the Table, for the entries in columns (2) and (3) against S. No., the following entries shall be substituted, namely:—

2		3
"(2) manufactured on other systems—		
(i) of 40 counts and above		8.00
(ii) of above 20 counts but below 40 counts		5.00
(iii) of 20 counts and below		3.00,
	[No.	49/73]

सा० का० नि० 112 (ग्र).—फेन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उन। (1) द्वारा प्रदत्त भिन्तयों का योग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा भारत
र के जिल मंत्रालय (राजस्व ग्रीर ब्रीमा विभाग) की श्रिधियूचना सं० 52/72—केन्द्रीय
:-शहक नारीख 17 मार्च, 1972 में निम्नलिखित संशोधन करती है, ग्रथांत :---

उ≯त श्रक्षितियम में, सारणी में, ऋष सं० 3(2) के सामने स्तम्भ (2) और (3) ∴विष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टिया रखी जाएंगी, श्रर्थात् :---

G.S.R. 113 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts yarn, all sorts, other than the yarn centaining my two or more of the fibres spec fied in the Schedule hereto annexed, alling under Item No. 18E of the First Schedule to the Central Excises and Salt, Act, 1944, 1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon.

#### THE SCHEDULE

- I. Cotton.
- 2. Silk .
- 3. Wool,
- 4. Jute (including Bimlipatam jute or mesta fibre).
- 5. Man-made fibres.
- 6. Flax.
- 7. Ramie.

[No. 50/73.]

सारकार्शनिरु 113 (म्र).—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एनद्शारा इससे उपाबद्ध अनसूची में विनिर्दिष्ट किसी दो या प्रधिक फाइबर वाले धागों से भिन्न सभी प्रकार के धागों को, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क भ्रौर नमक श्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम श्रनुसूची की मद संरु 18—ड० के अन्तर्गत भ्राते हैं, उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क मे छूट देती है।

# ग्रन<u>ु</u>स्ची

- 布पास
- 1. ਜਿਕ੍ਕ
- 3. あす
- 4. जूट (विम्लीपट्टम जुट या मेस्टा तन्त्र सम्मिलित है )
- 5. हाथ से बना तन्तु।
- फ्लैक्स
- 7. रमी

[सं॰ 50/73]

G.S.R. 114 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby directs that the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be amended in the manner specified in column (3) of the said Table.

~	THE TABLE	
S.No	o. Notification No. and date.	Amendment
I	. 2	3
I,	No. 91/69-Central Excises, dated the 1stMarch, 1969.	In the said notification,—  (1) in the Table, the entries in columns (2), (3) and (4) occurring against S. Nos. 9, 21 and 22 shall be omitted;  (2) Explanation, 1 shall be omitted and in Explanation 2 the figures "2" shall be omitted.
2.	No. 130/69—Central Excises, dated the 29th April, 1969. No. 127/70—Central Excises, dated the 6th June, 1970.	In each of the said notifications, for the words, figures and brackets "falling under sub-item I(1) of Item. No. 19", the words, figures, brackets and letter, falling under sub-items (I)(1) and I(1A) of Item No. 19" shall be subsystiuted.
3.	No. 144/70—Central Excises, dated the 11th July, 1970.	In the said notification, after the words, figures and brackets "Item No. 191(14)" the words figures, brackets and letter "and Item No. 191(1A)" shall inserted.

[No. 51/7

सा० का० नि० 114 (म्र).— अनिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय गरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिमूचनायों जो इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट हैं, उक्न सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट रूप में संशोधित होंगी।

## सारगी

ऋं० सं०	श्रधिसूचना सं० श्रौर तारीख	संगोधन
1	2	3
1	सं० 91, 69—केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क, तारी <b>ख</b>	उक्त ग्रधिमूचना में,—
	1 मार्च, 1969	<ul> <li>(1) सारणी में कं० सं० 9, 21</li> <li>ग्रौर 22 के सामने स्तम्भ (2),</li> <li>(3) ग्रौर (4) में की प्रविष्टियां लुप्त कर दी जाएगी;</li> </ul>

1 2 3

(2) स्पब्टीकरण-1 लुप्त कर दिया जाएगा भ्रौर स्पष्टीकरण-2 में का भ्रक "2" लुप्त कर दिया जाएगा।

सं० 130, 69-केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क, तारीख
 29 म्रप्रैल, 1969।
 सं० 127, 70-केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क, तारीख,
 6 जुन, 1970।

उक्त श्रधिसूचना में से प्रत्येक में "मध् सं० 19 की उप-मद 1 (1) के श्रन्तगंत श्राने वालें शब्द, श्रकं श्रीर कोष्ठकों के स्थान पर "मद स० 19 की उप-मद 1(1) श्रीर 1(1क) के श्रन्तगंत श्राने वालें शब्द, श्रंक श्रीर कोष्ठक रखे जाएंग।

3. सं० 144,/70—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 11 जुलाई, 1970 । उक्त ग्रधिसूचना में "मद सं० 119 (1)" शब्द, ग्रंक ग्रीर कोष्ठकों के स्थान पर "ग्रीर मद सं० 19/ (1क)", शब्द, ग्रंक ग्रीर कोष्ठक भन्तःस्थापित किये जाएंगे।

[सं 51/73]

.. x15(R).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise 1944, the Central Government hereby exempts cotton fabrics of the description specified 11 am (3) of the Table hereto annexed and falling under the sub-items specified in the 200 points of the Table hereto annexed and falling under the sub-items specified in the 200 points of the First Schedule Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise thereon as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (4) said Table.

## THE TABLE

Sub- item No.	Description	Duty
2	3	4
(1)	Cotton fabrics, other than blankets, not exceeding Rs. 2.50 per square metre in value.	6.25 percent ad volorem.
(1)	Blankets not exceeding Rs. 4 per square metre in value.	6.25 percent ad valorem.
(I) TA)	Other cotton fabrics	12.5 percent ad valorem.
(1)	Fents of fabrics specified against S. No. 1 and 2 above.	4.0 percent ad valorem.

5. I(1)—and I Fents of fabrics specified against S.No. 7.5 per cent ad valorem.
I(1A) 3 above.

G. I(1) Rags of fabrics specified against S.No. 1 and 2.0 per cent ad valorem.
2 above.

7. I(1) and Rags of fabrics specified against S.No. 3 above. 4.0 per cent ad valorem.
I(1A)

Explanation.—For the purposes of this notification:—

- (a) the expression "fents" means,-
- (i) bona fide cut-pieces of cotton fabrics (excluding cut-pieces of towels) of length 45 centimetres or more but not exceeding 90 centimeters where the width of the fabric is one metre or more, and of length 65 centimetres or more but not exceeding 135 centimetres where the width of the fabric is less than one metre, arising during the normal course of manufacturing (including processing) or packing or drawing samples;
- (ii) damaged cotton fabrics (excluding damaged towels) of length 45 centimetres or more but not exceeding 90 centimetres where the width of the fabric is one metre or more, and of length 65 centimetres or more but not exceding 135 centimetres where the width of the fabric is less than one metre; and
- (iii) cut-pieces of length 45 centimetres or more but not exceeding 90 centimetres where the width of the fabric is one metre or more, and of length 65 centimetres or more but not exceeding 135 centimetres where the width of the fabric is less than one metre cut from damaged dhotics or sarces.
- (b) the expression "rags" means,—
- (i) bone fide cut-pieces of cotton fabrics of length more than 23 centimetres but less than 45 centimetres where the width of the fabric is one metre or more, and of length more than 23 centimetres but less than 65 centimetres where the width of the fabric is less than one metre, arising durin g the normal course of manufacturing (including processing) or packing or drawing samples, and
- (ii) cut-pieces of damaged or sub-standard cotton fabrics of lenth more than 23 centimetres but less than 45 centimetres where the width of the fabric is one metre or more, and of length more than 23 centimetres but less than 65 centimetres where the width of the fabric is less than one metre.
  [No. 52/73]

सत् का विव 115 (म्र) — केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपन्यम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतवृद्धारा इससे ाबद्ध सारणी के स्तम्भ (3) में निर्निदिष्ट वर्णन के भ्रौर उक्त सारणी के स्तम्भ (2) में त्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट उप-मदों के श्रन्तर्गत भ्राने वाली, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क गिर नमक श्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम श्रनुसूची की मद स० 19 की , सूती कपड़े को उस पर उवग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से जितना उक्त सारणी के स्तम्भ 4) में तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट उत्पाद-शुल्क से श्रिधिक है, छुट वेती है।

# सारगी

स०	उप-मद स०	वर्णन	मुल्क
	2	3	4
1.	1(1)	कम्बलों से भिन्न, जिनका मूल्य 2.50 रु० प्रति वर्गमीटर से श्रिधिक नहीं है ।	6.25 प्रतिशत मूल्यानृसार

1	2	3	4
2.	1(1)	कम्बल, जिनका मूल्य 4 ६० प्रति वर्गमीटर से प्रधिक नहीं है	6.25 प्रतिशत मूल्यानुसार
3.	्1(1) म्रौर 1(क)	ग्रन्य सूती कपड़े	12.5 प्रतिशत भूल्यानुसार
4.	1(1)	उपर्युक्त ऋ० स० 1 ग्रीर 2 के सामने - विनिर्दिष्ट कपड़ों के टुकड़े	4.0 प्रतिशत मूल्यानुसार
5.	1(1) ग्रौर 1(1क)	उपर्युक्त कम सं० 3 के सामने विनिर्दिष्ट कपड़ों के टुकड़े	7.5 प्रतिशत मूल्यानुसार
6.	1(1)	उपर्यक्त ऋ० सं० 1 ग्रौर 2 के सामने विनिर्दिष्ट कपड़ों के चिथड़े	2.0 प्रतिशत मूल्यानुसार
7.	1 (1) भ्रौर 1 (1क)	उपर्यक्त ऋ० सं० 3 के सामने विनिर्दिष्ट कपड़ों के चिथड़े	4.0 प्रतिशत मल्यानुसार

# स्पष्टीकरण :-- इस ग्रधिसूचना के प्रयोजन के लिए :--

- (क) "टुकड़े" अभिज्यवित से अभिन्नेत है,--
  - (i) विनिर्माण (जिसमें प्रैंस संस्करण भी सम्मिलित हैं) या पैक करने या नमूते लेने के प्रसामान्य ग्रनुक्रम के दौरान निकल कपास के तन्तुकृतों के वस्तुतः कटे टुकड़े (जिनके श्रन्तगंत तौलियों के कटे टुकड़े नहीं श्राते जो, जहां तन्तुकृत की चौड़ाई एक मोटर या उससे श्रधिक हो वहां, 45 सैंटीमीटर या उससे ग्रधिक लम्ब हों, श्रौर जहां तन्तुकृत की चौड़ाई एक मीटर से कम हो वहां, 65 सेंटीमीटर या उससे श्रधिक किन्तु 135सेंटीमीटर से श्रनधिक लम्ब हों;
  - (ii) क्षत कपास के तन्तुकृत (जिनके श्रन्तर्गत क्षत तौलिये नहीं श्राते), जो, जहां तन्तकृत की चौड़ाई एक मीटर या उससे श्रधिक हो, वहां 45 सैंटी-मीटर या उससे श्रधिक लिम्ब हों श्रौर जहां तन्तुकृत की चौड़ाई एक मीटर से कम हो वहां, 65 सैंटीमीटर या उससे श्रधिक किन्तु 135 सेंटीमीटर से श्रनधिक लम्बे हों; श्रौर
  - (iii) क्षत घोतियों या साड़ियों के कटे टकड़े, जो, जहां तन्तुकृत की चौड़ाई एक मीटर या उससे श्रधिक हो वहां, 45 सेंटीमीटर या उससे श्रधिक किन्तुः 90 सेंटीमीटर से श्रनधिक लम्बे हों श्रौर जहां तन्तुकृत की चौड़ाई एक मीटर से कम हो वहां, 65 सेंटीमीटर या उससे श्रधिक किन्तु 135 सेंटीमीटर से श्रनधिक लम्बे हों।"

# (ख) "चिथड़े" श्रिभिव्यक्ति से श्रिभिप्रेत है,---

- (i) विनिर्माण (जिसमें प्रसंस्करण भी सम्मिलित हैं) या पैक करने या नमूने लेने के प्रसामान्य प्रनुक्षम के दौरान निकले कपास के तन्तुकृतों के वस्तुतः कटे टकड़ों, जो जहां तन्तुकृत की चौड़ाई एक मीटर या उससे प्रधिक हो वहां, 23 सेंटीमीटर से प्रधिक किन्तु 45 सेंटीमीटर से कम लम्बे हों ग्रीर जहां तन्तुकृत की चौड़ाई एक मीटर से कम हो वहां, 23 सेंटीमीटर से ग्रधिक किन्तु 65 सेंटीमीटर से कम लम्बे हों, ग्रीर
- (ii) क्षत या निम्नतर कपास के तन्तुकृतों के कटें टकड़े, जो जहां तन्तुकृत की चौड़ाई एक मीटर या उससे प्रधिक हो वहां, 23 सेंटीमीटर से प्रधिक किन्तु 35 मेंटीमीटर से कम लम्बे हों ग्रीर जहां तन्तुकृत की चौड़ाई एक मीटर से कम हो वहां, 23 सेंटीमीटर से प्रधिक किन्तु 65 सैंटीमीटर से कम लम्बे हों;

[Hr o 52/73]

G.S.R. 116 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts fents and rags of cotton fabrics of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed and falling under sub-item I(2) of Item No. 19 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (3) or column (4), as the case may be, of the said Table.

THE TABLE

S.No.	Description		Fents	Rag <sub>5</sub>
<u> </u>	2		3	4
	Constraint faktion		Rs. per	kilomgram
I.	Superfine fabrics—  (a) grey  (b) bleached or dyed or both  (c) processed, other than bleached or dyed or both	•	0·60 2·00 4·00	0·30 1·00 2·00
2,	Fine fabrics—  (a) grey  (b) bleached or dyed or both  (c) processed, other than bleached or dyed or both		0°30 1°00 2°00	0·15 0·50. 1·00
3.	Mcdium—A fabrics—  (a) grey		Nil 0·10 0·50	Nil 0·05 0·25
4.	Medium—B fabrics—  (a) grey.  (b) bleached gr dyed or both.  (c) processed, other than bleached or dyed or both.		Nil Nil 0·10	Nil Nil Nil

THE GAZETTE OF INDIA EX	FRAORDINA	RY	[PART II—
2		3	4
Coarse fabrics—			
(a) grey		Nil	Nil
(b) bleached or dyed or both		Nil	Nil
(c) processed, other than bleached or dyed or l	both	0.10	Nil
Cotton fabrics specified below:			
(a) Cotton fabrics generally described as malime or fabrics in which the warp and weft yarn a and fastened together by chain stitches be each other.	re connected against	1.10	Nil
(b) Non-woven bonded fabrics which are wel fibres held together by bonding materials other process		0.10	Nil
plunation:—For the purposes of this notification, the shall have the meanings respectively as to the notification of the Government of (Department of Revenue and Insurance the 1st March, 1973.	ssigned to then of India in the	n in the E Ministry	xplanation of Finance
the 1st match, 19/3.		ſΝο.	53/73]
			55.75
सा० का० नि० 116(अ) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नि	यम, 1944 के	नियम 8 वे	न उप-
ं(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय	सरकार एतदद्वा	रा इससे	उपा-
गरणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट वर्णन के और	=		
यम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम ग्रनुसूची	को मद स०	19 की उ	प-मद
के ब्रन्तर्गत ब्राने वाले सूती कपड़े के टुकड़ों श्रौर ि	वथड़ों को उन	पर उदग्र	हणीय
उत्पाद-शुल्क से जितना उक्त सारणी के, यथास्थिति			•
. •		) 41 (4)	4
ो प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट शुल्क से ग्रधिक है, छूट दे	ती है।		
सार <b>गी</b>			
वर्णन	टुकड़े	चिथड़े	
2	3	4	
	 <b>रु</b> ० प्रति	किलोग्राम	
सुपरफाइन कपड़ा—		-	
•	•	20 -	
(क) कोरे	0.6	50 0	. 30

1.00

2.00

2.00

4.00

(ख) विरंजित या रंगे हुए या दोनों

प्रसंस्कृत

(ग) विरंजित या रंगे हुए या दोनों से भिन्न पर्यस्कत

1	2	3	4,	
2.	फाइन कपड़े			
	(क) कोरे	0.30	0.	1 :
	(ख) विरंजित या रंगे हुए या दोनों	1,00	0.	. 5 (
	(ग) विरंजित या रंगे हुए या दोनों से भिन्न			
	प्रसंस्कृत	2.00	1 .	. 0
3.	मध्यम क कपड़े—-			
	(क) कोरे	कुछ नहीं	দুন্ত	नह
	(ख) विरंजित या रंगे हुए या दोनों	0.10	0	. 0
	(ग) विरंजित या रंगे हुए या दोनों से भिन्नप्रसंस्कृत	0.50	0	. 2
4.	मध्यम-ख कपड़े			
	(क) कोरे	कुछ नहीं	कुछ	नह
	(ख) विरंजित या रंगे हुए या दोनों	कुछ नहीं	<b>কু</b> ন্ত	नः
	(ग) विरंजित या रंगे हुए या दोनों से भिन्न प्रसंस्कृत	0.10	<del>দু</del> ন্ত	नः
5.	मोटे कपड़े			
	(क) कोरे	कुछ नहीं	কুন্ত	नर्ह
	(खं) विरंजित या रंगे हुए या दोनों	कुछ नहीं	कुछ	न्
	(ग) विरंजित या रंगे हुए या दोनों से भिन्न प्रसंस्कृ	त 0.10	कुछ	नः
6.	नीचे विनिर्दिष्ट सूती कपड़े—			
	(क) सूती कपड़े जो साधारणतः मलाइम किस्म के	0.10	कुछ	न
	क हे जाते हैं या वे कपड़े जिन में ताने तथा			
	बाने के धागे एक-दूसरे से रोकते हुए जंजीर-			
	नुमा टांकों से स्नापस में जुड़े स्नौर बंधे रहते हैं	ı		
	(स्त्र) बिना बनेबंदित कपड़े जिन में फाइबर के	0.10	<b>জু</b> ভ	5
	 वैबया मैट किसी बन्धक पदार्थसे या		9	
	किसी श्रन्य प्रक्रिया से श्रापस में बन्धे हों।			

स्पष्टीकरण.—इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ "टुकड़े" ग्रौर "चिथड़े" ग्रिभिव्यक्तियों के कमश: वही श्रर्थ हींगे जो उन्हें भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रौर बीमा विभाग) की ग्रिधिसूचना सं० 52/73—केन्द्रीय उत्पाद- शुल्क, तारीख

अगर बाना (पनाग) का आवसूचना ते 52/73---1 मार्च, 1973 के स्पष्टीकरण में विधे गए हैं।

[सं∘53/7;

G.S.R. 117 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (I) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby exempts fents and rags of cotton fabrics of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed and falling under sub-item I(2) of Item No. 19 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the additional excise duty leviable thereon under the first mentioned Act, as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (3) or column (4), as the case may be, of the said Table.

THE TABLE

S. No.	Description	Fents	Rags
ı	2	3	4
		Paise per	kilogram
ı.	Superfine fabrics · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	80	40
2.	Fine fabrics	50	25
3.	Medium-A fabrics · · · · · · · · ·	20	10
4.	Medium-B fabrics	15	Nil
5.	Coarse fabrics · · · · · · · · ·	10	Nil
6.	Cotton fabrics specified below :		
	(a) Cotton fabrics generally described as malime type fabrics or fabrics in which the warp and weft yarn are connected and fastened together by chain stitches barred against	<u>.</u> :	
	each other	15	Nil
	(b) Non-woven bonded fabrics which are webs or mats of fibres held together by bonding materials or by any other		
	process.	1.	Nıl

Explanation.— For the purposes of this notification, the expression "fents" and "rags" shall have the same meanings respectively assigned to them in the Explanation to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 52/73-Central Excises, dated the 1st March, 1973.

[No. 54'73.]

सा॰का॰ नि॰ 117(ग्र).—प्रतिरिक्त उत्पादन-गुल्म (विशेष महत्व का माल) ग्रिधिनियम, 1957(1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा(3) के साथ पिटत, केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्द्वारा इससे उपावद्व सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट वर्णन के ग्रीर केन्द्रीय उत्पाद-शुल्म ग्रीर नमक ग्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रयम ग्रनुसूची की मद सं० 19 की उप-मद 1(2) के ग्रन्तर्गत ग्राने वाले सूती कान्हों के टुकड़ों ग्रीर चियड़ों को, प्रथम वर्णित ग्रिधिनियम के ग्रिधीन उन पर उद्ग्रहणीय उत्तने ग्रिसिरिक्त उत्पाद-गुल्क से छूट देती है जितना उन्त सारणी के, यथास्थित, स्तम्भ (3) या स्तम्भ (4) में तत्रस्थानी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट गुल्क से ग्रिधिक है।

<b>6</b>			सारणी				
क०सं०	वर्णन					 टुक <b>ं</b> ड़े	चिथड़े
<del>-</del> ,,,	<u></u>				<del>_,,</del>	पैसे प्रति	किलो ग्राम
1.	सुपरफाइन कपड़े					80	50
2.	फाइन कथड़े .		•			50	25
3.	मध्य-क कपड़े.					20	20
4.	मध्यम-ख कपड़े		•		•	15	कुछ नहीं
5.	मोटे कपड़े .	•		•		10	कुछ नहीं
<b>%</b> 6.	नीचे विनिर्दिष्ट सूती	कपड़े——					
	(क) सूती कपड़ें जो स जाते हैं या वे कप दूसरे से रोकते जुड़े ग्रौर बंधे	ड़े जिनमें त हुए जंजीर	ाने तथा	बाने धार	रे एक-	15	कुछ नहीं
	(ख) बिनाबुनेबंदित किसी बन्धक सेश्रापस में बंधे	पदार्थ से				15	कुछ नही

स्पर्धीकरणः—इस ग्राधिसूचना के प्रयोजनाथ "दुकड़े" ग्रीर "चिथड़े" ग्राभिष्यिक्तयों के कमणः वहीं ग्राथं होंगे जो उन्हें भारत सरकार के वित्त मंत्रालथ (राजस्व ग्रीर वीमा विभाग) की ग्राधिसूचना सं० 52/73—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1973 के स्पष्टी-करण में दिये गए हैं।

[सं • 54/73]

G.S.R. 118 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule(1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1941, the Central Government hereby exempts fents and rags of cotton fabrics of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed, and resulting out of such fabrics manufactured on a handloom or produced by factories working under the special procedure laid down in Rule 96-I of the said rules, and processed with the aid of power, from so much of the duty leviable thereon under sub-item I(2) of Item No. 19 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (3) or column (4), as the case may be, of the said Table.

#### THE TABLE

No.			Desc	riptio	n 				Fen¹s	Rags
I			2						3	4
					,			R	upees per	kilogram
1.	Superfine fabrics		•		•			•	2.20	1.10
2.	Fine fabrics ·			•		•	٠		1.10	o·55
3.	Medium-A fabrics		•		•				0.10	0.05

I			2								3	4
4.	Med	lium-B fabric	s					-				45
	(a)	Bleached or	dyed o	or both		•	•		•		Nil	Nil
	(b)	Others ·	•	•			•	•	•	•	0.10	Ni
5.	Coa	rse fabrics—										
		Bleached or	dyed o	or both					•	•	Nil	Ni
	(b)	Others •	•	•	•	•	•	•	•	•	0.10	Ni

Explanation:— For the purposes of this notification, the expressions "fents" and "rags" shalt have the meanings respectively assigned to them in the Explanation to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 52/73-Central Excises, dated the 1st March, 1973.

[No. 55/73.]

सा० का० नि० 118 (म). - केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप- कियम (1) ब्रारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्रारा इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्विष्ट वर्णन के, जो हिष्णकरघे पर विनिर्मित या उक्त नियमों के नियम 96-में दी गई विणेय प्रक्रिया के अधीन कार्य करने वाले कारखानों द्वारा उत्पादित और विजली की सहायता से प्रमंस्कृत हों, केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क और नमक श्रिधिनयम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम धनुसूची की मद सं० 10 की उप-मद 1(2) के श्रधीन उन पर उद्ग्रहणीय उतने णुल्क से जितना उक्त सारणी के यथास्थिति, स्तम्भ (3) या स्तम्भ (4) में की तत्स्थानी प्रविष्टियों में विनिर्विष्ट णुल्क से श्रिधक है, छूट देती है।

## सारणी

ऋ०सं०		र्णन				टुकड़े	चिथड़े
1		2	·	<del></del>		3	4
						रुपये प्रवि	 तंकिलोग्राम
1.	सुपरफाइन क्षपड़े					2.20	1.10
2.	फाइन कपड़े .			•		1.10	0.55
3.	मध्यम -सं कपड़े	•			•	0.10	0.05
4.	मध्यम-ख कपड़े						
	(क) विरंजित या रंगे ह	हुए या दो	नों	•	• ,	कुछ नहीं	कुछ नहीं
	(ख) भ्रन्य					0.10	कुछ नहीं

1 2 3 4
5 मोटे कपड़े—
(क) विरंजित या रंगे हुए या दोनों कुछ नहीं कुछ नहीं
(ख) ग्रन्य 0.10 कुछ नहीं

स्पद्धीकरण:—इस ग्रिधिसूचना के प्रयोजनार्थ "टुकड़े" श्रीर "चिथड़े" ग्रिभिव्यक्तियों के कमशः वही श्रर्थ होंगे जो उन्हें भारत सरकार के बित्त मंत्रालय (राजस्व श्रीर बीमा विभाग) की ग्रिधिसूचना सं० 52/73-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1973 के स्पष्टीकरण में दिये गए हैं।

[सं० 55/73]

G.S.R. 119 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempt cotton fabrics falling under sub-item I(1) of Item 19 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and specified in column (2) of the Table hereto annexed from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (3) of the said Table:

THE TABLE

# S. No. Description Duty 1 2 3

- Cotton fabrics, other than blankets—
  - (a) not exceeding Rs. 2.50 per square metre in value . . . . . . . . . . . 5 per cent ad valorem.
  - (b) exceeding Rs. 2.50 per square metre in value . . . . . 10 per cent ad valorem.

#### Blankets-

- (a) not exceeding Rs. 4:00 per square metre in value 5 per cent ad valorem.
- (b) exceeding Rs. 4 00 per square metre in value 10 per cent ad valorem.
- 3. Fents · · · · · · 4 per cent ad valorem.
- 4. Rags · · · · · · · 2 per cent ad valorem.

Provided that nothing contained in this notification shall apply to cotton fabrics which in the grey stage are manufactured in a composite mill.

Explanation -For the purposes of this notification-

(a) the expression "composite mill" means a manufacturer who is engaged in spinning of cotton twist, yarn or thread, or weaving of cotton fabrics or processing of cotton fabrics with the aid of power and has a proprietary interest in at least two of auch manufacturing activities; (2) the expressions "fents" and "rags" shall have the meanings respectively assigned to them in the Explanation to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 52/73-Central Excises, dated the 1st March, 1973.

[No. 56/73.]

सा० कि० कि० 10 (ग्र):—केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदन्न मिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा केन्द्रीय उ-पाद-गुल्क ग्रीर नमक ग्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम श्रनुसूची की मद सं० 19 की उप-मद 1(i) के श्रन्तर्गत श्राने वाली श्रीर इससे उपाबद सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट सूती कपड़ों को उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-गुल्क से जितना कि उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट गुल्क से श्रिक्ष है, छट देती है।

## सारणी

等の	सं०	वर्णन	गुल्क
1		2	3
	1.	कम्बलों से भिन्न सूती कपड़े	_
		(क) जिनका मूल्य 2.50 रु० प्रति वर्ग मीटर से अधिक नहीं है।	5 प्रतिभत मूल्यानुसार
		(ख) जिनका मूल्य 2.50 ६० प्रति वर्ग मीटर से ग्रिधिक है ।	10 प्रतिशत मूल्यानुसार
	2	कम्बल—	
		(क) जिनका मूल्य 5.00 रु० प्रति वर्ग मीटर से भ्रधिक नहीं है ।	5 प्रतिशत मूल्यानुसार
		(ख) जिनका मूल्य 4.00 ६० प्रति वर्गे मीटर से ग्रिधिक है ।	10 प्रतिशत मूल्यानुसार
	3.	दुनाड़े	4 प्रतिशत मूल्यानुसार
	4.	चिथड़े	2 प्रतिशत मूल्यानुसार

परन्तु इस अधिसूचना में की कोई बात ऐसे सूजी कपड़ों को लागू नहीं होगी जो किसी संयुक्त मिल में कोरे स्तर पर विनिर्मित हों।

## स्पटीकरस्ग .--इम श्रधिमूचना के प्रयोजनार्थ-

- (i) संयुक्त मिल से ऐसा विनिर्माता श्रभिप्रेन हैं जो विजली की सहायता से सूनी बटे हुए धार्ग या डोरे को कानने या सूनी कपड़े बुनने या सूनी कपड़ों को प्रसंरक्षत करने में लगा हुआ हो और जिसका कम से कम ऐसी दो विनिर्माण प्रक्रियाओं में स्वत्वधारी हित है ।
- (ii) 'टुकड़े" श्रौर "चियहे" श्रभिव्यक्तियों के क्रमणः वही श्रर्थ होंगे जो उन्हें भारत सरकार के विक्त मंत्रालय (राजस्व श्रौर बीमा विभाग) की श्रधि-सूचना सं० 52/73-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1973 के स्पष्टीकरण में दिए गए है।

[सं॰ 56/73.]

G.S.R. 120(E):—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duty of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby exempts fents and rags of cotton falling fabrics under sub-item I(2) of Item No. 19 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944)] resulting out of further processing of processed cotton fabrics on which appropriate additional duty of excise leviable under the first mentioned Act has been paid, from the whole of the additional duty of excise leviable thereon.

Explanation:—For the purposes of this notification, expression "fents" and "rags" shall have the meanings respectively assigned to them in the Explanation to the noti fication of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 52/73-Central Excises, dated the 18th March, 1973.

[No. 57/73.]

साठकाठिन 120(म्र) --- म्रितिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) ग्रिधि-नियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्हारा सूती कपड़ों के टुकड़े श्रौर चिथड़े [केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क ग्रौर नमक श्रिधिनियम, 1944 (1944 वा 1) की मद सं० 19 की उप-मद 1(2) के ग्रन्तर्गत श्राने वाले] जो प्रसंस्कृत सूती कपड़ों की श्रौर प्रसंस्करण के फलस्वरूप है तथा जिने, पर प्रथम विणत अधिनियम के श्रिधीन उद्युहणीय समुचित श्रितिरिक्त उत्पाद-शुल्क दे दिया गया है, उन पर उद्युहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है।

स्पष्टीकररा.— इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ ''टुकड़े'' श्रीर ''चिथड़े'' श्रिभिव्यक्तियों के कमणः वही अर्थ होंगे जो उन्हें भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रीर बीमा विभाग) की श्रिधसूचना संव 52/73-केन्द्रीय उत्पाद-शृत्क, तारीख 1 मार्च, 1973 के स्पष्टीकरण में दिये गए हैं।

[सं० 57/73-]

G.S.R. 121(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 175/72-Central Excises, dated the 24th July, 1972, namely:—

In the said notification, for the existing provisos and the Explanation, the following provisos and Explanation shall be substituted, namely:—

#### "Provided that---

- (i) the duty payable on rayon or artificial silk fabrics processed with the aid of machines operated without the aid of power or steam, other than the process of calendering with plain rollers, whether done with or without the aid of power or steam, shall be reduced by forty percent;
- (ii) the duty payable on each consignment of rayon or artificial silk fabrics shall be reduced by five percent, if such fabrics are cleared from the processing factory without cutting any fents, rags, chindies or any portion of these fabrics, whether damaged or not; and
- (iii) nothing contained in this notification shall apply to fents and rags.

Explanation: - For the purposes of this notification,-

- (i) the expression "processed" means any process which is ordinarily conducted with the aid of machines whether operated with or without the aid of power or steam;
- (ii) the expression "fents" means-
  - (a) bona fide cut-pieces of rayon or artificial silk fabrics of length 45 centimetres of more but not exceeding 90 centimetres where the width of the fabric is one metre or more, and of length 65 centimetres or more but not exceeding 135 centimetres where the width of the fabric is less than one metre, arising during the normal course of manufacturing (including processing) or packing or drawing samples; and
  - (b) damaged rayon or artificial silk fabrics of length 45 centimetres or more but not exceeding 90 centimetres where the width of the fabric is one metre or more and of length 65 centimetres or more but not exceeding 135 centimetres where the width of the fabric is less than one metre.
- (iii) the expression "rags" means-
  - (a) bona fide cut-pieces of rayon or artificial silk fabrics of length more than 23 centimetres but less than 45 centimetres where the width of the fabric is 1 metre or more, and of length more than 23 centimetres but less than 65 centimetres where the width of the fabric is less than 1 metre, arising during the normal course of manufacturing (including processing) or packing or drawing samples; and
  - (b) cut pieces of damaged or sub-standard rayon or artificial silk fabrics of length more than 23 centimetres but less than 45 centimetres where the width of the fabric is one metre or more and of length more than 23 centimetres but less than 65 centimetres where width of the fabric is less than one metre.

[No. 58/73]

सा० का० नि० 121(भ्र).--केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतवृद्वारा भारत सरकार के वित्त मंद्रालय (राजस्व ग्रौर बीमा विभाग) की ग्रिधसूचना सं० 175/72केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क, तारीख 24 जुलाई, 1972, में भ्रौर भागे निम्नलिखित संशोधन करती रू, भ्रयत्:—

उक्त श्रधिसूचना में वर्तमान परम्तुक श्रौर स्पब्टीकरण के स्थान पर निम्नलिखित भरन्तुक श्रौर स्पब्टीकरण रखा जाएगा, श्रयित्:——

# "परन्तु यह कि---

- (i) सादे रौखरों से कलैण्डिरिंग करने की प्रक्रिया भी भिन्न, बिजली या भाप की सहायता के वगैर चलाए जाने वाली मशीनों की सहायता से प्रसंस्कृत रेयन या कृष्टिम शिल्क के कपड़े भले ही बिजली या भाप की सहायता से या उसके बगैर किया गया हो, पर देय शुल्क 40 प्रतिशत कम कर दिया जाएगा;
- (ii) रेयन या क्रुविम सिल्क के कपड़े ऐसे प्रत्येक परेषण के संबंध में यदि ऐसे कपड़ों की निकासी, चाहे वह क्षत हुए हों या नहीं, प्रसंस्कृत कारखाने से कोई दुकड़े, चियड़े, चिदियां या किसी भाग को काटे बिना होती हैं तो संदेय गुल्क 5 प्रतिगत कम कर दिया जाएगा; ग्रौर
- (iii) इस प्रधिसूचना में की कोई बात टुकड़ों भ्रौर चिथड़ों पर लागू नहीं होगी।
  •स्पन्दीकरण.—इस श्रधिसूचना के प्रयोजनार्थ,—
  - (i) "प्रसंस्कृत" प्रभिव्यक्ति से ऐसी मणीनों की सहायता से जो भले ही बिजली या भाप से या उसके बगैर चलाई जाती हो, सामान्यतः चलाई जाने वाली कोई प्रक्रिया ग्रांभिरेत है।
  - (ii) "दुकड़े" ग्रभिव्यक्ति से ग्रभिन्नेत है,--
    - (क) विनिर्माण (जिसमें प्रसंस्करण भी सम्मिलित है) या पैक करने या नमूने लेने के प्रसामान्य ग्रनुकम के दौरान निकले कृत्निम रेशम के तन्तुओं के बस्तुत: कटे टुकड़े जहां तन्तुकृत की चौड़ाई एक मीटर या उससे ग्रीधक हो वहां, 45 सेंटीक मीटर या उससे ग्रीधक किन्तु 90 सेंटीमीटर से ग्रनिधक लम्बे हों भौर जहां तन्तुकृत की चौड़ाई एक मीटर से कम हो वहां 65 सेंटीमीटर या उससे ग्रीधक किन्तु 135 सेंटीमीटर से ग्रनिधक लम्बे हों; ग्रीर
    - (ख) क्षत केवल क्रुतमिल्क के तन्तुकृत, जो, जहां त्विन्तुकृत की चौड़ाई एक मीटर या उससे श्रधिक हो, वहां, 45 सेंटीमीटर या उससे श्रधिक किन्तु 90 सेंटीमीटर से श्रनधिक लम्बे हों श्रोर जहां तन्तुकृत की चौड़ाई एक मीटर से कम हो वहां 65 सेंटीमीटर या उससे श्रधिक किन्तु 135 सेंटीमीटर से श्रनधिक लम्बे हों।

- (iii) "चिथड़े" ग्रभिक्यक्ति से प्रभिप्रेत्त है,---
  - (क) विनिर्माण (जिसमें प्रसंस्करण भी सम्मिलित है) या पैक करने या नमूने लेने के प्रसामान्य श्रनुकम के दौरान निकले रेयन या कृतिम शिल्क के तन्तुश्रों के बस्तुतः कटें टुकड़ें, जो, जहां तन्तुकृत की चौड़ाई एक मीटर या उससे अधिक हो वहां 23 सेंटीमीटर से श्रधिक किन्तु 45 सेंटीमीटर से कम सम्बे हों श्रौर जहां तन्तुकृत की चौड़ाई एक मीटर से कम हो वहां 23 सेंटीमीटर से श्रधिक किन्तु 65 सेंटीमीटर से कम लम्बे हों; श्रौर
  - (ख) क्षत या निम्नस्तर रेयन या कृतिम णिल्क के तन्तुकृतों के कटे टुकड़े जो तन्तुकृत की चौड़ाई एक मीटर या उससे ग्रधिक हो, वहां, 23 सेंटीमीटर से ग्रधिक किन्तु 45 सेंटीमीटर से कम लम्बे हो भौर जहां तन्तुकृत की चौड़ाई एक मीटर से कम हो वहां, 23 सेंटीमीटर से ग्रधिक किन्तु 65 सेंटीमीटर से कम लम्बे हों।"

सिं॰ 58/73]

G.S.R. 122 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby makes the following further amendment to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 179/72-Central Excises, dated he 24th July, 1972, namely :—

In the said notification, for the existing provisos and the Explanation, the following provisos and Explanation shall be substituted, namely:—

#### "Provided that-

- the duty payable on rayon or artificial silk fabrics processed with the aid of machines operated without the aid of power, or steam, other than the process of calendering with plain rollers, whether done with or without the aid of power or steam, shall be reduced by forty percent;
- (ii) the duty payable on each consignment of rayon or artificial silk fabrics shall be reduced by five percent if such fabrics are cleared from the processing factory without cutting any fents, rags, chindies or any portion of these fabrics, whether damaged or not; and
- (iii) nothing contained in this notification shall apply to fents and rags.

Explanation.— For the purposes of this notification the expressions "processed", "fcnts" and "rags" shall have the same meanings respectively assigned to them in the Explanation to the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 175/72-Central Excise dated the 24th July, 1972."

[No. 59/73.]

सा०का०नि० 122 (म्र). श्रितिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारत

'<del>श्</del>रकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व श्रीर बीमा विभाग) की श्रधिसूचना संo 179/72**–केन्द्रीय उ**त्पाद-श्रहकः तारीख 24 जुलाई, 1972 में एतदुकारा श्रीर श्रागे निम्नलिखन संजीधन करनी ै, श्र**र्था**त् :----

उक्त ग्रधिसूचना में वर्तमान परन्तुक ग्रीर स्पष्टीकरण के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक भौर स्प्रप्टीकरण रखा जाएगा, ग्रथातः—

## ∵परन्तु यह कि⊸--

- (i) सादे रौलरों से कलैण्डारग करने की प्रक्रिया से भिन्न, बिजली या भाष की सह।यता के बगैर चलाए जाने वाली मशीनों की सहायता से प्रसंस्कृत रेयन या कृत्रिम सिल्क के कपड़े भले ही बिजली या भाष की सहायता से या उसके बगैर किया गया ही पर देय शुरुक चालीस प्रतिशत कम कर दिया जाएगा;
- (ii) रेयन या कृत्विम सिल्क के कपड़े ऐसे प्रत्येक परेषण के संबंध में यांद ऐसे कपड़ों की निकासी, चाहे वह क्षत हुए हों या नही, प्रसंस्कृत कारखाने से कोई टुकड़े, चिथड़े, चिदियां या किसी भाग को काटे बिना होती है तो संदेय शुल्क 5 प्रतिशत कम कर दिया जाएगा; श्रीर
- (iii) इस ग्रधिसूचना में की कोई बात टुकड़ों और चिथड़ों पर लागू नहीं होगी।
  स्पष्टी करण.—इस ग्रधिसूचना के प्रयोजनार्थ "प्रसंस्कृत", "टुकड़े" श्रौर "चिथड़े"
  श्रिभिव्यक्तियों के कमश: वहीं श्रर्थ होंगे जो उन्हें भारत सरकार
  के वित्त मंत्रालय (राजस्व श्रौर बीमा विभाग) की श्रिधिसूचना
  संठ 175/72—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 24 जुलाई, 1972 के
  स्पष्टीकरण में दिये गए हैं।

[मं॰ 59/73**.**]

G. S. R. 123 (E).—In exercise of the powers conferred by substule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby examples for and rags of processed rayon and artificial silk fabrics of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed and falling under sub-item (1) of Item No. 22 of the First Schedule to the Central Excises and Sal 'ct, 1944 (1 of 1944) from so much of the dury of excise leviable thereon as in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (3) or column (4), as the case may be, of the said Table.

#### THE TABLE

S. No.	Description	Fents	Rags
1	2	3	4
	··		<del></del>

- I Processed rayon or artificial silk fabrics.
  - (a) containing 50 per cent or more by weight of-
- . 7.5 per cent.

  advilorem
- 4' 0 per cent.
  ad valorem

(i) polyester fibre or yarn or both; or

1

2

3

4

- (ii) acrylic fibre or yarn or both; or
- (iii) a combination of (i) and (ii)
- (b) containing 30 percent or more but less than 50 per cent by weight of-

5.0 percent. ad valorem

2.5 percent ad valorem

- (i) polyester fibre or yarn or both;
- (li) acrylic fibre or yarn or both; or
- (iii) a combination of (i) and (ii),

but excluding fents, or as the case may be, rags, of fabrics containing more than 50 percent by weight of polyamide fibre or yarn or both.

(c) containing more than 50 per cent by weight of polyamide fibre or yarn or both.

3.0 per cent. ad valorem

- I to per cent. ad valorem
- (d) containing 30 per cent or more but not more than 50 per cent by weight of polyamide fibre or yarn or both, but excuding fents or as the case may be rags, of fabrica containing 30 percent or more but less than 50 percent by weight of-

2.0 per cent 1.0 percent ad valorem ad valorem

- (i) polyester fibre or yarn or both;
- (ii) acrylic fibre or yarn or both; or
- (iii) a combination of (i) and (ii)
- Other processed rayon or artificial silk fabrics.

nil 1 'o percent. ad valorem

Explanation:—For the purposes of this notification, the expressions "processed", "fents" and "rags" shall have the meanings respectively assigned to them in the Explanation to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 175/72 Central Excises, dated the 24th July, 1972.

[No. 60/73.]

सां कां निव 123 (ग्र). -- केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एत**दद्वारा** इससे सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट वर्णन के और केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क िनियम 1944 (1944 का 1) की प्रथम ग्रनुसूची की मद सं० 22 की उप-मध -भ्रान्तर्गत श्राने वाले प्रसंस्कृत रेयन श्रीर क्रुव्निम सिल्क कपड़ों के टुकड़ों श्रीर चिथड़ों को उनपर उदमहणीय उतने उत्पाद-मुल्क से जितना उक्त सारणी के तत्स्थानी प्रविष्टियों में यथास्थिति. क्रम संo (3) श्रौर (4) में विनिदिष्ट शुल्क से अधिक है, छूट देती है।

	सारणी		
क्क सं०	वर्णन	टुकड़े	विधड़े
1	2	3	4
1.	प्रसंस्कृत रेयन या कृक्षिम सिल्क कण्डा—		
	(क) जिसमें वजन के मनुसार 50 प्रतिशत या उससे मधिक हों	7 . 5 प्रतिशत	4.0 प्रतिशत
	g(i) पौलिस्टर फाइबर या धागा या दोनों; $g(i)$ एकिलिक फाइबर या धागा या दोनों; या	मूल्यानुसार	मूल्यानसार
	(iii) (i) भ्रौर (ii) का मिश्रण		
	(ख) जिसमें निम्नलिखित वजन के भ्रनुसार 30 प्रतिगत या भ्रधिक किन्सु 50 प्रतिगत से कम		
	हो।	5 . 0 प्रतिशत मूल्यानुसार	2.5 प्रतिशत मूल्यानुसार
	(i) पौलिस्टर फाइबर या धागा या दोनों;		
	(ji) एक्रिलिक फाइबर याधानायादोनों; या		
	(iii) (i) भौर (ii) का मिश्रण लेकिन टुकड़े, यथास्थिति; ऐसे कपड़े जिन में त्रजन के भनुसार पौलिमाइड फाइबर या स्रागा या दोनों 50 प्रतिशत से श्रधिक हों, के चिथड़े छोड़कर।		
	<ul> <li>(ग) जिसमें वजन के ग्रनुसार पौलिमाइड</li> <li>फाइबर या धागे या दोनों 50 प्रतिशत</li> <li>से ग्रधिक हों।</li> </ul>	3.0 प्रतिमात्	1.0 प्रतिशत
		मृल्यानुमार	मृल्यानुसार

1 2 3 4

- (घ) जिसमें वजन के अनुसार पौलिमाइड फाइबर या धागे या दोनों 30 प्रतिशत या उससे श्रधिक किन्तु 50 प्रतिशत से कम हों लेकिन, यथास्थित टुकड़े भ्रौर ऐसे कपड़े जिन में निम्नलिखित वजन के श्रनुसार 30 प्रतिशत या श्रधिक किन्तु 50 प्रतिशत से कम हो, के विथड़े।
- 2.0 प्रतिशत

1 ' 0 प्रतिशत

मूल्यानुसार

मुल्यानुसार

- (i) पौलिस्टर फाइबर या धागा या दोनों;
- (ii) एकिलिक फाइबर या धागा या दोनों;या
- (i¡i) (i) ग्रौर (ii) का मिश्रण 🛭
- 2. श्रन्य प्रसंस्कृत रेयन या कृत्रिम सिल्क कपड़े

1,0 प्रतिणत मृल्यानुसार। कुछ नहीं

स्पष्टीकरणः—इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ "प्रसंस्कृत", "टुकड़े" ग्रीर "चियड़े" ग्रिभिव्यक्तियों के कमशः वही श्रर्थ होंग जो उन्हें भारत सरकार के वित्त मंद्रालय (राजस्व ग्रीर बोमा विभाग) की अधिसूचना संठ 175/72—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क। तारीख 24 जुलाई 1972 के स्पष्टीकरण में दिये गए हैं।

[सं० 60/73.]

G.S.R. 124 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby exempts fents and rugs of processed rayon or artificial silk fabrics of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed and falling under sub-item (1) of Item No. 22 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the additional excise duty leviable thereon as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (3) or column (4), as the case may be, of the said Table.

#### THE TABLE

S. No.	Description	Fents	Rags
I	2	3	4
	<del></del>		

- I. Processed rayon or artificial silk fabrics-
  - (a) containing 50 percent or more by weight of-
- 2.5 per cent. I.o per cent. ad valorem ad valorem
- (i) polyester fibre or yarn or both;

:

3

- (ii) acrylic fibre or yarn or both; or
- (iii) a combination of (i) and (ii)
- (b) containing 30 percent or more but less than 50 per cent by weight of—
- 2.5 percent 1.0 per cent ad valorem ad valorem
- (i) Polyester fibre or yarn or both;
- (ii) acrylic fibre or yarn or both; or
- (iii) a combination of (i) and (ii)

but excluding fents, or as the case may be, rags, of fabrics containing in the than 50 per cent by weight of polyamide fibre or yarn or both.

(c) containing more than 50 percent, by weight of polyamide fibre or yarn or both.

1.0 per cent o.5 per cent

- (d) containing 30 percent or more but not more than 50 percent, by weight of polyamide fibre or yarn or both, but excluding fents, or as the case may be, rags, of fabrics containing 30 per cent or more but less than 50 per cent, by weight of—
- 1.0 per cent. 0.5 per cent ad valorem ad valorem

- (i) polyester fibre or yarn or both;
- (ii) acrylic fibre or yarn or both; or
- (iii) a combination of (i) and (ii)
- 2. Other processed rayon or artificial silk fabrics

o.5 per cent. nil ad valorem.

Explanation.—The expressions "processed", "fents" and "rags" shall have the meaning respectively assigned to them in the Explanation to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 175/72. Central Excises dated the 24th July, 1972.

[No. 61/73].

सा० का० नि०124(म्).—- म्रितिस्कत उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) म्रिधिनयम 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उप-धारा (3) के साथ पिठत केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय नरकार एतद्वारा इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट वर्णन के भ्रौर केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क भौर नमक अधिनियम 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 22 की उप-मद (i) के भ्रन्तर्गत म्राने वाले प्रसंस्कृत रेयन या कृद्धिम सिल्क कपड़े के दुकड़ों और चिथड़ों को उन पर उद्ग्रहणीय उतने भ्रतिरिक्त उत्पाद-शुल्क से छट देती है जितना उक्त सारणी के, यथास्थित, स्तम्भ (3) या स्तम्भ (4) में तत्स्थानी प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट शुल्क से अधिक है।

सारगी				
फ <b>ं सं</b> ०	वर्णम	दुभड़े	विषड़े	
1	2	3	4	
1.	प्रसंस्कृत रेयन या कृत्रिम सिल्क कपड़े—		-	
	(क) जिसमें वजन के अनुसार 50 प्रतिशत			
	या उससे <b>मधिक हों</b>	2. 5 प्रतिश्रत	1.0 प्रतिकत	
		<b>मूल्यानु</b> सार	मूल्यानुसार	
	(i) पीलिस्टर फाइबर या बागा या दोनों;			
	(ii) एकिपलि फाइनर या धागा यादोनों;			
	था ६			
	(iii) (i) भीर (ii) का मिश्रण			
	(का) जिसमें निम्नलिकित यजन के प्रमुसार			
	30 प्रतिसंत या घधिक किन्तु 50			
	प्रतिकत से कम हो।	2. 5 <b>प्रति</b> शत	1.0 प्रतिश्वत	
		मूल्या <b>नु</b> सार	मूल्यानुसार	
	<ul> <li>(i) वौतिस्टर फाइबर या घागा या दोनों;</li> </ul>			
	(ii) एकसिक फाइबर याधागायादोनों;			
	या			
	(¡¡i) (i) भीर (¡¡) का मिश्रण			
	लेकिन टकड़े, मथास्थिति, ऐसे कपड़े जिन में			
	वजन के धनुसार पौलिमाइड फाइबर या			
	धागा या दोनों 50 प्रतिशत से मधिक हों,			

(ग) जिसमें वजन के झनुसार पौलिमाइड फाइबर या धागे या दोनों 50 प्रतिशत से श्रधिक हों।

के चिषड़े छोड़कर।

- 1.0 प्रतिशत
- 0. 5 प्रतिशत मृल्यानुसार

मूल्यानुसार

1

2

3

4

- (घ) जिसमें वजन के ग्रनुसार पौलिमाइड फाइबर या धागे या दोनों 30 प्रतिशत या उससे श्रधिक किन्तु 50 प्रतिशत से कम हों लेकिन, यथास्थित, टुकड़े ग्रौर ऐसे कपड़े जिनमें निम्नलिखित वजन के श्रमुसार 30 प्रतिशत या श्रधिक किंतु 50 प्रतिशत से कम हो, के जिया है
- 1.0 प्रतिशत
- 0 . 5 प्रतिशत

मुल्यानुसार

मूल्यानुसार

- (i) पौलिस्टर फाइबर या घाना या वोनों;
  - (ii) एकिलिक फाइवर या धागा या दोनों; या
- (iii) (i) और (ii) का मिश्रण
- शब्य प्रसंस्कृत रेयन या कृत्रिम सिल्क कपड़े

0.5 प्रतिशत कुछ नहीं। मृत्यानुसार।

स्पव्यक्तिकरण—इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थं "प्रसंस्कृत", " टुकड़े" और "विषड़े" अभिव्यक्तियों के कमण: वहीं अर्थ होंगे जो उन्हें भारत सरकार के वित्त मंद्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 175,/72-केन्द्रीय उत्पाद-मुक्क, तारीख 24 जुलाई, 1972 के स्पष्टीकरण में विधे गए हैं।

[सं०61/73]

G.S.R. 125 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-sections (2) and (3) of sections of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby make the following further amendments in the rotification of the Government of India in the Ministry of Fnance (Department of Revenue and Insurance), No. 138/70-Central Excises, dated the 13th June 1970, namely:—

In the said notification,-

- (1) for the existing proviso before the Table, the following proviso shall be substituted, namely:— "Provided that nothing contained in this notification shall apply to fents and rags.,"
  - (2) after the Table the following Explanation shall be inserted, namely :---"Explanation-For the purposes of not fication, the expressions. "fents" and "rags" shal have the meanings respectively assigned to them notification of the in the Explanation to the Government. of India in the Ministry of Finanse (Department of Revenue and: Insurance) No. 175/72-Central Excises, dated the 24th July, 1572.

[No. 62/73]

सा॰ का॰ नि॰ 125 (श्र). --- केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क श्रौर नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 की उपधारा (2) श्रौर (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कन्से हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्धारा भारत सरकार के बित मत्नालय (राजस्व श्रौर बीमा विभाग) की श्रधिसूचना सं॰ 138/70 केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, तारीख 13 जून, 1970, में श्रौर आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, श्रर्थात् :---

# उक्त ग्रधिसूचना में,---

(1) सारणी से पहले वर्तमान परन्तु क के स्थान पर निम्नलिखित परन्तु क रखा जाएगा, अर्थात् :---

> ''परन्तु इस श्रधिसूचना में की कोई बात टुकड़ों श्रौर चिथड़ों पर लागू नहीं होगी ।

(2) सारणी के पश्चात् निम्नलिखित स्पष्टीकरण ग्रन्त:स्थापित किया जाएगा, श्रर्यात् :—.

"स्पष्टीकरणः — इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ "टुकड़े" और "चिथड़े" प्रभिव्यक्तियों के कमशः वही अर्थ होंगे जो उन्हें भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व धौर बीमा विभाग) की अधिसूचना संख्या 175/72—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, गारीख 24 जुलाई, 1972 के स्पष्टीकरण में विथे गए हैं।

[मं० 62/7]

G.S.R.126(B).--In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts textile fabrics (other than such fabrics containing any two or more of the fibres specified in the Schedule hereto annexed) falling under Item No. 22AA of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon.

#### THE SCHEDULI

- 1. Cotton.
- Silk.
- 3. Wool.
- 4. Jute (including Bimlipatum jute or mesta fibre).
- Man-made fibres.
- 6. Flax.
- 7. Ramie.

[No. 63/13].

स्तां का निव 126 (श्र) — केन्द्रीय उत्पाद-शत्क नियम 1944 के नियम 8 के उप-ृतियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा टैक्स्टाइल कपड़ें (इससे उपाबद्ध श्रनसूची में विनिर्दिष्ट किसी दो या अधिक फाइबर वाले कपड़ों से भिन्न कपड़ें) जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क श्रीर नमक श्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम श्रनसूची की मद सं 22कक ने श्रन्तर्गत श्राते हैं. उन पर उद्युहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से, छुट देती है।

## सारगी

- 1. कपास
- सिल्क
- あ
- 4. जूट (विम्लीपटटन जूट या मेस्टा तन्तू सम्मिलित हैं)
- 5. हाथ से बना तन्तु ।
- 6. फ्लैक्स
- 7. रमी

[सं०६३/ 73] ।

बी० के० भ्रग्रवाल, ग्रवर सचिव।

### (Department of Revenue and Insurance)

CENTRAL EXCUSES

New Delhi, the 1st March 1973

GSR.1271(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules 1944, the Central Government hereby exempts laboratory glassware falling under sub-item (2) of Item No. 23A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from, so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of five per cent. adva, l. rem

[No. 64/73.]

# (ए:जस्व और बीमा विभाग)

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

नई दिल्ली, 1 मार्व, 1973

सा० का० वि०127(त्र) - केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क नियम, वार्य १४4 के नियम वार्य (1) द्वारा श्रदत गक्षित्रयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतदशारा द्वारा प्रयोगणाला में काम ग्राने वाला कों च का सामान , जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क श्रीर नमक ग्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रयक्त अमुसूची की सद सं० 23क की उप-मद (2) के श्रन्तर्गत श्राता है, उस पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से जितना पांच प्रतिशत मल्यानसार से श्रिधिक है, छूट देती है।

[सं 64/73]

G.S.R. 128(E)—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules 944, the Central Government hereby exempts steel ingots falling under Item No. 26 of the First Schedule to the Central Excises and Sait Act, 1944 (1 of 1944) and manufactured with the aid of electric furnace from so much of the duty of excise leviable thereon, as is in excess of fifty, rupees per metric tonne:

Provided that such steel ingots are manufactured from any of the following materials, name ly:—

- (a) old iron or steel melting scrap;
- (b) a combination of the material referred to at (a) above with fresh unused steel melting scrap on which the appropriate duty of excise has been paid; and
- (c) iron in any crude form falling under Item No. 25 of the said First Schedule on which the appropriae duty of excise has been paid, in combination with the materials referred to at (a) and (b) above.

[No. 65/73.]

साठ काठ नि०128(अ).—केन्द्रीय उत्पाद-शृहक नियम, 1944 के नियम 8 के उप-िषयम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतवृद्धारा इस्पात सिस्ली जो केन्द्रीय उत्पाद-शृहक और नमक ग्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम भनुसूची की मद सं० 26 के भन्तगंत भाती हैं और विद्युत भट्टी की सहायता से विनिर्मित हैं, उन पर उद्ग्रहणीय उत्तने उत्पाद-शृहक से जितना भ्रति मैंट्रिक टन 50 रुपये से ग्रिथिक हो, छूट देती है :

परन्तु यह कि ऐसी इस्पात सिल्लियां निम्नलिखित सामग्री में से किसी से विनिर्मित हों, शर्थात् :---

- (क) पुराना लोहा या इस्पात पिचलन रही ;
- (ख) उपर्युक्त (क) पर निर्दिष्ट सामग्री का नए श्रप्रयुक्त इस्पात पिघलन रही का सम्मिश्रण जिस पर समुचित उत्पाद-शुल्क दे दिया गया हो ; श्रीर
- (ग) उक्त प्रथम धनसूची की मद सं० 25 के ध्रन्तर्गत भ्रामे वाली किसी कच्चे रूप में लोहा जिस पर समुचित उत्पाद-शुरुक दे दिया गया है, उपर्युक्त (क) भ्रोर (ख) में निर्विष्ट सामग्रियों के मिश्रण में 1

[सं० 65/73]

G.S.R. 129 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts steel ingots falling under Item No. 26 of the First S-hedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon:

#### Provided that-

(a) such steel ingots are manufactured exclusively from fresh unused steel melting scrap on which the appropriate duty of excise leviable under the aforesaid Item No. 26 of the said First Schedule has already been paid; and

(b) no set-off or proforma credit has been availed of in respect of the duty paid on such steel melting scrap used in the manufacture of such steel ingots.

[No. 66/73]

सा० का नि०129(म्र).-केन्द्रीय उत्पाद-शुरूक नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतवृद्वारा इस्पात सिरुली जो केन्द्रीय उत्पाद-शुरूक श्रीर नमक ग्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम ग्रनुसूची की मद सं० 26 के श्रन्तर्गत श्राक्षी हैं, उन पर उद्यहणीय समस्त उत्पाद शुरूक से, छुट देती है।

# परन्तु यह कि---

- (क) ऐसी इस्पात सिल्लियां नये अप्रर्युक्त इस्पात पिघलन रही, जिस पर उक्त प्रथम अनुसूची की उपर्युक्त मव सं० 26 के अधीन उद्ग्रहणीय समुचित उत्पाद-शुल्क पहले ही दे दिया गया है, से मान्न विनिर्मित हैं; श्रीर
- (ख) ऐसी उत्पाद पिघलन रही जो ऐसे इस्पात सिल्लियों के विनिर्माण में प्रयुक्त हुई है, के लिए संदक्ष शुल्क की बाबत कोई मुजराई या प्रोर्फामा ऋडिट नहीं लिया गया है।

[सं० 66/73]

G.S.R.130(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts iron or steel products falling under Item No. 26AA of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and specified in column (2) of the Table hereto annexed, from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the duty specified in the corresponding entries in column (3) of the said Table, subject to the conditions laid down in the corresponding entries in column (4) thereof.

THE TABLE

S.No.	Description	Duty		Conditions
1	2	3	<del></del>	4
		Rs. per m. tonne		
ı.	All forms of semi-finished steel falling u sub-item (i) of Item 26AA—	ınder		
	(a) made from steel ingots on which at the appropriate rate has already paid	been	NIL	
	(b) Others · · · ·	, 162.∞		
2.	All products falling under sub-item (ia Item 26AA (other than rails and per bars covered by Sl. No. 3 bel	slee-		
	(a) made from steel ingots on which at the appropriate rate has already			

1	2	3	4
	(b) made from semi-finished steel falling under sub-item (i) of Item 26AA on which appropriate duty of excise or additional duty under section 2A of the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), as the case may be, has already been paid	NIL	NIL
	(c)) Others · · · · ·	165.00	NIL
3.	Rails and Sleeper bars—  (a) made from steel ingots or semi-finished steel on which duty at the appropriate rate has already been paid  (b); others · · · · · ·	NIL 100·00	If it is proved to the satisaction of the Collector of Central Excise that the rails or sleeper bars, as the case may be, are actually used for railway track and the procedure set out in Chapter X of the Central Excise Rules, 1944, is followed.
4.	Steel castings—		
	(a) made from steel ingots or semi-finished steel on which duty at the appropriate rate has already been paid	NIL	NIL
	(b) others · · · · ·	100.00	NIL

Provided that in the case of the products mentioned against S. Nos. 1(b), 2(c), 3(b) and 4(b) of the aforesaid Table, manufactured with the aid of electric furnace from any of the following materials, namely:—

- (i) old iron or steel melting scrap;
- (ii) a combination of the material referred to at (i) above with fresh unused steel melting scrap on which the appropriate duty of excise has been paid; and
- (iii) iron in any crude form falling under Item No. 25 of the sald First Schedule on which the appropriate duty of excise has been paid, in combination with the materials referred to at (i) and (ii) above,

the duty specified against the corresponding entries in column (3) of the said Table shall be reduced by fifty rupees per metric tonne.

[No. 67/73]

सा० का० नि० 130 (अ). — केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदेश शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा लोहा और इस्पात के उत्पाद जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 26क क के अन्तर्गत आते हैं और इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट हैं, उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से जितना उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है, से अधिक है, उसके स्तम्भ (4) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में अधिकथित शर्त के अधीन, खूट देती है।

165.00 कुछ नहीं

# सारणी शर्ते वर्णन ऋ० सं० शुल्क 4 1 2 3 रुपये प्रति मैद्रिक टन सभी प्रकार के तैयारवत इस्पान जो मद 26कक 1. की उप-मद (i) के श्रन्तर्गत भाते हैं---(क) ऐसी इस्पात सिल्ली से बना हो जिस पर शुल्क की उपयुक्त दर पहले ही दे दी गई हो 65.00 कुछनहीं (खा) भ्रन्य 165.00 कुछ नहीं मद 26कक की उप-भद (iक) के अन्तर्गत धाने 2. वाले सभी उत्पाद (नीचे की क्रम सं० 3 में भाये रेल भार स्लिपर बार से भिन्न)-(क) ऐसे इस्पात सिल्लियों से बने जिस पर शुल्क की उपयुक्त दर पहले ही देदी गई है 65.00 कुछ नहीं (खा) मद 26कक की उप-मद (i) श्रन्तर्गत श्राने वाला ऐसा तैयारवत् इस्पात से, बना जिस पर, यथास्थिति, उपयुक्त उत्पाद-शुल्क या भारतीय टैरिफ ग्रधिनियम, 1934 (1934 का 32) की धारा 2क के श्रधीन श्रतिरिक्त शुल्क पहले ही दिया जा चुका है कुछ नहीं कुछ नहीं

(ग) श्रन्य

1 2 3 4

- रेल और स्लिपर बार—
  - (क) ऐसे तैयारवत् इस्पात या इस्पात सिल्ली कुछ नहीं
     से अना जिस पर समुचित दर पर
     मुल्क पहले ही दे दिया गया है।
    - (ख) भ्रत्व . . . 100.00

यदि केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के कलक्टर के समाधानप्रद रूप यह साबित जाये िक रेल या स्लिपर यथास्थिति रेल मार्ग में वास्त-विक प्रयुक्त किये जाने तथा उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के भध्याय 10 में उपवर्णित प्रक्रिया का पलन किया गया है।

- 4. इस्पात ढलाई---
  - (क) ऐसी इस्पात सिल्ली या तैयारवत् कुछ नहीं कुछ नहीं इस्पात से बना हो जिस पर उपयुक्त वर पर शुल्क पहले ही दे दिया गया है ।
  - (ख) ग्रन्थ . . . 100.00 कुछ नहीं

परन्तु यह कि उपर्युक्त सारणी की कम सं० 1 (ख), 2(ग), 3(ख) और 4(ख) के सामने वर्णित उत्पादनों की बाबत, जो विद्युत्त भट्टी की सहायता से निम्नलिखित सामग्रियों में से किसी एक से विनिर्मित हैं, शर्यात् :—

(i) पुराना लोहा या इस्पात पिघलन रही ;

- (ii) उपर्युक्त (i) में निर्दिष्ट सामग्री के नये धप्रयुक्त इस्पात पिघलन रही के सम्मिश्रण से, जिस पर समुचित उत्पाद-शुरुक पहले ही वे दिया गया है।
- (iii) किसी कच्चे रूप में लोहा जो प्रथम अनुसूची की मद सं० 25 के अन्तर्गत आता है श्रीर जिस पर समृचित उत्पाद-शुक्क दे दिया गया है, के उपर्युक्त (i) श्रीर (ii) में निर्दिष्ट सामग्री के सम्मिश्रण से ।

उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में तत्स्थानी प्रविष्टि में के सामने विनिर्विष्ट शुल्क पचास रूपये प्रति मैट्रिक टन कम कर दिया जाएगा।

[सं॰ 67/73]

G.S.R.131 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts iron or steel products falling under Item No. 26AA of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and specified in column (2) of the Table hereto annexed, from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the duty specified in the corresponding entries in column (3) of the said Table, subject to the conditions laid down in the corresponding entries in column (4) thereof.

THE TABLE

s.No.	Description	Rate of duty	Conditions
1	2	3	4
		Rs. per metric to	Î
r.	All products falling under sub-item (ii) of Item 26AA except uncoated plates, galvanised forms and galvanised plates and sheets, all sorts, including plain and corrugated—		
	(a) cold rolled sheets	325.00 N	1IL
	(b) others	225.00 N	NIL.
2.	Uncoated plates	175-00 P	1IL
3.	Galvanised plates and sheets, all sorts, including plain and corrugated.	425.00 N	ıL
4.	Flats—		
	(a) not exceeding 5 mm. in thickness .	225.00 N	IL
	(b) exceeding 5 mm. but not exceeding 10 mm. in thickness.	175·00	If the Collector of Central Excise is satisfied that such flats are not intended for use in the manufacture of pipes and tubes.

(c) exceeding 10 mm. in thicks	ness .	165.00	NIL
Skelp		325.00	NIL
Strips			
but not exceeding romm. in	i thickness -		NIL
(b) other cold rolled strips .		325.00	NIL
(c) other hot rolled strips .		225.00	NIL
			NIL
	Skelp	Skelp	(a) strips of iron and steel not below 5 mm. 175.00 but not exceeding 10mm. in thickness - and of not less than 600 mm. in

#### Provided that -

- (a) in the case of the products mentioned in the aforesaid Table mer use clured with the aid of electric furnace from any of the following materials, namely:—
  - (i) old iron or steel melting scrap;
  - (ii) a combination of the material referred to at (i) above with fresh unused steel
    melting scrap on which the appropriate duty of excise has been paid; and
  - (iii) iron in any crude form falling under Item No. 25 of the said First Schedule on which the appropriate duty of excise has been paid, in combination with the materials referred to at (i) and (ii) above.

the duty specified against the corresponding entries in column (3) of the said Table shall be reduced by fifty rupees per metric tonne.

(b) Where the products mentioned in the aforesaid Table are made from steelingots or semi-finished steel, as the case may be, on which the appropriate duty of excise has already been paid, the duty specified in the corresponding entries in column (3) the col shall be reduced by an amount equal to the duty of excise already paid on such steel ngots or semi-finished steel used in the manufacture of such products.

[No. 68/73]

साठ काठ नि०131(म्र).—केन्द्रीय उत्पाद-शृक्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त मिक्समों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एनद्वारा लोहा स्रौर इस्पात उत्पाद जो केन्द्रीय उत्पाद-मुक्क स्रौर नमक स्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की ध्रनुसूची की मद सं० 26कक के सन्तर्गत द्याने हैं स्रौर इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिद्धित हैं, उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-मुक्क से जितना उक्त मारणी के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविदिट में विनिद्धित गुक्क से प्रश्निक है, उस के स्तम्भ (4) में की तत्स्थानी प्रविदिट में मिक्कियत मतौं के स्थीन, छुट देनी है।

		_	
सः	₹	π	ĺ

	सारगी		
ऋ०मं०	वर्गस	गुल्क	कीदर शर्ने
1	2	3	4
		(►ःपये प्र	ति मैद्रिक टन)
1.	अलेखिन प्लेट, गैल्बेनाइज्ड रूप श्रौर गैल्बेनाइज्ड प्लेट श्रौर शीट, सभी प्रकार के, सादी श्रौर नानीदार सहित को छोड़ कर, मद 26कक की उन-मद (ii) के श्रन्तग़्त श्राने वाले सभी उत्पाद——		
	(क) कोल्ड रोल्ड गीट	325.00	कुछ नर्हा
	(ख) ग्रन्य	225,00	कुछ नहीं
2.	म्रनेक्ति प्लेट	175.00	कुछ नहीं
3.	गै येनाइन्ड प्लेट स्रौर शीट, सभी प्रकार की, सादा और नातीदार सम्मिलित है .	425,00	कुछ नहीं
4.	प नैट्स		
	(क) मोटाई में 5 मि० मी० से प्रनधिक .	225.00	कुछ नही
	(ख) मोटाई में 5 मि० मी० से प्रधिक		
	किन्तु 10 मि० मी० से ग्रनधिक .	175,00	यदि केन्द्रीय उत्पाद- णुक्त के क्लप्रटर का यह समाधान हो जाये कि ऐसे प्रोप्त का प्रयोग पाद्या ग्रीप ट्यूबीं के विनिर्माण मे

1	2	
	(ग) मांटाई में 10 मि० मी० से ग्रधिक	165.00 कुछनहीं
5.	स्कैरप	325,00 कुछ नहीं
6.	पनी	
	(क) मोटाई में 5 मि० मी० से अन्यून किन्तु 10 मि० मी० से अनिधिक <mark>श्रौर चौड़ाई</mark> कम से कम 600 मि० मी० वाली	
	लोहे ग्रौर इम्पात की पत्तिगां .	175.00 कुछनहीं
	(ख) ग्रन्थ कोल्ड रोल्ड वत्तियां .	325.00 कुछ नहीं
	(ग) श्रन्य हाट रोल्ड पत्तियां	225.00 कुछ नहीं
7.	सीवनहीन पाइर स्रोर ट्रूब	175.00 कुछ नहीं

परन्तु यह कि--

- (क) उपर्वृक्त सारणी में वर्णित उत्पादनों की बाबन, जो विद्युत्त भट्टी की सहायता से, निम्न-लिखित सामग्रियों में से किसी एक से विनिमन हैं, ग्रर्थातु :——
  - (i) पुराना लोहा व इस्तात पिघलन ग्ह्री ;
  - (ii) उपर्यक्त (i) में निर्दिष्ट सामग्री के नये श्रप्रयुक्त इस्पात पिघलन रद्दी के सिम्मश्रण से, जिस पर सम्चिन उत्पाद-शत्क पहले ही दे दिया गया है? श्रीर
  - (iii) िकमी कच्चे रूप में लोहा जो उक्त प्रथम अनुसूची की मद सं० 25 के अन्तर्गत आता है और जिस पर समुचित उत्पाद-शत्क दे दिया गया है, के उपर्यक्त (i) और (ii) में निर्दिष्ट सामग्री के सम्मिश्रण िसे,

जक्त सारणी के स्तम्भ (3) में तत्स्थानी प्रविष्टि के मामने विनिर्दिष्ट शुल्क पचास रुपये प्रति मैट्रिक टन कम कर दिया जाएगा ।

(ख) जहा उपयुक्त सारणी में उत्तिखित उत्पाद ऐसे इस्पात सिल्लियों या तैयारवस् इस्पात, यथास्थिति, से बने हैं, जिस पर समुचित उत्पाद शुल्क पहले ही दे दिया गया है, उस के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट शुल्क पहले से ही दिये गये उत्पाद-शुल्क की राणि के बराबर, ऐसे इस्पात सिल्लियों और तैयारवत् इस्पात जो ऐसे उत्पादन के विनिर्माण में प्रयुक्त होता है, पर कम कर दिया जाएगा।

G.S.R. 132(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule(1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts iron or steel products falling under sub-item (iv) of Item No. 26AA of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and specified in column (2) of the Table hereto annexed, from the whole of the duty of excise leviable thereon subject to the conditions laid down in the corresponding entries in column (3) thereof.

#### THE TABLE

S·No.		Description			Conditions
	I	2			3
1	Iron pipes,	cast or spun	•	• •	. If made from iron in any crude form falling under item No. 25 of the said First Schedule on which the appropriate duty of excise has already been paid.
2	Steel pipes pipes and	and tubes other I tubes.	than	seamless	s If made from plates, sheets, strips, skelp hoops or flats not exceeding 5 mm, in thickness, on which the duty of excise as the appropriate rate has already been paid.

[No. 69/73]

सा०का०नि० 132(घ)—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतदद्वारा लोहा घौर इस्पात उत्पाद जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क घौर नमक ग्रांघिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम ग्रानुसूची की मद सं० 26कक की उप-मद (iV) के ग्रन्तगंत ग्राती हैं शौर इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट हैं, उसके स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टियों में ग्राधिकथित शतौं के ग्राधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से, छूट देती है।

# सारणी

ऋ०सं०	वर्णेन	शर्त
1	2	3
1	लोहे का पा <b>इ</b> प, <b>ढ़</b> ले या बटें	यदि किसी भी ऐसे कच्चे रूप में लोहे से बने हैं जिस पर उन्त भ्रनुसूची की मद सं० 25 के भ्रधीन समुचित उत्पाद-शुरुक पहले ही दे दिया गया है।

1

3

इस्पात पाइप और ट्यूब्स, सीवनहीन पाइप और ट्यूबों से भिन्न यदि प्लेट्स, शीट्स, स्कैल्प, हूप्स या फ्लेट्स, जो मोटाई में 6 मि० मी० से श्रनधिक है, से बने हैं जिन पर उत्पाद-शुल्क समुचित दरु पर पहले ही दे दिया गया है।

[<del>H</del> 69/73]

G.S.R.133(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts forms made from plates or sheets of iron or steel and falling under sub-it m (ii) of Item 26AA of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the amount specified in the corresponding entries in column (3) of the said Table.

### THE TABLE

S·No.	Description	Duty
ı	2	3
	Rupeer	s per metric tonne
ric an	anised forms, the following namely:— ges, ribs, channels, channel pipes, rain water pipes d fittings therefor, if rivetted or otherwise built up plates or sheets—	
(a)	if and from these or shoots on which the same	425.00
	if made from plates or sheets on which the appropriate duty of excise has not been paid.	
(b)	if made from plates of sheets on which the appropriate duty of excise has not been paid.  ifadefrom galvanised plates or sheets on which the appropriate duty of excise has already been paid.	NIL

Provided that the duty specified against S. No. 1(a) of the aforesaid Table shall be reduced by the amount equivalent to the duty of excise or the additional duty under section 2A of the Indian Tariff Act, 1934 (32 of 1934), as the case may be, already paid on plates or sheets (other than galvanised plates or sheets) so used in the manufacture thereof.

मा०का०नि० 133 (श्र) — नेन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदेत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा लोहे या इस्पात के प्लेट्स या शीट्स से बने रुप को ग्रीर जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क ग्रीर नमक ग्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम ग्रनुसूची की मद सं० 26कक की उप-मद (ii) के ग्रन्तर्गत ग्राते हैं भ्रीर इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट वर्णन के हैं, उन पर उद्ग्रहणीय उत्तने उत्पाद शुल्क से जितना उक्त सारणी के स्तम्भ (3) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट राशि से ग्रिधिक है, छूट देती है।

## सारणी

ऋ०सं०	वर्णन	शुल्क
2	2	3

रुपये प्रति मैद्रिक टन

1 गल्बैनाइज्ड रुप निम्नलिखित, ग्रर्थात् :---

रिजज, रिरुज, चैनल्स, चेनल पाइप्स, बरसाती पानी नल भ्रौर उनके फिटिग्ज, यदि रिबेट किये गये हों या भ्रन्यथा, जो प्लेट्स भ्रौर शीट्स के बने हों. —

- (क) यदि ऐसी प्लेट्स या शीट्स के जिन पर समुचित उल्पाद-शुल्क नही दिया स्रया हो,
- 425,00
- (ख) यदि गर नाइज्ड प्लेट्स या गीट्स से बने हों जिन पर समुचित उत्पाद-गुल्क पहले ही दे दिया गया है

कुछ नहीं,

 श्रन्य—यदि प्लेट्स श्रौर शीट्स, भले ही गल्बैनाइज्ड हो या न हो, जिस पर समुचित उत्पाद-शुक्क पहले ही दे दिया गया है, से बने हों।

कुछ नहीं

परन्तु यह कि उपर्युक्त सारणी के क्रम सं० 1(क) के सामने विनिर्विष्ट शुल्क यथा-स्थिति, उत्पाद-शुल्क या भारतीय टैरिफ म्रिधिनियम, 1934 (1934 का 32) की घारा 2क के मधीन प्लेट्स या शीट्स (गल्बैनाइज्ड प्लेट्स या शीट्स से भिन्न) जो उन के विनिर्माण में प्रयुक्त हुई हैं, पर पहले से ही दी गई राशि के बराबर कम कर दी जाएगी।

[村。 70/73]

G.S.R.134(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts tin plate and tinned sheets including tinned taggers and cuttings of such plates, sheets, or taggers falling under Item No. 28 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of five hundred and twenty rupees per metric tonne.

[No. 71/73]

सा०का०नि० 134 (थ्र). — केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शतिक्यों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा टिनप्लेट्स और टिन विलेषित शीट्स जिनमें टिन्ड टैंगर और ऐसी प्लेटों, शीटों या टैंग्रगरों की कतरनें भी सम्मिलित हैं जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 28 के ग्रतगत ग्राती हैं, उन पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से जितना प्रति मैट्रिक टन 520 रुपये से ग्रधिक है, छूट देती है।

[सं॰ 71/73]

G.S.R.135(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby directs that in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), No. 132/68-Central excises dated the 13th June, 1968 for the words "forty-per cent ad valorem", the words "sixty per cent. ad valorem" shall be substituted.

[No. 71A/73]

सा०का०नि०134(भ्र).—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम, (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निवेश देती है कि भारत सरकार के वित्त मेद्वास्य (राजस्य और बीमा विभाग) की ग्रिधिसूचना सं० 132/68—केन्द्रीय उत्पाद- शुल्क, तारीख 14 जून, 1968 में "चालीस प्रतिशत मूल्यानुसार "शब्दों के स्थाग पर "साठ प्रतिशत मुल्यानुसार" शब्द रखे जाएंगे।

[सं० 71क/73]

G.S.R.136(E).—In exercise of the powers conferred by sub-sections (2) and (3) of section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 183 72-Central Excises, dated the 12th August, 1972, namely:—

For the existing second proviso in the said notification, the following proviso shall be substituted, namely:—

- "Provided further that nothing contained in this notification shall apply to the following, namely:—
  - (a) variable speed motors;
  - (b) dual speed or multi-speed motors; and
  - (c) traction motors,

whatever may be their ampereage and voltage or voltage and horsepower and

(d) electric motors designed to work at a pressure not exceeding 50 volts."

[No. 72/73]

सा०कां०नि० 136 (म्र).—केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क भौर नमक म्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1)की धारा 3 की उपधारा (2) भौर (3) द्वारा प्रवत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्बारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व भौर बीमा विभाग) की म्रिधिसूचना सं० 183/ 72—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 12 भ्रगस्त, 1972 में निम्नलिखित संशोधन करती है, मर्थात्.—

उक्त ग्रधिसूचना में वर्तमान द्वितीय परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, ग्रर्थात् :—

> "परन्तु यह भौर कि इस भ्रधिसूचना में की कोई बात निम्नलिखित को लागू नहीं होगी, भ्रथीत:-

- (क) परिवर्ती गति मीटर ;
- (ख) दोहरी गति या बहुगति मीटर; श्रौर
- (ग) ट्रैक्शन मीटर,

जनकी एम्परेज धौर वोल्टता या वोल्टता श्रौर श्रश्व-शक्ति, कुछ भी हो ; श्रौर

(घ) 50 वोल्ट के श्रनधिक दाव पर कार्य करने के लिए निर्मित विज्ञुत मीटर ।"

[**취** 72/73]

G.S.R. 137(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rul (1,01 rule(8)of the central Excise Rules 1944, the Central Government hereby exempts filter elements, inserts and cartridges (hereinafter in this notification referred to as "filters") falling under Item No. 34 A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), up to a value not exceeding rupees one lakh, cleared for home consumption, on or after the first day of April in any financial year by os on behalf of a manufacturer from one or more factories, from the whole of the duty of excise levible thereon:

#### Provided that-

- (i) this exemption shall not apply to any such filters manufactured by a manufacturer, if
  the total value of such filters so cleared by such manufacturer during such financial
  year exceeds rupees two lakhs;
- (ii) where a factory producing the said filters is run at different times of any financial year
  by different manufacturers, the value of the said filters so cleared in any such year at nil
  rate of duty shall not exceed rupees one lakh;
- (iii) in the case of such filters manufactured by a manufacturer the value of which so cleared during such financial year exceeds rupces one lakh but does not exceed rupces two lakhs, this exemption shall apply only to the first clearances thereof upto a value not exceeding rupces one lakh.

#### Provided further that-

- (i) a manufacturer shall be permitted to clear for home consumption during the period, commencing on the 1st March, 1973 and ending with the 31st March, 1973, filters up to a value not exceeding ten thousand rupees—subject to the condition that the value of the said filters cleared for home consumption, by or on behalf of sch manufacturer from one or more factories during the financial year 1972-73 does not exceed rupees two lakhs;
- (ii) if a manufactures other parts of motor Vehicles, namely, brakelinings Rly—clutch-facings, engine valves, gaskets, nozzles and nozzleholders, pistons, piston rings, shock aborbers, thin-walled bearings, tie-rod ends and electric horns falling under Item No. 34A of the aforesaid Schedule, the total value of the clearances of all these aforesaid parts including filters at nil rate of duty shall not exceed rupees one lakh during such finencial year.

(iii) nothing contained in this notification shall apply to manufacturers of the said parts who avail exemption under the notification of the Government of India in the Ministry o Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 101/71-Central Excises, dated the 29th May, 1971 or 153/71-Central Excises, dated the 26th July, 1971.

[No. 73/73]

साठ काठ निठ 137 (श्र).—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त जिन्द्रीं का प्रतिग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक श्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम श्रनुसूची की मद संठ 34क के श्रन्तर्गत श्राने वाले एक लाख रुपये से श्रनधिक के मूल्य के फिल्टर एलिमेन्ट्स, इन्सर्ट्स श्रीर कार्टिरिजेज (जिन्हें इस श्रिधिसूचना में इसके पश्चात् ''फिल्टर " कहा गया है) को जिनकी निकासी एक या श्रिधिक कारखानों से किसी विनिर्माता द्वारा या उसकी श्रोर से किसी वित्तीय वर्ष में श्रुप्रैल के प्रथम दिन को या उसके पश्चात् गृह उपभोग के लिए की गई ह, उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-श्लक से, छूट देती हैं:

# परन्तु यह कि---

- (i) यह छूट विनिर्माता द्वारा विनिर्मित ऐसे फिल्टरों पर लागू नहीं होगी यदि ऐसे वित्तीय वर्ष में उस विनिर्माता द्वारा इस प्रकार निकासी किये गथे ऐसे फिल्टरों का कुल मूल्य दो लाख रूपये से अधिक हो;
- (ii) जहां कि उक्त फिल्टरों का उत्पादन करने वाला कोई कारखाना किसी वित्तीय वर्ष के विभिन्न समयों पर विभिन्न विनिर्माताश्रों द्वारा चलाया जाता हो, वहां ऐसे किसी वित्तीय वर्ष में श्रुल्क की शून्य दर से इस प्रकार निकासी किये गये उक्त फिल्टरों का मूल्य एक लाख रुपये से अधिक न होगा;
- (iii) किसी विनिर्माता द्वारा विनिर्मित ऐसे फिल्टरों की दक्षा में जिनका ऐसे वित्तीय वर्ष के दौरान इस प्रकार निकासी किया गया मूल्य एक लाख रुपये से प्रधिक हो किन्तु दो लाख से ग्रधिक न हो यह छूट एक लाख रुपये में ग्रनधिक के मल्य की उसकी प्रथम निकासियों को ही लागू होगी।

# परन्तु यह ग्रीर भी कि--

(i) विनिर्माता को 1 मार्च, 1973 से प्रारम्भ होने वाली और 31 मार्च 1973 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान गृह उपभोग के लिए दस हजार रुपये से अनिधिक मृत्य के फिल्टरों को इस मार्त के अध्यधीन रहते हुए निकासी करने की अनुजा होगी कि वित्तीय वर्ष 1972-73 के दौरान एक या अधिक कारखानों से ऐसे विनिर्माता द्वारा या उसकी और से गृह उपभोग के लिए निकासी किये गये उक्त फिल्टरों का मूल्य दो लाख रुपये से अधिक न हो ;

- (ii) यदि होई विनिर्माता पूर्वोक्त अनुमूची की मद सं० 34क के अन्तर्गत आने वाले मोटर यान के अन्य पुर्जी अर्थात् सैंक लाइनिंग क्लच फेसिंग, इंजिन बाल्य, गास्केट, नाजल और नाजल होल्डर, पिस्टन, पिस्टन रिंग, शाक अबसोर्बर, थिन वाल्ड वेयरिंग, टाइराड एन्डस, और बिजली के हार्न विनिर्मित करता है तो इन सभी पूरोक्त पुर्जी का जिन के अन्तर्गत फिन्टर भी हैं शुल्क की शून्य दर से निकासी किया गया कुछ मूल्य ऐसे वित्तीय वर्ष के दौरान एक लाख रुपये से अधिक नहीं होगा;
- (iii) इस अधिमूचना की कोई भी बात उक्त पुजों के उन विनिर्माताओं को लागू नहीं होगी जो भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रौर बीमा विभाग) की प्रिधमूचना सं० 101/71—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 मई, 1971 या 153/73—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 26 जुलाई, 1971 के श्रधीन छूट का फायदा उठाते।

[सं० 73/73]

G.S.R.133(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts gramophone records falling under Item No. 37A of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and of the description specified in column (2) of the Table hereto annexed, from so much of the duty of excise leviable thereon as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (3) thereof:

#### THE TABLE

. No.	Description	Duty
I	2	3
Gramophone     long playing	records commonly known as "L. P." or g records.	Ten per cent. ad valorem
2. Other gramor	phone records	. Nil.

[No. 74/73]

मा० का० नि० 138(प्र).—केन्द्रीय उत्पाद- णुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एत्र्द्रारा ग्रामीकीन रिकार्ड्मं जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क श्रोर नमक अधिनियन, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची को मद सं० 37क के अन्तर्गत ग्राते हैं श्रीर इससे उगाबद्ध सारणी के स्तम्म (2) में विनिर्दिष्ट वर्णन के हैं, उन पर उद्यह्णोय उत्तते उत्ताद-गुल्क से जिनता उनके स्तंस (3) में को तत्स्यानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट से श्रीधक है, छुट दे हैती ।

# सारगी

क्रम सं० 	वर्णन 	<b>गु</b> ल्क
1	2	3
1.	सामान्यतः "एल०पी०" या "लींग प्लेइग रिकार्ड्स के नाम से जानने वाले ग्रामोफोन रिकार्ड्स	10 प्रति शत मृत्या- नुसार
2.	भन्य ग्रामोफोन रिकार्ड्स	<b>क्</b> छ नहीं

[#o 74/73]

G.S.R. 139(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts wire ropes falling under Item No. 63 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) from the whole of the duty of excise leviable thereon, if such wire ropes are intented to be used in the further manufacture of wire ropes falling under the aforesaid item on which the whole of the duty of excise is liveble:

Provided that where such use is elsewhere than in the factory of production, the exemption contained in this notification shall be allowable only if the procedure laid down in rule 56A of the said Rules is followed.

[No. 75/73]

साठ काठ निठ 13 अ (१४) .-- केन्द्रीय उत्पाद-शुहक नियम, 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा तार के रस्ते जो केन्द्रीय उत्पाद-शुरक और नमक ग्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम ग्रनुकृषी की मद संठ 63 के ग्रन्तर्गत ग्राते हैं, उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुरक से छूट देती है यदि ऐसे तार रस्सों का उपर्युक्त मद के ग्रन्तर्गत ग्राने वाले तार रस्सों का फिर से उत्पादन में प्रयुक्त किया जाना ग्राशियत है, जिन पर समस्त उत्पाद-शुहक उद्ग्रहणीय है:

परन्तु अहां ऐसा उपयोग उत्पादन के कारखाने में से श्रन्यक्ष किया जाता है वहां इस ग्रधि-सूचना मैं की छूट केवल तभी ग्रनुज्ञेय होगी जब उक्त नियमों के नियम 56क में ग्रधिकथित प्रक्रिया का ग्रनुसरण किया गया हो।

[सं० 75/73]

G.S.R. 140(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Coverrment hereby exempts earlier black falling under Item No. 64 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), up to a value not exceeding rupees one lakh, cleared for home consumption on or after the 1st day of April in any financial year by or on behalf of a manufacturer from one for more factories, from the whole of the duty of excise leviable thereon:

#### Provided that -

(i) this exemption shall not apply to any such carbon black manufactured by a manufacturer if the total value of 'sucharten black so cleared by such manufacturer during such financial year exceeds rupees two lakhs;

(ii) where carbon black is produced in any factory and such factory is run at different times in any financial year by different manufacturers, the value of such carbon black so cleared from such factory in any such year at nil rate of duty shall not exceed rupees one lakh;

(iii) in the case of such carbon black manufactured by a manufacturer the value of which so cleared during such imancial year exceeds rupees one lakh but does not exceed rupees two lakhs, this exemption shall apply only to the first clearences thereof upto a value not exceeding rupees one lakh:

Provided further that a manufacturer shall be permitted to clear for home consumption during the period commencing on the 1st March, 1973 and ending on the 31st March, 1973, such carbon black upto a value not exceeding ten thousand rupees subject to the condition that the value of such carbon black cleared for home consumption by or on behalf of such manufacturer from one or more factories during that period does not exceed twenty thousand rupees.

[No. 76/73]

साठ काठ निठ 140(श्र):—केन्द्रीय उत्पाद-शुक्क नियम 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) हारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्ह्रारा केन्द्रीय उत्पाद-शुक्क श्रौर नमक श्रिधिनियम 1944 (1944 का 1) की प्रथम श्रृत्तमूची की मद संठ 64 के श्रन्तगंत श्राने वाले एक लाख कपये ने अनिधक मूल्य के कार्बन ब्लैक को जिनकी भारत निकासी एक या अधिक कारखाने से किसी विनिर्भाता द्वारा या उसकी श्रोर से किसी विनिध वर्ष में श्रप्रैल के प्रथम दिन को या उसके पश्चात् गृह उनभोग के लिए की गई हो उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुक्क से छूट देती है:

# परन्तु यह कि ---

- (i) यह छूट किसी विनिर्माता द्वारा विनिर्मित ऐसे किन्हीं कार्बन ब्लैक को लागू नहीं होगी यदि ऐसे वित्तीय वर्ष में उस विनिर्माता द्वारा इस प्रकार निकासी किये गए ऐसे कार्बन ब्लैक का कुल मूल्य दो लाख रुपये से श्रिधिक हो ;
- (ii) जहां कार्बन ब्लैंक का उत्पादन करने वाला कोई कारखाना किसी वित्तीय वर्ष के विभिन्न समयों पर विभिन्न विनिर्माताश्रों द्वारा चलाया जाता हो वहां ऐसे कारखाने से श्रौर ऐसे किसी वर्ष में शुल्क की शून्य दर में इस प्रकार निकासी किए गए ऐसे कार्बन ब्लैंक का मूल्य एक लाख रुपये से श्रीधक न होगा ;
- (iii) किसी विनिर्माता द्वारा विनिर्मित ऐसे कार्बन ब्लैक की दणा में न जिनका ऐसे वित्तीय वर्ष के दौरान इस प्रकार निकासी किया गया मूल्य एक लाख रुपये से ग्रिधिक हो किन्तु दो लाख रुपए मे ग्रिधिक न हो यह छूट एक लाख रुपए से श्रनिधिक के मुल्य की उसकी प्रथम निकासियों को ही लागु होगी:

परन्तु यह ग्रौर भी कि विनिर्माता को 1 मार्च, 1973 से प्रारम्भ होने वाली ग्रौर 31 मार्च, 1973 को समाप्त होने वालो श्रवधि के दौरान गृह उपभोग के लिए दस हजार रुपये से ग्रनधिक मूल्य के कार्बन ब्लैक को इस शर्त के ग्रध्यधीन रहते हुए कि निकासी करने की ग्रनुज्ञा होगी कि उस प्रविध के दौरान एक या अधिक कारखानों से ऐसे विनिर्माता द्वारा या उसकी अभेर से गृह उपभोग के लिए निकासी किए गए कार्बन ब्लैक का मूल्य बीस हजार रुपये से प्रधिक न हो ।

सं० 76/73]

G.S.R. 141(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts inorganic accelerators falling under Item No. 65 of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), from the whole of the duty of excise leviable thereon.

Explanation.—For the purpose of this notification the term "inorganic accelerators" shall mean accelerators which are inorganic compounds, such as Zinc Oxide, Magnesium Oxide and litharge.

[77/73.]

साठ काठ निठ 141(म्र) -- केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा इनश्रागेंनिक एक्सलरेटर्स जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक श्रिधिनियम 1944 (1944का 1) की प्रथम श्रनुसूची की मद संठ 65 के श्रन्तगत श्राते है उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है।

स्पष्टीकरण :—इस ग्रिधिसूचना के प्रयोजनार्थ " इनग्रागेंनिक एक्सलरेटर्स " शब्द से जिन्क ग्राक्साइड मग्नेसियम श्राक्साइड ग्रौर लिथेरेज जैसे इन श्रागेंनिक कम्पाउण्ड वाले एक्सलरेटर्स ग्रिभित हैं।

[सं ० 77/73]

G.S.R. 142(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby exempts accelerators and antioxidants falling under Item No. 65 of the First Schedule to the Central excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) and consumed within the factory in which they are produced, for further manufacture of any other kind or variety of accelerators or antioxidants, as the case may be, and falling under the said Item of the said Schedule, from the whole of the duty of excise leviable thereon:

Provided that where such consumption is elsewhere than in the factory of production, the exemption contained in this notification shall be allowable only if the procedure laid down in rule 56A of the said rules is followed.

[No. 78/73]

सा०का०िन० 142 (अ).—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा एक्सलेरेटर्स और एन्टी-आक्सीडेन्ट्स, जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 65 के अन्तर्गत आते हैं और जिन का उपभोग उनके उत्पादन वाले कारखाने के भीतर ही, यथास्थित, किसी अन्य प्रकार के एक्सलेरेटर्स और एन्टीआक्सीडेन्ट्स के विनिर्माण

में किया जाता है और जो उक्त श्रनुसूची की उक्त मद के श्रन्तर्गत श्राते हैं, उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद-शुल्क से छूट देती है

परन्तु जहां ऐसा उपभोग उत्पादन के कारखाने में से म्रन्यत्न किया जाता है, वहां इस म्रधिसूचना में दीं गई छूट तभी म्रनुजेय होगी जब उक्त नियमों के नियम 56क में म्रधिकथित प्रक्रिया को म्रनुसरण किया गया हो ।

[सं॰ 78/73]

G.S.R. 143(E).—In exercise of the powers conferred by rule 12 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 197/62-Central Excises, dated the 17th November, 1962, namely :—

In the Table annexed to the said notification,-

- (1) in column (2), against serial No. 1,-
  - (i) for the entry "Caustic Soda, whether in a solid form or in lye", the following entry shall be substituted, namely:—
    - " Caustic Soda and Caustic Potash, whether in a solid form or in lye".
  - (ii) for the entry "Cosmetics and Toilet preparations not containing any Alcohol or opium, Indian Hemp or Other Narcotic drugs or Narcotics, namely, preparations for the care of the skin and preparations for the care of the hair", the following entry shall be substituted, namely:—
    - "Cosmetics and Toilet preparations falling under Item No. 14F of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944)".
  - (iii) the following entries shall be added at the end, namely :---
    - "Tool tips in any form or size, unmounted, of sintered carbides of metals.

Wire ropes of iron or steel.

Carbon black (including lamp black and acetylene black).

Rubber processing chemicals falling under Item No. 65 of the First Schedule to the Ceniral Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944)".

(2) in column (2), against Serial No. 3, for the word "cigarettes", the words "cigarettes and smoking mixtures for pipes and cigarettes" shall be substituted.

[No. 79 73]

सा०का०नि० 143 (श्र).—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 12 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के वित्त मंद्रालय (राजस्व विभाग) की श्रिधिसूचना सं० 197/62—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख़ 17 नवम्बर, 1962 में और श्रागे निम्नलिखित संशोधन करती है, श्रथित् :—

उक्त ग्रधिसूचना से उपाबद्ध सराणी में,---

- (1) स्तम्भ (2) में, कम सं० 1 के सामने,--
- (i) "कोस्टिक सोडा, भले ही ठोम रूप में हो या लाई में" श्रविष्टि के स्थान पर निम्न-लिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, श्रर्थात् :—

"कोस्टिक सोडा स्रीर कौस्टिक पोटाण, भले ही ठोस रूप में या लाई में"

- (ii) "श्रंगार और प्रसाधन निर्मितियां जिन में कोई श्रनकोहल या अफीम, भाग या श्रन्य संवेदमंदक औषधियां या संवेदनमंदक न हों, श्रर्थात् त्वचा की संभाल के लिए निर्मितियां और केश की संभाल के लिए निर्मितियां" प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात :----
- "श्रंगार ग्रौर प्रसाधन निर्मितियां जो केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क ग्रौर नमक ग्रिधिनियम 1944 (1944 का 1) की प्रथम ग्रनुसूची की मद सं० 14च के ग्रन्सर्गत श्राती है"।
  - (iii) निम्नलिखित प्रविष्टियां भ्रन्त में जोड़ी जाएंगी, भ्रथीत् :---
  - "बिना मढ़े श्रौजार सिरा, किसी भी रूप में या श्राकार में जो सिन्टर्ड कार्बाइड धातु के हों।

लोहा या इस्पात के तार रस्से।

कार्बन ब्लैक (जिसमें लैम्प ब्लैक भ्रौर एसिटिलीन ब्लैक सम्मिलित है)

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक श्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1)की प्रथम श्रनुसूची की मद सं० 65 के श्रन्तर्गत श्राने वाले रबड प्रसंस्करण रसायन "

(2) स्तम्भ (2) में क्रम सं० 3 के सामने 'सिगरेट्स" शब्द के स्थान पर "सिगरेट्स श्रौर श्रौर पाइप तथा सिगरेट्स के लिए ध्रम्प्रपान मिश्रण" शब्द रखे जाएंगे।

[सं० 79/73]

G.S.R. 144(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 56A of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 223/62-Central Excises, dated the 29th December, 1962, namely:—

In the said notification, after Item No. 37, the following items shall be inserted, namely :-

- "38. Wire ropes of iron or steel.
  - 39. Rubber processing chemicals, namely (i) accelerators and (ii) antioxidants ".

[No. 80/73]

सा०का०नि० 144(प्र).—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 56क के उपनियम (1) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के वित्त

मंत्रालय (राजस्य विभाग) की श्रधिसूचना सं० 223/62—केन्द्रीय उत्पादशुल्क, तारीख 29 दिस-स्वर, 1962, में श्रीर श्रागे निम्नलिखित संशोधन करती है, श्रर्थात् :---

उक्त श्रधिसूचना में, मद सं० 37 के पश्चात् निम्नलिखित मद श्रन्तः स्थापित की जाएगी, श्रर्थात् :---

- "38. लोहाया इस्पात के तार रस्से ।
- 39. रबड़ प्रसंस्करण रसायन, भ्रर्थात्, (i) एक्सलेरेटर्स भौर (ii) एन्टीभ्राख्सीडेंन्ट्स।"

[Fi o 80/73]

G.S.R.145(B).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-clause 5 of clause 28 of the Finance Bill, 1973, which clause has by virtue of the declaration under the Provisional Collection of Taxes 11de Act, 1931 (16 of 1931) the force of law, the Central Government hereby exempts all the items falling in the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter called the Central Excises Act), other than those specified in column (2) of the Table hereto annexed and of the description mentioned in column (3) thereof, from the whole of the auxiliary duty of excise leviable hereon under sub-clause 1 of clause 28 of the Finance Bill, 1973.

#### THE TABLE

SI. No.	Item No. of the First to the Central Act.	Schedule Excises	Description	
I	2	<del></del>	3	
	18D		· Jute twist, yarn, thread, rope and twine, all sorts.	
2	22A( 2)		<ul> <li>Jute manufactures (including manufactures of Bimlipatam jute or of mesta fibre), all sorts, other than hessions.</li> </ul>	
3	26 ·	•	· Steel ingots including steel melting scrap.	
4	26A		Copper and copper alloys containing not less than fifty per cent., by weight of copper.	
5	26AA		Iron or steel products.	
6	26B	•	· Zinc.	
7	27		· Aluminium	
8	28		Tin plate and tinned sheets including tin taggers, and cuttings of such plates, sheets or taggers.	

सा०का०नि०145(अ).—वित्त विधेयक भ्रारंज, 1973 के खण्ड 28 के उपखण्ड 5, जो खण्ड करों का भ्रत्सिम संग्रहण श्रिधिनयम, 1931 (1931 का 16) के भ्रधीन की गई घोषणा के भ्राधार पर विधि का बल रखता है, के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क भ्रीर नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) (जिसे इसके पश्चात् केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क श्रीधिनयम कहा गया है) की प्रथम अनुसूची में के भ्रनार्गत श्राने वाले सभी मदों, इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (2) में विनिधिष्ट और उस के स्तम्भ (3) में उल्लिखित वर्णन वाली को छोड़-कर, वित्त विधेयक 1973 के खण्ड 28 के उपप्राण्य खण्ड (1) के भ्रधीन उन पर उद्ग्रहणीय समस्त सहायिकी उत्पाद-शुल्क से छूट देती है।

सारणी

क्रम सं०	केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क ग्रिधि- नियम की प्रथम ग्रनुसूची की मद सं०	यर्ण <b>न</b>
1	2	3
1 2	1 8घ 2 2क (2)	जूट ट्विस्ट, धागा, सूत, रस्से ग्रौर ट्वाइन, सभी प्रकार के जूट विनिर्मितियां (जिनके श्रन्तर्गत बीमलीपट्टम जूट या मेस्ता फाइवर भी है) सभी प्रकार की, हैसियन से भिन्न।
3	26	इस्पात सिल्लियां जिनके श्रन्तर्गत गलाई जा सकने वाली इस्पात की रद्दी भी है
4	26年	तांबा स्रौर तांबे के धातु–िमश्रण जिनमें तांबा, भार से, पचास प्रतिशत मे कम न हो ।
5	2 6कक	लोहा भ्रौर इस्पात उत्पाद
6	2 6জ্ঞ	जस्ता ।
7	27	<sup>एल्यु</sup> मिनियम ।
8	28	टिन प्लेटें श्रौर टिन-विलेपित ग्राप्जिशीटें, जिनके अन्तर्गत टिनटैंगर, श्रौर ऐसी प्लेटों, शीटों या टैंगरों की करतनें भी हैं।

G.S.R.146(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-clause 5 of clause 28 of the Finance Bill, 1973, which clause has, by virtue of a declaration made under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law and the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) No. 81/73-Central Excises, dated the 1st March, 1973, the Central Government hereby exempts the excisable goods specified in column (3) of the Table hereto annexed and falling under the Items, specified in column (2) of the said Table, of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), (hereinafter called the Central Excises Act), from so much of the auxiliary duty of excise leviable thereon under sub-clause 1 of clause 28 aforesaid, as is in excess of the duty specified in the corresponding entry in column (4) of the said Table.

#### THE TARLE

S1. No.	Item No. in the First Schedule to the Central Excises Act	Description	Duty as percentage of duty leviable under the Central excises Act, read with any notification for the time being in force issued under the said Act or the rules made there under.
1	2	3	4
	18D	Jute twist, yarn, thread, rope and twine, all sorts	Fifty
2	22A (2)	Jute manufactures (including manufactures o Bimlipatam jute or of mesta fibre), all sorts other than hessians.	f Fifty
3	26	Steel ingots including steel melting scrap	Seventy-five
4	26A	Copper and copper alloys containing not less than fifty percent by weight of copper.	Seventy-five
5	26AA	Iron or steel products [other than skelp falling under sub-item (iii) of Item No. 26AA].	Seventy-five
6	26AA( <i>iii</i> )	Skelp · · · ·	Fifty
7	26B	Zinc · · · · ·	Seventy-five
8	27	Aluminium · · · · · ·	Thirty-three and onethird.
9	28	Tin plate and tinned sheets including tin taggers and cuttings of such plates, sheets or tagge	Fifty ers.

Provided that where in respect of such goods manufactured (hereinafter called "finished products") out of other excisable goods (hereinafter called "inter mediate products") on which the regulatory duty of excise leviable under sub-section (1) of section 65 of the Finance Act, 1972 (16 of 1972) has already been paid, the duty calculated at the percentages specified in column (4) of the said Table in respect of such finished products shall be further reduced by an amount as is equivalent to the regulatory duty of excise already paid on the intermediate products.

Provided further that the duty calculated at the percentages specified in column (4)of the said Table read with the first proviso shall not in any case exceed 20 per cent of the value of such goods as determined in accordance with the provisions of section 4 of the Central Excises Act.

साठ काठ नि० 146 (श्र).—िवत्त विधेयक 1973 के खण्ड 28 के उपखण्ड (5) जो खण्ड, करों के अनंतिम संग्रहण अधिनियम, 1931 (1931 का 16) के अधीन की गई घोषणा के आधार पर विधि का बल रखता है भारत सरकार के वित्त मंत्रालय ( राजस्व और बीमा विभाग) की अधिसूचना सं० 81/73—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1973 के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतव्द्वारा इससे उपाबद्ध सारणी के स्तम्भ (3) में विनिर्दिष्ट उत्पाद-शुल्क योग्य माल को जो उका सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) (जिससे इसके पश्चात् केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम कहा गया है ) की प्रथम अनुसूची की मद के अन्तगंत आते हैं उन पर उद्ग्रहणीय उपर्युक्त खण्ड 28 के उपखण्ड (1) के अधीन उद्ग्रहणीय उतने सहायिकी उत्पाद-शुल्क से जितना उक्त सारणी के स्तम्भ (4) में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट शुल्क से अधिक है, छूट देती है।

# स₁रसी

क ० सं ० केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क श्रिधिनियम की वर्णन प्रथम ग्रनुसूची की मद सं०

तत्समय प्रधृत्त किसी ग्रधिसूचना,
जो उक्त श्रधिनियम के ग्रधीन
जारी की गई हो या उसके श्रधीन
बनाये गये नियमों के साथ पठित
केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क ग्रधिनियम
के ग्रधीन उद्ग्रहणीय णुल्क की
प्रतिशत के रूप में गुल्क

1 2 3 4

 18(घ) जूट ट्वस्ट धागा , सूत रस्से श्रीर ट्वाइन सभी प्रकार के,

पचास

2. 22क(2) जूट विनिर्मितियां (जिनके श्रन्तर्गत क्षीमली-पट्टम जूट या मेस्ता फाइवर भी हैं), सभी प्रकार की, हैसियन से भिक्ष

पचास

1	2	3	4
3.	26	इस्पात की मिल्लियां जिनके श्रन्तर्गत गलाई जा सकने वाली इस्पात की रद्दी भी है	<b>पचह</b> त्तर
4.	2 6का	तांबा भ्रौर तांबे के धातु-मिश्रण जिन में तांबा , भार से , पचास प्रतिशत से कम न हो	पचहत्तर
5	26 क क	लोहा ग्रौर इस्पात के उत्पाद (मद संo 26कक की उप मद (iii) के ग्रधीन स्कैल्प में भिन्न )	पंचहत्तर
6.	2 6कक ( ।।। )	स्कैल्प	पचास
7.	2 6ব্ৰ	जस्ता	पचहत्तर
8.	27	एल्युमिनियम	तैतीस और एक-तिहाई
9.	28	टिन प्लेटें ग्रौंर टिन -बिलेपित शीटें जिनके श्रन्तगत टिन-टैगर, ग्रौर ऐसी प्लेटों, शीटों या टैगरों की कतरनें भी हैं	पचास

परन्तु यह कि ऐसे अन्य उत्पाद-शुल्क योग्य माल (इसके पश्चात "मध्यम उत्पाद" कहा गया है) से उत्पादित माल (जिमे "तैयार माल "कहा गया है) के सम्बन्ध में विक्त अधिनियम 1972 (1972 का 16) की धारा 65 की उपधारा (1) के अधीन उद्ग्रहणीय विनियामक उत्पाद-शुल्क पहले ही दिया जा चुका है, उक्त सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट प्रतिशत पर परिकलित शुल्क, ऐसे तैयार माल की बाबत मध्यम उत्पाद पर पहले से ही दी गई विनियामक शुल्क की राशि के बराबर और कम कर दिया जाएगा।

परन्तु यह और कि प्रथम परन्तुक के साथ पठित उक्त सारणी के स्तम्भ (4) में विनिर्दिष्ट प्रतिशत पर परिकलित शुल्क किसी भी स्थिति में केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 4 के उपबन्धों के ग्रनुसार ऐसे माल की यथा प्रविधारित मूल्य के 20 प्रतिशत में प्रधिक नहीं होगा।

[सं॰ 82/73]

G.S.R. 147(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (i) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-clause 5 of clause 28 of the Finance Bill, 1973, which clause has, by virtue of a declaration made under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, the Central Government hereby exempts exclashe goods specified in the Table annexed to the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), No. 81/73 Central Excises, dated the 1st March, 1973 and is respect of which goods a notification under sub-rule (i) of rule 8 of the aforcsaid rules has been issued by the Central Government exempting them from so much of the duty of excise leviable thereon as is equivalent to the amount of duty of excise already paid on other excisable goods (hereinafter referred to as "the intermediate products") used in their manufacture and which are specified in the respective notifications, from so much of the auxiliary duty of excise leviable thereon as is equivalent to the auxiliary duty of excise already paid on the intermediate products specified in the respective notifications.

[No. 83/73]

सा० का० नि० 147 (ग्र).— जिस्त विधेयक, 1973 के खण्ड 28 के उपखण्ड 5 के, जो खण्ड करों का ग्रनन्तिम संग्रहण ग्रिधिनियम 1931 (1931 का 16) के ग्रिधीन की गई घोषणा के ग्राधार पर विधि का बल रखता है, के साथ पित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उप नियम (1) द्वारा प्रदत्त गक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रीर बीमा विभाग) की ग्रिधिसूचना सं० 81/83—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीखा 1 मार्च, 1973 से उपाबद्ध सारणी में विनिर्दिष्ट ग्रीर उत्पाद-शुल्क योग्य माल को, जिस की बाबत पूर्वोक्त नियमों के नियम 8 के उपनियम (1) के ग्रिधीन एक ग्रिधिसूचना, उस माल को उस पर उद्ग्रहणीय उतने उत्पाद-शुल्क से, जितना उस माल के विनिर्माण में प्रयोग में लाए गए ग्रीर सम्बद्ध ग्रिधिसूचना में विनिर्दिष्ट ग्रन्य उत्पाद-शुल्क योग्य माल पर (जिसे इस में इसके पश्चात् "मध्यम माल" कहा गया है, ) दिये जा चुके उत्पाद-शुल्क की रकम के बराबर है, छूट देते हुए केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई है, उस पर उद्ग्रहणीय उतने सहायिकी उत्पाद-शुल्क से छूट देती है जितना सम्बद्ध ग्रिधसूचना में विनिर्दिष्ट मध्यम माल पर दिये जा चुके सहायिकी उत्पाद-शुल्क के बराबर है।

[सं 83/73]

G.S.R. 148(E).—In exercise of the powers conferred by rules 12, 12A and 191A of the Central Bacise Rules, 1944 read with clause 28 of the Finance Bill, 1973, which clause has, by virtue of a declaration made under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, the Central Government hereby directs that where any goods have been subjected to an auxiliary duty of excise under the aforesaid clause and where on the export of such goods to any country or territory outside India other than Nepal, Bhutan and Sikkim, the Central Government, by a notification under the said rules 12 and 12A or the Central Board of Excise and Customs, by a declaration under the said rule 191A, as the case may be, has permitted the rebate of excise duty paid on such goods under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), a rebate of the auxiliary duty of excise shall also be made subject to the same conditions as govern the rebate of excise duty.

[No. 84/73]

सांग्रहण प्रधिनियम 1931 (1931 का 16) के प्रधीन की गई घोषणा के प्राधार पर विधि को बल रखता है, के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम 1944 के नियम 12 12क घौर 191 क द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा निदेश देती है कि जहां किसी माल पर

उपर्यंक्त खण्ड के ग्रधीन सहायिकी उत्पाद-शुल्क लगाया जा चुका हो ग्रौर जहा भारत से बाहर किसी देश या राज्यक्षेत्र को, नैपाल, भूटान श्रौर सिक्किम से भिन्न, ऐसे माल के निर्यात पर, यथा-स्थिति, उक्त नियम 12 श्रौर 12क के ग्रधीन श्रिधमूचना द्वारा केन्द्रीय मरकार या उक्त नियम 101, क के ग्रधीन घोषणा द्वारा केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क श्रौर सीमा-शुल्क बोर्ड ने केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क श्रिधिनियम श्रौर नमक ग्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) के ग्रधीन ऐसे माल पर संदत्त उत्पाद-शुल्क की रिबेट की श्रनुज्ञा दी हो, वहा महायिकी उत्पाद-शुल्क मे रिबेट भी उन्हीं शर्तों के श्रधीन होगी जो उत्पाद-शुल्क की रिबेट को लागू होती है।

[म॰ 84/73]

G.S.R. 149(E).—In exercise of the powers conferred by rule 191-B of the Central Excise Rules 1944, read with clause 28 of the Finance Bill, 1973, which clause has, by virtue of a declaration made under the Provisional Collection of Taxes Act, 1931 (16 of 1931), the force of law, the Central Government hereby directs that where any goods are liable to auxiliary duty of excise under the aforesaid clause and where the Central Government has, by a notification issued under the said rule 191-B, permited the manufacture of specified articles in hand from specified excisable goods, manufacture of such articles in bond from such excisable goods shall also be permissible for the purposes of the aforesaid clause subject to the same conditions as govern such manufacture under the aforesaid rule 191-B.

[No. 85/73]

सा० का० नि० 149(ध्र) — वित्त विधेयक, 1973 के खण्ड 28 जो खण्ड करो का ध्रनन्तिम संग्रहण प्रिधिनयम, 1931 (1931 का 16) के प्रधीन की गई घोषणा के प्राधार पर विधि का बल रखता है, के साथ पिटन केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 191—ख द्वारा प्रदत्त गिक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एनद्द्वारा निदेश देती है कि जहां किसी माल पर उपर्युक्त खण्ड के ध्रधीन साहायिकी उत्पाद-शुल्क लगाया गया हो भ्रौर जहां केन्द्रीय सरकार ने उक्त नियम 101—ख के प्रधीन जारी की गई किसी ध्रधिसूचना द्वारा, विनिर्दिष्ट उत्पाद-शुल्क योग्य माल में बन्धपद्याधीन वस्तुओं के विनिर्माण की भ्रनुज्ञा दी हो, वहां ऐसे उत्पाद-शुल्क योग्य माल का उत्पादन उपर्युक्त खण्ड के प्रयोजन के लिए भी उपर्युक्त नियम 101—ख के ग्रधीन ऐसे उत्पादन को लागू भर्तों के ग्रधीन, ग्रनुज्ञेय होगा।

[Ho 85/73]

- G.S.R. 150(E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (i) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (4) of section 65 of the Finance Act, 1972 (16 of 1972) the Central Government hereby rescands the following notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), namely:—
  - 1. No. 144/72-Central Excises, dated the 28th May, 1972.
  - 2. No. 145/72 Central Excises, dated the 28th May, 1972.
  - 3. No. 146/72-Central Excises, dated the 28th May, 1972.
  - 4. No. 147/72-Central Excises dated the 28th May, 1972.

[No. 86/73]

मा० का० नि० 150 (अ). — वित्त श्रधिनियम 1972 (1972 का 16) की धारा 65 की उपधारा (4) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-णूल्क नियम 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और वीमा विभाग) की निम्नलिखित श्रधिमूचनाओं को विखंडित करती है, श्रथीत् :—

- संठ 144, 72—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 28 मई, 1972 ।
- 2. सं 145, 72 -- केन्द्रीय उत्पादशुल्क, तारीख 28 मई, 1972 ।
- 3. संo 146, 72---केन्द्रीय उत्पादमुल्क, तारीख 28 मई, 1972।
- 4. संo 147, 72--केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 28 मई, 1972।

[सं॰ 86/73]

G.S.R. 151 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby rescinds the following notifications of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue, Department of Revenue and Company Law, or, as the case may be, Department of Revenue and Insurance, namely:—

- 1. No. 14/57-Central Excises, dated the 23rd February, 1957.
- 2. No. 61/57-Central Excises, dated the 27th May, 1957.
- 3. No. 79/59-Central Excises, dated the 26th September, 1959.
- 4. No. 18/61-Central Excises, dated the 1st March, 1961.
- 5. No. 145/61-Central Excises, dated the Ist July, 1961.
- 6. No. 26/62-Central Excises, dated the 24th April, 1962.
- 7. No. 155/63-Central Excises, dated the 21st September, 1963.
- 8. No. 40/64-Central Excises, dated the 1st March, 1964.
- 9. No. 43/64-Central Excises, dated the 1st March, 1964.
- 10. No. 46/65-Central Excises, dated the 28th February, 1965.
- 11. No. 86/65-Central Excises, dated the 1st June, 1965.
- 12. No. 133/65-Central Excises, dated the 20th August, 1965.
- 13. No. 163/65-Central Excises, dated the 1st October, 1965.
- 14. No. 176/65-Central Excises, dated the 6th November, 1965.
- 15. No. 194/65-Central Excises, dated the 8th December, 1965.
- 16. No. 202/65-Central Excises, dated the 27th December, 1965.
- 17. No. 43/66-Central Excises, dated the 24th March, 1966.
- 18. No. 136/67-Central Excises, dated the 3rd July, 1967.
- 19. No. 244/67-Central Excises, dated the 4th November, 1967.
- 20. No. 72/69-Central Excises, dated the 1st March, 1969.
- 21. No. 73/69-Central Excises, dated the 1st March, 1969.
- 22. No. 129/69-Central Excises, dated the 29th April, 1969.
- 23. No. 165/70-Central Excises, dated the 5th September, 1970.
- 24. No. 143/71-Central Excises, dated the 26th July, 1971.
- 25. No. 15/72-Central Excises, dated the 24th January, 1972.
- 26. No. 33/72-Central Excises, dated the 17th March, 1972.
- 27. No. 43/72-Central Excises, dated the 17th March, 1972.
- 28. No. 48/72-Central Excises, dated the 17th March, 1972.
- 29. No. 51/72-Central Excises, dated the 17th March, 1972.
- 30. No. 66/72-Central Excises, dated the 17th March, 1972.
- 31. No. 71/72-Central Excises, dated the 17th March, 1972.
- 32. No. 72/72-Central Excises, dated the 17th March, 1972.

- 33. No. 81/72-Central Excises, dated the 17th March, 1972.
- 34. No. 180/72-Central Excises, dated the 29th July, 1972.
- 35. No. 207/72-Central Excises, dated the 6th October, 1972.

[No. 87/73]

सा०का०नि० 151(म्र).—केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त मिक्सियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय में, यथास्थिति, राजस्व विभाग, राजस्व भ्रौर कंपनी विधि विभाग, या राजस्व भ्रौर बीमा विभाग की निम्नलिखित भ्रधिसूचनाभ्रों को विखंडित करती है, भ्रथीत् :—

- संo 14 /57—केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क, तारीख 23 फरवरी, 1967 ।
- 2. सं 61 / 57---केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 27 जुलाई, 1957।
- 3. सं० 79 /59—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 26 सितम्बर, 1959।
- सं० 18 / 61---केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1961।
- सं 0 1 4 5 / 61 केन्द्रीय 'उत्पाद गुलक, तारीख 1 जुलाई, 1961 ।
- 6. संo 26/62--केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 24 भ्रप्रैल, 1962।
- 8. सं० 40 /64--केन्द्रीय उत्पाद-गुल्कः तारीखः 1 मार्चः 1964 ।
- सं० 43 /64—केन्द्रीय उत्पाद—शुल्कः तारीख 1 मार्चः 1964 ।
- 10. संo 46 /65--केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क. तारीख 28 फरवरी, 1965।
- सं० 86 / 65---केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 1 जून, 1965 ।
- 13. सं ०163/65—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क तारीख 1 अक्तूबर, 1965।
- 14. सं0 176/65—-के द्वीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 6 नवम्बर, 1965 ।
- 15. सं0 194/65—केन्द्रीय उत्पाद—शुल्क, तारीख 8 दिसम्बर, 1965।
- 16. मं० 202/65—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 27 दिसम्बर, 1965 ।
- 17. सं 53 / 66--केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 24 जुलाई, 1966।
- 18. संo 136/67—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 3 जुलाई, 1967
- 19. संठ 244/67---केन्द्रीय उत्पाद-शुल्कः तारीखः 4 नवम्बरः 1967 ।
- 20. सं० 72 /69—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्कः तारीखः 1 मार्चः 1969 ।
- 21. सं० 73 / 69--केन्द्रीय उत्पाद-शुल्कः तारीख 1 मार्चः 1969 ।
- 22. संव 129/69--केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क, तारीख 29 श्रप्रैल, 1969।
- 23. सं० 165/70--केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क, तारीख 5 सितम्बर, 1970।
- 24. सं व 143/71---केन्द्रीय उत्पाद-णुल्कः तारीखः 26 जूलाईः 1971 ।
- 25. संo 15 / 72—केन्द्रीय उत्पाद–शुल्क, तारीख 24 जनवरी, 1972 ।
- 26. संठ 33 /72—केन्द्रीय उत्पाद--शृल्क तारीख 17 मार्चः 1972 ।

- 27. सं० 43 /72--केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 17 मार्च, 1972।
- 28. सं० 48 /72—केन्द्रीय उत्पाद-णूल्क, तारीख 17 मार्च, 1972।
- 29. सं० 51-/72--केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 17 मार्च, 1972 ।
- 30. सं० 66 / 72—केन्द्रीय उत्पाद–शुल्क, तारीख 17 मार्च, 1972 ।
- 31. सं 71 / 72-केन्द्रीय उत्पाद-श्लक, तारीख 17 मार्च, 1972।
- 32 सं 72 / 72--केन्द्रीय उत्पाद-शल्क, तारीख 17 मार्च, 1972।
- 33. सं 81 / 72--केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 17 मार्च, 1972।
- 34. सं० 180 / 72—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क, तारीख 29 जुलाई, 1972।
- 35. सं० 207 / 72--केन्द्रीय उत्पाद-णुल्क, तारीख 6 ग्रक्तूबर, 1972।

[सं० 87 / 73]

G.S.R. 152(B).—In exerc se of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, read with sub-section (3) of section 3 of Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act. 1957 (58 of 1957), the Central Government hereby rescinds the following notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance), namely:—

- 1. No. 136/69 Central Excises, dated the 8th May, 1969.
- 2. No. 34/72-Central Excises, dated the 17th March, 1972.
- 3. No. 178/72-Central Excises, dated the 24th July, 1972.

[No. 88/73]

R. JAYARAMAN, Unier Stey.

सा०का०नि० 152(म्र).—-ग्रितिरिक्त उत्पाद-मुल्क (विशेष महस्व का माल) म्रिधिनियम 1957 (1957 की 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क नियम 1944 के नियम 8 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एसद्द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रीर बीमा विभाग) की निम्निलिखत ग्रिध-सूचनाग्रो को विखंडित करती है, ग्रर्थात्:—

- मंठ 136/69—केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क, तारीख 8 मई, 1969।
- 2. सं0 34 / 72—केन्द्रीय उत्पाद-भुल्क, तारीख 17 मार्च, 1972 ।
- सं० 178 / 72---केन्द्रीय उत्पाद-शृल्क, तारीख 24 जुलाई, 1972 ।

सिं० 88 / 73]

श्रार० जयरामनः ध्रवर सचिव ।